आज का विचार

प्रकृति का काम तो सिर्फ लोगों को मिलाना है। रिश्तों की उम्र क्या होगी ये आपके व्यवहार पर है।

दैनिक सिटी दर्पण

आईना सच का

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ । शनिवार, 7 फरवरी, 2026 वर्ष 24, अंक 32, मूल्यः 3 रुपए, पृष्ठ 8 RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 www.citydarpan.com

परीक्षा पे चर्चा में छात्रों को प्रधानमंत्री मोदी का मंत्र- शिक्षा जीवन के सर्वांगीण विकास का माध्यम

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा पास करना नहीं बल्कि जीवन का सर्वांगीण विकास होना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि परीक्षा जीवन की अंतिम मंजिल नहीं, स्वयं को परखने का एक माध्यम है। अंक ही सबकुछ नहीं होते, असली लक्ष्य संतुलित, आत्मविश्वासी और सक्षम जीवन का निर्माण होना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने आज यहां अपने आवास पर ह्यपरीक्षा पे चर्चा 2026 के नौवें संस्करण में देश के विभिन्न हिस्सों से आए विद्यार्थियों से संवाद किया। मणिपुर की एक छात्रा के सवाल पर प्रधानमंत्री ने छात्रों को सलाह दी कि जो बीत गया उसकी गिनती में समय बर्बाद न करें। अपना उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि ह्य17 सितंबर को उनके जन्मदिन पर एक नेता ने फोन किया और बोले कि अब आप 75 के हो गए, तो मैंने कहा कि अभी 25 बाकी हैं। उन्होंने कहा कि ह्यजो बीता है, मैं उसे गिनता नहीं हूं। जो बचा है उसको गिनता हूं। उन्होंने छात्रों से भी यही दृष्टिकोण अपनाने का आग्रह करते हुए कहा कि जो बीता है उसकी गिनती में समय बर्बाद मत कीजिए, जो बचा है उसको जीने के लिए सोचिए।

माता-पिता और शिक्षकों द्वारा सुझाई जाने वाली अलग-अलग अध्ययन पद्धतियों को लेकर भ्रम संबंधी एक छात्र के सवाल पर प्रधानमंत्री ने कहा कि यह स्थिति जीवन भर बनी रहती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री बनने के बाद भी लोग उन्हें अलग-अलग तरीके से काम करने की सलाह देते हैं। सलाह जरूर लें लेकिन वही करें जो आपके स्वभाव और परिस्थितियों के अनुकूल हो। मोदी ने कहा, आप अपना जो पैटर्न है, उस पर पूरा भरोसा करो। लेकिन जो पैटर्न के लिए सुझाव देते हैं, उसको ध्यान से सुनो, समझने की कोशिश करो और उसमें

आपको लगता है कि यह चीज अगर जोड़ दूं तो अच्छा होगा। लेकिन किसी के कहने पर मत जोड़ो, अपने अनुभव से जोड़ो।

प्रधानमंत्री ने बोर्ड और स्कूल परीक्षाओं की तैयारी में पिछले वर्षों के प्रश्नपत्रों और तथाकथित इम्पोर्टेंट क्वेश्चन पर अत्यधिक निर्भरता को लेकर छात्रों को आगाह किया। उन्होंने कहा कि जब छात्र केवल सीमित पैटर्न पर ध्यान केंद्रित करते हैं, तब प्रश्नपत्र कठिन लगने लगता है, जबकि वह सिलेबस के बाहर नहीं होता। यह प्रवृत्ति उनके छात्र जीवन के समय भी थी और आज भी कुछ शिक्षक अनजाने में इसे बढ़ावा देते हैं। अच्छे शिक्षक वही होते हैं जो पूरे सिलेबस को जीवन से जोड़ कर पढ़ाते हैं।

प्रधानमंत्री ने खेल का उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे एक खिलाड़ी केवल कंधे की मांसपेशियां मजबूत करके अच्छा बॉलर नहीं बन सकता, वैसे ही पढ़ाई में भी संपूर्ण तैयारी जरूरी है। शरीर, मन, नींद, खानपान- सबका संतुलन जरूरी है। शिक्षा भी ऐसी ही है; उसे जीवन के हर पहलू से जोड़कर देखना चाहिए।

पढ़ाई के दौरान एकाग्रता और भूलने की समस्या पर प्रधानमंत्री ने व्यावहारिक सलाह दी। उन्होंने कहा कि छात्र अपने से कमजोर विद्यार्थियों को पढ़ाएं और अपने से बेहतर विद्यार्थियों से कुछ समय मार्गदर्शन लें। इससे दोहरा लाभ होगा- समझ मजबूत होगी और आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। उन्होंने यह भी कहा कि किसी क्षण में जितना अधिक हम शामिल होते हैं, वह उतना ही लंबे समय तक याद रहता है।कक्षा 12वीं के छात्रों द्वारा बोर्ड परीक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की एक साथ तैयारी के सवाल पर प्रधानमंत्री ने कहा कि प्राथमिकता बोर्ड परीक्षा को देनी चाहिए। यदि छात्र अपने सिलेबस को गहराई से आत्मसात कर लेते हैं तो प्रतियोगी परीक्षाएं अपने आप आसान हो जाती हैं। उन्होंने माता-पिता से भी आग्रह किया कि वे बच्चों को उनकी क्षमता, रुचि और गति के अनुसार आगे बढ़ने दें।

परीक्षा के दौरान घबराहट और जल्दबाजी से होने वाली गलतियों पर प्रधानमंत्री ने एक सरल तकनीक साझा की। उन्होंने कहा कि प्रश्नपत्र मिलने पर 30 सेकंड शांत बैठकर गहरी सांस लें। इससे मन स्थिर होता है और सही उत्तर सूझता है। उन्होंने कहा, नहीं आता है या गलती होना अलग बात है, लेकिन आता है और फिर भी गलती हो जाए- यह अक्सर हड़बड़ी के कारण होता है।

प्रधानमंत्री ने सभी छात्रों को कार्यक्रम की शुरूआत में असम का गमछा भेंट किया। प्रधानमंत्री ने असम के गमछा का उल्लेख कर उसे नारी सशक्तिकरण और पूर्वोत्तर की कारीगरी का प्रतीक बताया। अंत में प्रधानमंत्री ने छात्रों को संदेश दिया कि परीक्षा को उत्सव की तरह लें, स्वयं पर भरोसा रखें और अपने जीवन के केंद्र में सत्य और आत्मविश्वास को रखें। उन्होंने कहा, शिक्षा परीक्षा के लिए नहीं, जीवन के लिए है और परीक्षा स्वयं को पहचानने का अवसर है। परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम का अगला एपिसोड 9 फरवरी को सुबह 10 बजे प्रसारित होगा।

आने वाला समय भाजपा का, पीएम मोदी के नेतृत्व में पंजाब बनेगा देश का अग्रणी राज्यः नायब सैनी

हरियाणा मॉडल से पंजाब को मिलेगा विकास का नया रास्ता, भाजपा जो कहती है वो करके दिखाती है

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आने वाला समय भारतीय जनता पार्टी का है और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सशक्त नेतृत्व में पंजाब देश का अग्रणी राज्य बनेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार बनते ही पंजाब में विकास की रफ्तार तेज होगी और केंद्र की सभी जनकल्याणकारी योजनाएं जमीन पर प्रभावी रूप से लागू की जाएंगी।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी शुक्रवार को पंजाब के गांव पंजौला में आयोजित सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने पर आयोजक सतपाल पुनिया द्वारा मुख्यमंत्री का पुष्पगुच्छ एवं सिरोपा भेंट कर भव्य स्वागत किया गया।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि हरियाणा देश का पहला राज्य है जहां 24 फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य दिया जा रहा है। किसानों की फसल मंडी में पहुंचते ही 48 घंटे के भीतर भुगतान सीधे उनके खातों में किया जा रहा है। प्राकृतिक

आपदा से फसल खराब होने पर मुआवजा भी सीधे किसानों के खातों में ट्रांसफर किया जाता है, जिससे किसान आत्मनिर्भर और सुरक्षित महसूस कर रहा है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि भाजपा ने जो वायदे किए, उन्हें केवल कागजों तक सीमित नहीं रखा। संकल्प पत्र के 217 वायदों में से पहले चरण में 60 वायदे पूरे किए जा चुके हैं, जबकि शेष संकल्पों को भी तेजी से पूरा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पंजाब और हरियाणा का खून का रिश्ता है, संस्कृति और संस्कार एक जैसे हैं, इसलिए विकास का मॉडल भी सांझा होना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा में महिलाओं को लाडो लक्ष्मी योजना के तहत 2100 रुपये प्रति माह दिए जा रहे हैं, जिसके लिए बजट में 5000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। वहीं पंजाब में महिलाओं को 1100 रुपये देने की घोषणा आज तक पूरी नहीं हो पाई है। यह भाजपा और अन्य दलों के काम करने के तरीके का बड़ा अंतर दशार्ता है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लगभग 1.50 लाख लोगों को मकान उपलब्ध कराए गए हैं। इसके अलावा 27 हजार पात्र परिवारों को 100-100 गज के प्लॉट और 14 शहरों में पहले चरण में 15 हजार लोगों को 30-30 गज के प्लॉट दिए गए हैं। पंचायती भूमि पर 20 वर्षों से कब्जाधारी लोगों को मालिकाना हक भी दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा में आयुष्मान एवं चिरायु योजना के तहत 5 लाख रुपये तक का सालाना मुफ्त इलाज दिया जा रहा है। अब तक करीब 25 लाख लोग इस योजना का लाभ उठा चुके हैं और इस पर 4000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि खर्च की जा चुकी है। इसके विपरीत पंजाब में मोहल्ला क्लीनिक केवल दिखावा साबित हुए हैं, जहां न तो पर्याप्त इलाज है और न ही दवाइयां उपलब्ध हैं।

आम आदमी पार्टी सरकार पर तंज कसते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार को चुनाव से पहले किए गए वायदों पर श्वेत पत्र जारी करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पंजाब में भ्रष्टाचार चरम पर है, कानून व्यवस्था बिगड़ी हुई है और ईमानदारी की बात करने वाले खुद जेल तक गए हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि हरियाणा में बुजुर्गों को 3200 रुपये प्रतिमाह पेंशन दी जा रही है, जिससे 34.50 लाख से अधिक वरिष्ठ नागरिक लाभान्वित हो रहे हैं। यह राशि हर माह की 1 से 10 तारीख के बीच सीधे खातों में ट्रांसफर की जाती है। इसके अलावा हैप्पी कार्ड योजना के तहत एक लाख से कम आय वाले परिवारों को 1000 किलोमीटर मुफ्त बस यात्रा की सुविधा दी जा रही है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में युवाओं को बिना खर्ची-पर्ची और पारदर्शी तरीके से नौकरियां दी जा रही हैं। पिछले 11 वर्षों में 2 लाख युवाओं को रोजगार मिला है, जबकि केवल पिछले एक वर्ष में ही 34 हजार से अधिक सरकारी नौकरियां दी गई हैं।

पहचान अब सत्ता के गलियारों के बजाय गांवों और जंगल के असली नायकों को मिल रही: हरिवंश

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

राज्य सभा के उपसभापति हरिवंश ने शुक्रवार को कहा कि सत्ता के गलियारों के बजाय गांवों और जंगलों में सेवा करने वाले असली नायकों को पहचान मिल रही है।

हरिवंश ने यह बात आज नई दिल्ली स्थित कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में 'प्रधानमंत्री मोदी के अनमोल रत्न' पुस्तक के लोकार्पण के अवसर पर कही। इस पुस्तक की लेखिका डॉ. दर्शनी प्रिय हैं। यह पुस्तक भारत के उन 35 अद्वितीय 'पद्मश्री' पुरस्कार विजेताओं की जीवन यात्रा और संघर्षों पर आधारित है, जिन्होंने देश के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी अमूल्य सेवाएँ दी हैं। पुस्तक का प्रकाशन प्रतिष्ठित प्रभात प्रकाशन द्वारा किया गया है।

उन्होंने कहा, 2014 के बाद देश में पुरस्कारों की संस्कृति बदली है और अब सत्ता के गलियारों के बजाय गांवों, जंगलों और श्मशान घाटों में सेवा करने वाले असली नायकों को पहचान मिल रही है।

हरिवंश ने पुस्तक के पात्रों का वर्णन करते हुए उन्हें 'अनासक्त योगी' की संज्ञा दी। उन्होंने कहा, ये वे लोग हैं जो बिना किसी प्रचार-प्रसार या पद की आकांक्षा के गीता के संदेश के अनुरूप अपने कर्तव्य के प्रति समर्पित हैं। जो काम को ही तप और साधना मानते हैं, वही प्रधानमंत्री मोदी के असली

अनमोल रत्न हैं।

उन्होंने कहा कि यह पुस्तक केवल कहानियों का संग्रह नहीं, बल्कि युवाओं के लिए एक ऊर्जा पुंज है। इसमें संकलित 33 प्रेरणादायक कहानियाँ यह सिखाती हैं कि बिना आत्म-प्रचार के भी देश के प्रति अपने ऋण को कैसे चुकाया जा सकता है।

हरिवंश ने युवाओं का आान किया कि वे 'इंस्टेंट पब्लिसिटी' के दौर में इन असली नायकों के चरित्र से सीखें। उन्होंने जोर दिया कि यदि भारत को 2047 तक दुनिया का सबसे ताकतवर देश बनाना है, तो हमें उन गुमनाम शहीदों और नायकों के ऋण से उऋण होने के लिए उनके जैसा समर्पण दिखाना होगा।

अति विशिष्ट अतिथियों में प्रसार भारती के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव द्विवेदी, भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता सिद्दकी शाहनबाज हुसैन, बिहार के सेवानिवृत अधिकारी सुबोध कुमार सिंह, विशिष्ट अतिथियों में पद्मश्री भूपेंद्र सिंह संजय और पद्मश्री उर्मिला श्रीवास्तव, प्रभात प्रकाशन के सहित अन्य अतिथिगण मौजूद रहे।

लेखिका डॉ. दर्शनी प्रिय ने बताया कि यह पुस्तक पाठकों को उन गुमनाम नायकों से परिचित कराएगी, जिन्होंने जमीनी स्तर पर देश का मान बढ़ाया है।

राज्यसभा की सांसद डॉ. धर्मशीला गुप्ता ने इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की। आकाशवाणी के वरिष्ठ अधिकारी राम अवतार बैरवा ने स्वागत भाषण और मंच संचालन (उद्घोषक) दिनेश शर्मा ने किया।

हंगामें की भेंट चढ़ी लोकसभा की कार्यवाही, सुचारू रूप से चला राज्यसभा का कामकाज

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

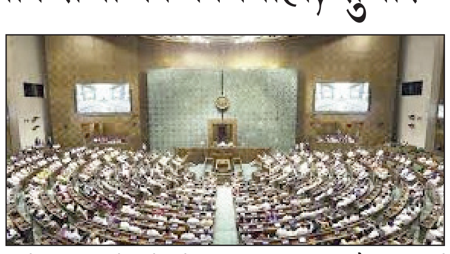

संसद के बजट सत्र के आठवें दिन शुक्रवार को भी लोकसभा में विपक्ष का हंगामा जारी रहा। जिसके बाद लोकसभा की कार्यवाही 9 फरवरी को सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। वहीं, राज्यसभा में कामकाज सुचारू रूप से चला।

राज्यसभा में आज शून्य काल में ऑनलाइन गेमिंग, आयुष मंत्रालय से पैरों के इलाज, कंपनी में माता-पिता की देखरेख के लिए अवकाश की मांग सहित रेलवे मंत्रालय से जुड़े सवालों के जवाब दिए गए। भोजनावकाश के बाद 02 बजे सदन की कार्यवाही शुरू होते ही सदस्यों ने निजी विधेयकों को पटल पर रखा। जिसके बाद सदन की कार्यवाही सोमवार तक के लिए स्थगित कर दी गई।

लोकसभा में सदन की कार्यवाही पूर्वाह्न 11 बजे शुरू होते ही प्रश्नकाल के दौरान विपक्षी सदस्यों ने नारेबाजी शुरू कर दी और हाथों में प्लेकार्ड लेकर सदन के बीचोंबीच आ गए। इस पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा कि बजट सत्र में अब तक सदन के 19 घंटे 13 मिनट हंगामे की भेंट चढ़ चुके हैं। अध्यक्ष ने कहा कि प्रश्नकाल सभी सदस्यों का समय होता है और जनता ने सांसदों को चर्चा और संवाद के लिए भेजा है, न कि पोस्टर और नारेबाजी के लिए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि नियोजित तरीके से गतिरोध पैदा कर सदन की मयार्दा समाप्त की जाती है तो सदन को चलाना संभव नहीं है। अध्यक्ष के बार-बार आग्रह के बावजूद हंगामा नहीं थमने पर सदन की कार्यवाही पहले 12 बजे तक स्थगित की गई। दोपहर में कार्यवाही पुनः शुरू होने पर भी विपक्ष का शोरशराबा जारी रहा।

पीठासीन सदस्य कृष्ण प्रसाद तेन्नेटी ने बताया कि स्थगन प्रस्ताव की किसी भी सूचना को अध्यक्ष ने अनुमति नहीं दी है।

नारेबाजी के बीच स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा सहित कई मंत्रियों ने सभा पटल पर प्रस्ताव रखे। पीठासीन अधिकारी ने विपक्षी सदस्यों से अपील की कि बजट पर चर्चा के दौरान वे अपने सभी विषय उठा सकते हैं और कार्यवाही को बाधित न करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि सदन में प्लेकार्ड लाना नियमों के विरुद्ध है। लगातार व्यवधान के कारण लोकसभा की कार्यवाही सोमवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-3 का परीक्षण, भारत ने एक और कामयाबी हासिल की

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

भारत ने ओडिशा के तट से दूर एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-3 का सफल परीक्षण करके अपनी मिसाइल शक्ति और आत्मनिर्भर रक्षा क्षेत्र में एक और कामयाबी हासिल की है। मिसाइल का परीक्षण पूरी तरह से सफल रहा और यह विभिन्न मानकों पर खरी उतरी। अग्नि-3 बैलिस्टिक मिसाइल 3500 किलोमीटर दूर तक दुश्मनों के ठिकानों पर सटीक निशाना लगाकर उसे तबाह करने की ताकत रखती है। इसकी जद में पूरा पाकिस्तान और चीन का लगभग आधा हिस्सा आता है।

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक इंटरमीडिएट रेंज की बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि -3 का सफल प्रक्षेपण सामरिक बल कमांड के तत्वावधान में किए गए नियमित उपयोगकर्ता प्रशिक्षण का हिस्सा था।

मिसाइल का प्रक्षेपण पूर्व निर्धारित सीमा के लिए किया गया था और सिस्टम के सभी परिचालन मापदंडों को मान्य किया गया। लॉन्च में सभी ऑपरेशनल और टेक्निकल पैरामीटर्स सही पाए गए।परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम अग्नि-3 मिसाइल की लंबाई 17 मीटर और व्यास 2 मीटर है। इतना ही नहीं, यह मिसाइल एक सेकेंड में पांच किलोमीटर की दूरी तय करने में सक्षम है।

मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-3 को 2011 में अग्नि-2 के उत्तराधिकारी के रूप में सेवा में शामिल किया गया था। अग्नि-3 की मारक क्षमता 3,000 से 5,000 किलोमीटर तक है। फायर के बाद यह मिसाइल पाकिस्तान और चीन सहित कई पड़ोसी देशों के अंदर तक जाकर टारगेट को हिट कर सकती है। अग्नि-3 दो चरणों वाली बैलिस्टिक मिसाइल है, जो परमाणु हमला करने में सक्षम है। इसे डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन (डीआरडीओ) ने डिजाइन किया है। यह मिसाइल सॉफिस्टिकेटेड नेविगेशन, ऑनबोर्ड कंप्यूटर सिस्टम और गाइडेंस एवं कंट्रोल सिस्टम्स से लैस है।

हरिद्वार तीर्थस्थल ही नहीं भारत की सांस्कृतिक चेतना का केन्द्र : राजनाथ सिंह

एजेंसी (हि.स.)

हरिद्वार

केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गंगा तट पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि हरिद्वार केवल एक तीर्थस्थल नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना का केंद्र है। यहीं से भारतीय संस्कृति की अखंड धारा प्रवाहित होती है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की रक्षा केवल भौगोलिक सीमाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि उसकी सांस्कृतिक जड़ों की सुरक्षा भी उतनी ही आवश्यक है। यदि संस्कृति कमजोर होती है तो राष्ट्र भी कमजोर हो जाता है। उन्होंने सनातन संस्कृति, अद्वैत वेदांत, भक्ति परंपरा और गुरु-शिष्य संवाद को भारत की आत्मा बताया।

रक्षा मंत्री हरिद्वार के सप्तऋषि क्षेत्र स्थित भारत माता मंदिर परिसर में ब्रह्मलीन स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि महाराज की समाधि मंदिर में मूर्ति स्थापना के अवसर पर आयोजित तीन दिवसीय समारोह को संबोधित कर रहे थे। शुक्रवार को विधिवत समापन हुआ। इस अवसर पर समाधि मंदिर एवं प्रतिमा का विधिविधान से अनावरण किया गया।

समारोह के समापन अवसर पर केन्द्रीय रक्षा मंत्री के साथ ही आवास और शहरी मामलों के केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक तथा जूना अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर अवधेशानंद गिरि महाराज सहित अनेक संत-महात्मा एवं गणमान्य अतिथियों ने समाधि स्थल पर पहुंचकर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

इस तीन दिवसीय भव्य आयोजन में देशभर से संत-महात्मा, धर्मगुरु, सामाजिक कार्यकर्ता एवं राजनीतिक नेतृत्व उपस्थित रहा। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्र चेतना, सनातन संस्कृति, गुरु-शिष्य परंपरा तथा मानव सेवा जैसे विषयों पर

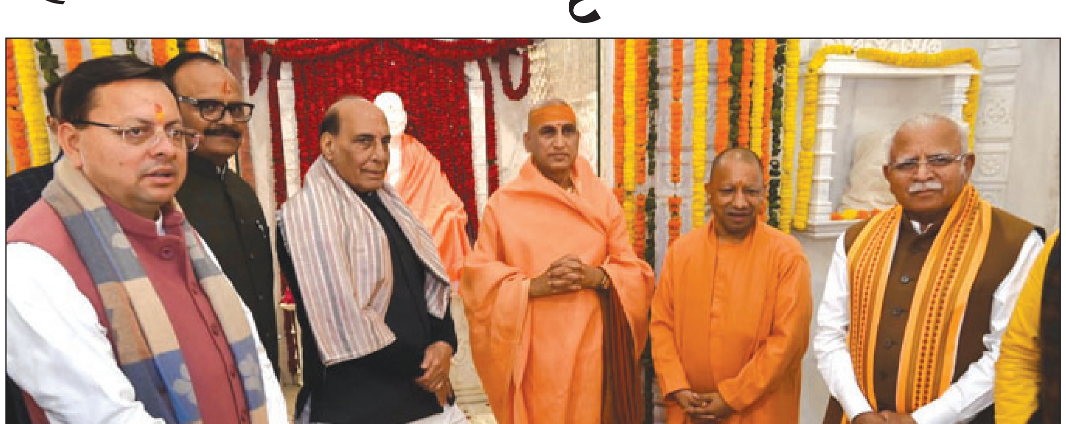

व्यापक विचार-विमर्श हुआ।

राजनाथ सिंह ने कहा कि इस पावन अवसर पर उपस्थित होना उनके लिए सौभाग्य का विषय है। मां गंगा को नमन करते हुए ऋषि-मुनियों की स्मृतियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि भले ही आज हमारे बीच शारीरिक रूप से उपस्थित नहीं हैं, किंतु उनकी साधना, विचार और जीवन दर्शन आज भी समाज को मार्गदर्शन प्रदान कर रहे हैं। प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा उनके जीवन मूल्यों और विचारधारा को पुनः जागृत करने का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि आधुनिकता और संस्कृति एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। तकनीकी ज्ञान के साथ संस्कार जुड़ जाएं तो राष्ट्र को कोई भी कमजोर नहीं कर सकता। उन्होंने युवाओं से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आान करते हुए देश की अखंडता, संप्रभुता और गौरव की रक्षा के लिए सामूहिक संकल्प लेने का संदेश दिया।

वहीं, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देवभूमि उत्तराखंड में अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि महाराज ने आध्यात्मिक साधना को समाज सेवा से जोड़कर एक विशिष्ट जीवन दर्शन प्रस्तुत किया। भारत माता मंदिर की स्थापना के माध्यम से उन्होंने राष्ट्र प्रेम और सांस्कृतिक गौरव को मूर्त रूप दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की सनातन संस्कृति और विरासत को वैश्विक पहचान मिल रही है तथा उत्तराखंड विकास और विरासत के संतुलन के साथ आगे बढ़ रहा है।

हरिद्वार से सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि भारत माता मंदिर की स्थापना एक दूरदर्शी राष्ट्र मंदिर की अवधारणा के साथ की गई थी, जिसे आज और अधिक सशक्त रूप दिया जा रहा है।विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूरी भूषण ने कहा कि स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि राष्ट्र, धर्म और मानव चेतना के अमर पथप्रदर्शक थे। उनका संपूर्ण जीवन सनातन संस्कृति, राष्ट्र धर्म और मानव कल्याण को समर्पित रहा।

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि संत समाज से उन्हें सदैव प्रेरणा और मार्गदर्शन प्राप्त होता रहा है। उन्होंने इस आयोजन में सम्मिलित होने को सौभाग्य बताया।

कार्यक्रम में जूना अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर अवधेशानंद गिरि महाराज, कार्ष्णि पीठाधीश्वर स्वामी गुरु शरणानंद महाराज, मध्य प्रदेश के कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक, विधायक प्रेमचंद अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में साधु-संत, जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

उन्नत प्रौद्योगिकी से उत्पन्न चुनौतियों का मुकाबला समान रूप से उन्नत तकनीकी समाधानों से किया जाना चाहिए: अमित शाह

एजेंसी (हि.स.)
जम्मू

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को आधुनिक उपकरणों के माध्यम से सीमा सुरक्षा को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि अग्रिम मोर्चों पर तैनात कर्मियों की निरंतर सतर्कता महत्वपूर्ण बनी हुई है, वहीं उन्नत प्रौद्योगिकी से उत्पन्न चुनौतियों का मुकाबला समान रूप से उन्नत तकनीकी समाधानों से किया जाना चाहिए। शाह जम्मू और कश्मीर के कठुआ में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर स्थित अग्रिम चौकियों के दौरे के दौरान सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सशस्त्र बलों की भूमिका की भी सराहना की, जब जम्मू सीमा ने सीमा पार 118 दुश्मन चौकियों और तीन आतंकी लॉन्च पैड को नष्ट कर दिया था। उन्होंने कहा कि सरकार और बीएसएफ दोनों का साझा उद्देश्य देश की सीमाओं को सुरक्षित रखना है और उन्होंने कहा कि कुछ साल पहले की चुनौतियां आज की चुनौतियों से बिल्कुल अलग हैं।

गृह मंत्री ने कहा, ह्लकुछ साल पहले सीमाओं पर हमें जिन चुनौतियों का सामना करना पड़ा था वे आज की चुनौतियों से बिल्कुल अलग हैं। मोर्चे पर लगातार सतर्क रहने के लिए आपका समर्पण अत्यंत महत्वपूर्ण है। हालांकि उन्नत प्रौद्योगिकी के माध्यम से नई चुनौतियां उभर रही हैं इसलिए हमें उनका मुकाबला करने के लिए तकनीकी समाधान भी खोजने होंगे।ह्व

हीरानगर सेक्टर के गुरनाम और बोबियान सीमा चौकियों के दौरे के दौरान उनके साथ उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, गृह सचिव गोविंद मोहन, खुफिया ब्यूरो के निदेशक तपन कुमार डेका और बीएसएफ के महानिदेशक प्रवीण कुमार भी थे। उनका यह दौरा आतंकवादियों की घुसपैठ और हथियारों व नशीले पदार्थों की तस्करी को रोकने के लिए सीमा प्रबंधन पर बढ़ते ध्यान और आतंकवाद विरोधी अभियानों को तेज करने के बीच हुआ है। इन अभियानों में पिछले दो हफ्तों में कठुआ, उधमपुर और किश्तवार जिलों में लगभग एक दर्जन मुठभेड़ों में जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के चार कट्टर पाकिस्तानी आतंकवादी मारे गए हैं।

शाह गुरुवार की देर रात जम्मू-कश्मीर के दो दिवसीय दौरे पर यहां पहुंचे, जहां उपराज्यपाल सिन्हा, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और विधानसभा में विपक्ष के नेता सुनील शर्मा सहित वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने उनका स्वागत किया।

अधिकारियों ने बताया कि कठुआ में गृह मंत्री ने बोबियान में सीमा सुरक्षा बलों के लिए छह कल्याणकारी योजनाओं का वर्चुअल उद्घाटन और आधारशिला रखी। बोबियान में बीएसएफ जवानों को संबोधित करते हुए गृह मंत्री ने कहा कि वे सीमा निगरानी का जायजा लेने और बल के कर्मियों से सीधे बातचीत करने आए हैं। उन्होंने कहा, ह्लमैंने वादा किया है कि बीएसएफ का 60वां वर्ष बीएसएफ आधुनिकीकरण और बीएसएफ कर्मियों और उनके परिवारों के कल्याण के वर्ष के रूप में मनाया जाएगा। गृह मंत्रालय की एक टीम इन दोनों पहलुओं पर काम कर रही है।ह्व उन्होंने कहा कि बीएसएफ कर्मियों के कल्याण के लिए सरकार एक विशेष योजना भी लाएगी।

उन्होंने आगे कहा, ह्लइसके अलावा सरकार प्रौद्योगिकी के आधार पर सीमा सुरक्षा के आधुनिकीकरण के लिए आवश्यक धनराशि खर्च करने को तैयार है। मेरा मानना घ्है कि बेहतर सीमा अवसंरचना और आधुनिक उपकरण आपको अपने कर्तव्यों के निर्वहन में बहुत मदद करेंगे। इसके माध्यम से हम आपकी कठिनाइयों को भी कुछ हद तक कम करने का प्रयास करेंगे ताकि आप अपनी जिम्मेदारियों को बेहतर ढंग से निभा सकें।ह्व गृह मंत्री ने बीएसएफ कर्मियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनके कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण के कारण ही पूरा देश शांति से सो पाता है और सुरक्षित महसूस करता है।

गृह मंत्री ने बोबियान सीमा चौकी पर शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर देश के लिए प्राणों की आहुति देने वाले सीमा रक्षकों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने लिखा, ह्लमैंने राष्ट्र की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। ३ सैनिकों का बलिदान और अटूट समर्पण हर नागरिक के लिए प्रेरणादायक है। मैं उनके अदम्य साहस और वीरता को सलाम करता हूं।'

अफवाह और झूठ कांग्रेस का राजनैतिक चरित्र : जयराम ठाकुर

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

मंडी में आयोजित एक विशेष जागरूकता अभियान और भाजपा की जिला स्तरीय कार्यशाला को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कांग्रेस पार्टी पर तीखा प्रहार किया और स्पष्ट शब्दों में कहा कि अफवाह फैलाना, सफेद झूठ बोलना और जनता को सुनियोजित तरीके से गुमराह करना ही कांग्रेस का असली राजनीतिक चरित्र बन चुका है।

उन्होंने विशेष रूप से मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण और केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन-ग्रामीण' को लेकर कांग्रेस द्वारा फैलाए जा रहे भ्रम की कड़ी आलोचना करते हुए तथ्यों के साथ स्पष्ट किया कि राज्य की सुक्खू सरकार अपनी प्रशासनिक विफलताओं, विकास कार्यों की ठप पड़ी गति और गहरे आर्थिक कुप्रबंधन को छिपाने के लिए लगातार केंद्रीय बजट और दिल्ली की नीतियों के बारे में प्रदेशवासियों के बीच झूठ परोस रही है।

इस अवसर पर स्थानीय विधायक अनिल शर्मा, जिलाध्यक्ष निहाल चंद शर्मा, जिला प्रभारी बलदेव भंडारी, सह प्रभारी भीमसेन शर्मा, मेयर वीरेंद्र भट्ट, प्रदेश प्रवक्ता अजय राणा और पाल वर्मा भी उपस्थित रहे। भाजपा के तमाम वरिष्ठ नेताओं और कार्यकताओं की गरिमामयी उपस्थिति रही जहाँ सभी ने एकजुट होकर कांग्रेस के इस दुष्प्रचार के खिलाफ जमीनी स्तर पर जन-अभियान चलाने का दृढ़ संकल्प लिया।

मंडी में मीडिया से अनौपचारिक बातचीत के दौरान नेता प्रतिपक्ष ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि वे हर बात पर केंद्र सरकार को कोसने और भाजपा सांसदों को बेवजह घेरने के बजाय इस बात पर आत्मचिंतन करें कि हिमाचल को वर्तमान आर्थिक बदहाली से कैसे उबारा जाए।ठाकुर ने मुख्यमंत्री द्वारा बिलासपुर में दिए गए उस बयान का भी करारा जवाब दिया जिसमें सुक्खू ने जयराम ठाकुर के नेतृत्व में राजस्व अनुदान घाटा ग्रांट पर केंद्र के सामने हिमाचल का पक्ष रखने की बात कही थी। जयराम ठाकुर ने दो टूक कहा कि वे प्रदेश हित के लिए मुख्यमंत्री के साथ कहीं भी, किसी भी समय चलने के लिए तैयार हैं और उन्हें इसमें कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन मुख्यमंत्री को पहले केंद्र के सामने अपना पक्ष प्रभावी ढंग से रखने की कला सीखनी चाहिए।

उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस आर.डी.जी. ग्रांट को लेकर केवल शोर मचा रही है, जबकि केंद्र सरकार ने बहुत पहले ही वित्त आयोग की सिफारिशों के अनुरूप इस ग्रांट को धीरे-धीरे बंद करने के संकेत दे दिए थे। इसके विपरीत, वर्तमान केंद्रीय बजट में बहुत कुछ ऐसा है जिससे पर्वतीय राज्यों को अनेकों लाभ पहुँच रहे हैं, जिसमें टैक्स के स्टेट शेयर में 10 प्रतिशत की ऐतिहासिक बढ़ोत्तरी एक ताजा उदाहरण है।

धर्मशाला में सजेगा कबड्डी का मंच : 9 फरवरी से ऑल इंडिया इंटर जोनल महिला चैंपियनशिप की सीयू कर रहा मेजबानी

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के नाम एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ने जा रही है। सीयू इस बार ऑल इंडिया इंटर जोनल महिला कबड्डी प्रतियोगिता की मेजबानी कर रहा है। यह प्रतियोगिता 9 से 12 फरवरी तक धर्मशाला में आयोजित की जा रही है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सत प्रकाश बंसल ने शुक्रवार को पत्रकार वार्ता में बताया कि सीयू आगामी 'ऑल इंडिया इंटर जोनल कबड्डी चैंपियनशिप' की मेजबानी करने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह आयोजन न केवल विश्वविद्यालय बल्कि पूरे प्रदेश के खेल इतिहास के लिए एक ऐतिहासिक क्षण होगा।

उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता का उद्घाटन समारोह बेहद खास होने वाला है। इस अवसर पर प्रदेश के राज्यपाल मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। उनके साथ पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर भी विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे।

उन्होंने बताया कि खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने के लिए कबड्डी जगत के बड़े नाम धर्मशाला की धरती पर उतरेंगे। इनमें भारतीय कबड्डी के दिग्गज खिलाड़ी दीपक हुड्डा और हिमाचल की शान व भारतीय महिला कबड्डी टीम की अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगी। इन सितारों की मौजूदगी युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी।

विश्वविद्यालय के स्पोर्ट्स डायरेक्टर डॉ. सुमन शर्मा की देखरेख में इस पूरी प्रतियोगिता का खाका तैयार किया गया है। कुलपति ने बताया कि देश भर के चार जोन्स से आने वाली सर्वश्रेष्ठ टीमों के ठहरने, खान-पान और सुरक्षा के लिए पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। खेल के मैदानों को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयार किया गया है।

कुलपति ने कहा कि यह चैंपियनशिप केवल एक खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि देश भर की संस्कृतियों और खेल भावना का मिलन है। हमारा लक्ष्य है कि हिमाचल के युवाओं को राष्ट्रीय स्तर का एक्सपोजर मिले और खेल के क्षेत्र में विश्वविद्यालय एक नई पहचान बनाए।

परीक्षा पे चर्चा–प्रधानमंत्री मोदी ने दिए तनावमुक्त परीक्षा के मंत्र

एजेंसी (हि.स.)
कठुआ

राजकीय डिग्री कॉलेज मढ़हीन के छात्रों ने 6 फरवरी 2026 को आयोजित ह्यपरीक्षा पे चर्चाह्ण कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह ऑनलाइन एवं संवादात्मक कार्यक्रम भारत के माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को परीक्षा की तैयारी को तनावमुक्त बनाने और उनके समग्र मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य पर मार्गदर्शन प्रदान करना था।

कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने छात्रों को सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास, समय प्रबंधन, अनुशासन और परीक्षा के समय तनाव से निपटने के महत्वपूर्ण उपाय बताए। उन्होंने विद्यार्थियों को यह संदेश दिया कि परीक्षा को भय का कारण न मानकर, अपने ज्ञान और सीख को प्रदर्शित करने का अवसर समझना चाहिए। संवाद सत्र के दौरान छात्रों ने परीक्षा से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को लेकर प्रश्न भी पूछे, जिनका प्रधानमंत्री ने सरल और प्रेरणादायक ढंग से समाधान प्रस्तुत किया। इस संवाद से छात्र अत्यंत प्रेरित और उत्साहित नजर आए। कार्यक्रम के पश्चात कॉलेज की माननीय प्राचार्या ने भी छात्रों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए सभी सुझावों को जीवन में अपनाने की अपील की, ताकि वे परीक्षा के तनाव को दूर कर बेहतर प्रदर्शन कर सकें। उन्होंने कॉलेज के स्टाफ से भी आग्रह किया कि वे विद्यार्थियों का पूरा ध्यान रखें, उन्हें सुरक्षित वातावरण प्रदान करें और उनके सर्वांगीण विकास में सहयोग करें। कार्यक्रम का समापन सकारात्मक माहौल में हुआ, जिसमें छात्र आत्मविश्वास से भरपूर और आगामी परीक्षाओं के लिए बेहतर रूप से तैयार दिखाई दिए।

संक्षिप्त-समाचार

सीबीएसई स्कूलों में प्रतिनियुक्ति के लिए शिक्षकों को उतीर्ण करनी होगी पात्रता परीक्षा

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश के सरकारी स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों के लिए सीबीएसई से संबद्ध विद्यालयों में प्रतिनियुक्ति पर जाने हेतु अब एक विशेष पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि राज्य सरकार ने बोर्ड को इस परीक्षा के आयोजन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। यह कदम चयन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है। बोर्ड अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि इस पात्रता परीक्षा का आयोजन इसी माह, फरवरी में किया जाएगा। परीक्षा का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रतिनियुक्ति के लिए चुने जाने वाले शिक्षक शैक्षणिक और विषयगत रूप से निर्धारित उच्च मानकों पर खरे उतरें। परीक्षा की शुचिता और गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए बोर्ड ने अनुभवी विषय-विशेषज्ञों की मदद से प्रश्न-पत्रों का ब्लूप्रिंट भी तैयार करवा लिया है। यह परीक्षा शिक्षा विभाग के सभी संवर्गो के लिए अनिवार्य की गई है। इसमें कार्यरत प्रधानाचार्य, पीजीटी, टीजीटी और जेबीटी शिक्षक शामिल हैं, जो सीबीएसई स्कूलों में सेवाएं देने के इच्छुक हैं।

दरनगर एवं बल्ह ब्लॉक के 37 किसानों ने मौहल में प्राप्त किया महक प्रशिक्षण

मंडी। उद्यान विभाग की महक परियोजना द्वारा वित्त पोषित सुगन्धित पौधों के रोपण एवं कटाई के पश्चात प्रबंधन एवं विपणन शीर्षक पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम गोविंद बल्लभ पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान, हिमाचल प्रदेश क्षेत्रीय केंद्र, मौहल-कुल्लू में संपन्न हुआ। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में सुंदरनगर एवं बल्ह ब्लॉक के 37 किसानों ने भाग लिया तथा सुगन्धित पौधों की खेती से सम्बंधित समस्त आयामों पर विस्तृत जानकारी प्राप्त की।विभाग के एक प्रवक्ता ने आज यहां बताया कि इस कार्यक्रम में किसानों को विशेषज्ञों द्वारा सैद्धांतिक तथा व्यावहारिक दोनों माध्यमों से प्रशिक्षण दिया गया। इसके अंतर्गत एक प्रशिक्षण पुस्तिका भी तैयार की गई जिसका वितरण समस्त किसानों को किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए। कार्यक्रम में उद्यान विभाग की ओर से डॉ. संजय गुप्ता, उप निदेशक, उद्यान मंडी, डॉ. राजेश शर्मा, विषय विशेषज्ञ, शिवाली, अनामिका तथा नीता, उद्यान विकास अधिकारी, दीनानाथ, सह-उद्यान विकास अधिकारी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण कार्यक्रम में गोविन्द बल्लभ पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान की ओर से कार्यक्रम समन्वयक, आर के सिंह, वैज्ञानिक-एफ तथा क्षेत्रीय केंद्र प्रमुख, संयोजक डॉ. सरला शाशनी, वैज्ञानिक-ई तथा सह-संयोजक एवं आयोजक सचिव डॉ. मनीष त्रिपाठी, वैज्ञानिक-बी, तथा सह-संयोजक डॉ. वसुधा अग्निहोत्री, वैज्ञानिक-ई, डॉ. केसर चंद, वैज्ञानिक-डी एवं डॉ. किशोर कुमार, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी उपस्थित रहे।

बजट क्वेस्ट के माध्यम से युवाओं को राष्ट्रीय बजट संवाद से जोड़ने की पहल

मंडी। मेरा युवा भारत मंडी द्वारा युवाओं को देश की आर्थिक नीतियों, बजट प्रक्रिया और राष्ट्र निर्माण से जोड़ने के उद्देश्य से बजट क्वेस्ट एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मंच के रूप में सामने आया है। यह पहल युवाओं को अपने विचार, सुझाव और दृष्टिकोण माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी तक पहुँचाने का अवसर प्रदान करती है। इस कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों में न केवल बजट संबंधी जानकारी बढ़ेगी, बल्कि उनमें विश्लेषणात्मक सोच, रचनात्मक अभिव्यक्ति और लोकतांत्रिक सहभागिता की भावना भी विकसित होगी। बजट क्वेस्ट दो प्रमुख चरणों में आयोजित किया जा रहा है। प्रथम चरण में क्विज प्रतियोगिता आयोजित होगी, जो केंद्रीय बजट, आर्थिक योजनाओं और शासन से संबंधित विषयों पर आधारित है। द्वितीय चरण में निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी, जिसमें प्रतिभागी बजट और राष्ट्र निर्माण से जुड़े विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। इस प्रक्रिया के माध्यम से विद्यार्थियों को देश की आर्थिक दिशा और नीतियों को समझने का व्यावहारिक अवसर मिलेगा। सरदार पटेल विश्वविद्यालय मंडी के कुलपति प्रोफेसर ललित अवस्थी द्वारा मंडी जिला में बजट क्वेस्ट का औपचारिक शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह युवाओं के लिए एक सुनहरा अवसर है, जिससे उनका ज्ञानवर्धन होगा और उन्हें माननीय प्रधानमंत्री के साथ विचार साझा करने का अवसर प्राप्त होगा। उन्होंने विद्यार्थियों को इस पहल में उत्साहपूर्वक भाग लेने के लिए प्रेरित किया। विश्वविद्यालय प्रशासन, शिक्षकों एवं सभी शैक्षणिक संस्थानों से अनुरोध है कि वे इस जानकारी का व्यापक प्रसार करें तथा विद्यार्थियों को इस प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करें। यह पहल युवाओं को जागरूक, जिम्मेदार और सक्रिय नागरिक बनने की दिशा में एक सार्थक कदम सिद्ध होगी।

सरकारी बस रूट बचाने की जंग, 6 पंचायतों के 12 हजार ग्रामीणों ने भरी हुंकार

एजेंसी (हि.स.)
नाहन

सराहां से नाड़ब झखोजर रूट पर चलने वाली हिमाचल पथ परिवहन निगम (ल्फळ्उ) की सरकारी बस सेवा को बंद कर इसे निजी ऑपरेटर्स को देने की चचाओं ने क्षेत्र में बवाल खड़ा कर दिया है। परिवहन विभाग के इस कथित फैसले के विरोध में क्षेत्र की 6 पंचायतों के ग्रामीण लामबंद हो गए हैं। ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू को एक औपचारिक ज्ञापन भेजकर चेतावनी दी है कि यदि यह जनविरोधी निर्णय वापस नहीं लिया गया, तो वे उग्र आंदोलन को मजबूर होंगे।

ग्रामीणों का तर्क है कि यह बस सेवा पिछले दो दशकों से अधिक समय से इस दुर्गम क्षेत्र की जीवनरेखा बनी हुई है। पहले यह बस केवल सराहां तक चलती थी, लेकिन स्थानीय मांग पर इसका विस्तार नाइढ़झखोडर तक किया गया था। आज इस रूट से करीब 12 हजार की आबादी सीधे तौर पर जुड़ी हुई है।ज्ञापन में स्पष्ट किया गया है कि यह एकमात्र सरकारी बस है, जिससे स्कूल, कॉलेज और आई टी आई जाने वाले छात्र-छात्राएं अपने बस पास का लाभ उठाते हैं और सराहां अस्पताल आने वाले मरीजों और बुजुर्गों को सस्ती परिवहन सुविधा मिलती है। इस बस के बंद होने से महिलाओं और दिव्यांगों को मिलने वाली सरकारी छूट निजी बसों में खत्म हो जाएगी।

क्षेत्रवासियों ने परिवहन विभाग के अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि निजी बस संचालकों को फायदा पहुँचाने के लिए जानबूझकर इस रूट को ह्यघाटेह्ण में दिखाया जा रहा है। ग्रामीणों के अनुसार, यह रूट पूरी तरह से लाभप्रद है और इस पर सवारियों की कोई कमी नहीं रहती।

संबंधित सभी पंचायतों ने इस फैसले के खिलाफ प्रस्ताव पारित कर दिया है। ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि जनहित को सर्वोपरि रखते हुए इस बस सेवा को निगम के पास ही रहने दिया जाए और निजी संचालकों को परमिट देने की योजना को तुरंत रद्द किया जाए।

मनरेगा बचाओ संघर्ष व राज्य बहाली की मांग को लेकर कठुआ में कांग्रेस का धरना-प्रदर्शन

एजेंसी (हि.स.)
कठुआ

जिला कांग्रेस कमेटी कठुआ की ओर से शुक्रवार को जिला मुख्यालय पर मनरेगा बचाओ संघर्ष और जम्मू-कश्मीर की राज्य बहाली की मांग को लेकर जोरदार धरना-प्रदर्शन किया गया। यह धरना कांग्रेस जिला अध्यक्ष पंकज डोगरा की अध्यक्षता में आयोजित हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में कांग्रेस नेताओं और कार्यकताओं ने भाग लिया।

धरने के दौरान कांग्रेस कार्यकताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और मनरेगा योजना में किए जा रहे कथित बदलावों का विरोध दर्ज कराया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व सांसद चैधरी लाल सिंह सहित अन्य नेताओं ने कहा कि देश की आजादी में अहम भूमिका निभाने वाले महात्मा गांधी के नाम पर शुरू की गई मनरेगा योजना का नाम बदलना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर देशव्यापी आंदोलन चला रही है।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि किसी भी सरकारी योजना या परियोजना का ननाम किसी भगवान के नाम पर नहीं होना चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि भविष्य में ऐसी किसी योजना में घोटाला सामने आता है तो क्या धार्मिक भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचेगी।

बिजली संशोधन विधेयक के विरोध में बिजली बोर्ड ज्वाइंट एक्शन कमेटी का ऐलान, 12 फरवरी को हड़ताल और प्रदर्शन

एजेंसी (हि.स.)
हमीरपुर

हिमाचल प्रदेश स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड ज्वाइंट एक्शन कमेटी जिला हमीरपुर की एक महत्वपूर्ण बैठक संयोजक कामेश्वर दत्त शर्मा की अध्यक्षता में हमीरपुर में संपन्न हुई। बैठक में केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित बिजली संशोधन विधेयक, 2025 तथा इसके प्रावधानों को लागू करने के लिए की जा रही स्मार्ट मीटरिंग पर विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि बिजली क्षेत्र देश की बुनियादी सार्वजनिक सेवा है, जिसका सीधा संबंध हर घर, किसान, छोटे व्यापारी, उद्योग, कर्मचारी और आम नागरिक के जीवन से जुड़ा हुआ है।बैठक में वक्ताओं ने आरोप लगाया कि प्रस्तावित बिजली संशोधन विधेयक, 2025 में ऐसे कई प्रावधान शामिल हैं, जिनसे बिजली कंपनियों के निजीकरण का रास्ता साफ होगा। इससे उपभोक्ताओं पर आर्थिक बोझ बढ़ेगा और कर्मचारियों व पेंशनरों की सेवाएं एवं सामाजिक सुरक्षा भी प्रभावित होंगी। ज्वाइंट एक्शन कमेटी ने स्पष्ट किया कि इस विधेयक और इसके तहत लागू की जा रही स्मार्ट मीटरिंग नीति के खिलाफ प्रदेशभर में विरोध तेज किया जाएगा।

बैठक में यह निर्णय लिया गया कि एनसीसीओईईई के राष्ट्रीय आह्वान पर 12 फरवरी 2026 को समूचे हिमाचल प्रदेश में पेन डाउन, टूल डाउन हड़ताल की जाएगी। इसके साथ ही भोजनावकाश के दौरान बिजली बोर्ड के कार्यालयों के बाहर पेंशनरों और आम जनता के सहयोग से विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। ज्वाइंट एक्शन कमेटी ने सभी कर्मचारियों, अभियंताओं, पेंशनरों और उपभोक्ताओं से इस आंदोलन में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया।

ज्वाइंट एक्शन कमेटी इंप्लाइज यूनिटियर पेंशनर्स हमीरपुर जिला के संयोजक कामेश्वर दत्त शर्मा ने कहा कि संसद में बिजली संशोधन विधेयक, 2025 को पेश किए जाने की पूरी संभावना है। इसके विरोध में पूरे देश में 12 फरवरी को प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि ऑल इंडिया स्तर से 12 फरवरी 2026 को हड़ताल की कॉल दी गई है, जिसे हिमाचल प्रदेश में भी पूरा समर्थन दिया जाएगा।

वहीं, पेंशनर फोरम के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट कुलदीप सिंह खरवाड़ा ने कहा कि प्रस्तावित बिजली संशोधन विधेयक, 2025 के लागू होने से निजी कंपनियों को वितरण क्षेत्र में प्रवेश का रास्ता आसान हो जाएगा। लाभ कमाने के उद्देश्य से काम करने वाली ये कंपनियां सस्ती और सब्सिडी वाली बिजली देने के बजाय मुनाफे को प्राथमिकता देंगी, जिससे घरेलू, कृषि और छोटे उपभोक्ताओं की बिजली महंगी होगी। उन्होंने स्मार्ट मीटरों को लेकर भी गंभीर सवाल उठाए और कहा कि स्मार्ट मीटर केवल कॉरपोरेट घरानों को लाभ पहुंचाने के लिए लगाए जा रहे हैं। प्रति स्मार्ट मीटर लगाने की लागत हजारों रुपये है, जिसका सीधा बोझ बिजली बोर्ड, कर्मचारियों और उपभोक्ताओं पर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि ज्वाइंट एक्शन कमेटी किसी भी सूरत में बिजली क्षेत्र के निजीकरण और जनविरोधी नीतियों को स्वीकार नहीं करेगी और इसके खिलाफ संघर्ष जारी रहेगा।

दैनिक सिटी दर्पण
आईना सच का
नवोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: सतपॉल शर्मा
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भुपेंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेंजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1 सेक्टर-40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित- 160036
सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।
स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

परीक्षा के लिए की गई मेहनत, प्रयास व सोच ही परीक्षार्थी की असली पहचान: नायब सिंह सैनी

परीक्षा का दबाव नहीं उत्सव के तौर पर लें विद्यार्थी : मुख्यमंत्री

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने शुक्रवार को शिक्षा निदेशालय द्वारा आरकेएसडी कॉलेज कैथल के सभागार में आयोजित परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। उन्होंने विद्यार्थियों के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के एग्जाम वॉरियर्स विशेष एपिसोड के लाइव प्रसारण को देखा। इसके उपरांत मुख्यमंत्री ने कक्षा 9वीं से 12वीं के विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों को संबोधित करते हुए उनका मनोबल बढ़ाया। मुख्यमंत्री ने बच्चों को परीक्षा का दबाव न लेने का आह्वान करते हुए कहा कि परीक्षा आपकी पहचान नहीं बल्कि परीक्षा के लिए किए गए आपके प्रयास, मेहनत व सोच ही आपकी असली पहचान है।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि आज हम सबने परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम में भाग लिया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संदेश को सुना। प्रधानमंत्री जी ने परीक्षा के दौरान विद्यार्थियों के मन में उठने वाले डर और तनाव को लेकर एक बहुत ही महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक संदेश दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर वर्ष बच्चों की परीक्षाओं से पहले उनसे जुड़कर चर्चा करते हैं। आज भी उन्होंने परीक्षा के अलावा विकसित भारत, स्वच्छता एवं कर्तव्य पालन को लेकर विद्यार्थियों से बातचीत की और इन सभी विषयों में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने कहा है कि आज जो बच्चे हैं, वे विकसित भारत के मजबूत स्तंभ होंगे। इसलिए हम सभी को देश को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में सामूहिक रूप से अधिक मेहनत करनी चाहिए। उन्होंने सभी का आह्वान किया कि वे स्वच्छता जैसे अभियानों में बढ़चढ़ कर भाग लें।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि परीक्षा पर चर्चा केवल अंकों की बात नहीं है, बल्कि यह आपके मन, आत्मविश्वास और सपनों की चर्चा है। यह खुद को परखने और आत्मविकास का अवसर भी है। परीक्षा में कई बार अंक कम आ जाते हैं, उससे घबराना नहीं चाहिए। हमें निरंतर कड़ी मेहनत और प्रयास करने चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें अपने जीवन में विजन और सोच बड़ी रखनी चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को आगामी परीक्षाओं की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप अपने जीवन में निरंतर आगे बढ़ें, ऊंचाई को छुए और विकसित भारत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। निश्चित रूप से आप सभी विद्यार्थी वर्ष 2047 में विकसित भारत के मजबूत स्तंभ होंगे।

इस अवसर पर हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी, भाजपा जिला अध्यक्ष ज्योति सैनी, पूर्व मंत्री कमलेश ढांडा, पूर्व विधायक लीला राम, जिला परिषद चेयरमैन कर्मबीर कौल, नगर परिषद चेयरपर्सन सुरभि गर्ग, आरकेएसडी कॉलेज समिति प्रधान अश्वनी शोरेवाला सहित गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

डीडीए ने राज्य सरकारों से मांगे कड़कड़डूमा में 2-बीएचके फ्लैटों के लिए आवेदन

चंडीगढ़। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने अपनी डीडीए टॉवरिंग हाइट्स, कड़कड़डूमा हाउसिंग स्कीम-2026 के अंतर्गत आवासीय फ्लैटों के थोक आवंटन हेतु राज्य सरकारों से आवेदन आमंत्रित किए हैं। आरएच-02 ब्लॉक, कड़कड़डूमा के विभिन्न टावरों में स्थित इन आवासीय इकाइयों का उपयोग स्टाफ क्वार्टर, आधिकारिक आवास अथवा सरकारी कर्मचारियों के दीर्घकालिक आवास के रूप में किया जा सकता है। इस संबंध में डीडीए के प्रधान आयुक्त (आवास) से हरियाणा के मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी को एक पत्र मिला है। पत्र के अनुसार, डीडीए द्वारा 107 दो-बेडरूम (2-बीएचके) फ्लैटों का थोक आवंटन किया जाएगा। वर्तमान में निमार्णाधीन इन फ्लैटों को विशेष रूप से केंद्र एवं राज्य सरकारों के संस्थानों के लिए चिह्नित किया गया है। यह योजना केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों तथा राज्य सरकारों के विभागों, सरकारी विश्वविद्यालयों, सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों, सरकारी संगठनों तथा स्वायत्त निकायों के लिए खुली है। इच्छुक संस्थाओं को सक्षम प्राधिकारी से अनुमोदन एवं प्राधिकरण के साथ आवेदन करना होगा और आवश्यक फ्लैटों की संख्या स्पष्ट रूप से दर्शा नी होगी। डीडीए द्वारा यह स्पष्ट किया गया है कि थोक श्रेणी के अंतर्गत आवंटन ह्यपहले आओ-पहले पाओह्न के आधार पर किया जाएगा। प्राथमिकता, पूर्ण एवं पात्र आवेदन प्राप्त होने की तिथि एवं समय के अनुसार ही तय की जाएगी, जो फ्लैटों की उपलब्धता और पात्रता शर्तों को पूरा करने पर निर्भर करेगी। ठन 2-बीएचके फ्लैटों की कीमत 1.79 करोड़ से 2.32 करोड़ रुपये के बीच है।

आयोग के हस्तक्षेप हुआ से बिजली उपभोक्ता की समस्या का समाधान

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा राइट टू सर्विस कमीशन के हस्तक्षेप से सोनीपत जिले के कुंडली क्षेत्र के उपभोक्ता श्री मुकेश कुमार की बिजली संबंधी शिकायत का समाधान सुनिश्चित किया गया है। आयोग ने मामले की सुनवाई के बाद उपभोक्ता को हुई असुविधा के मद्देनजर 5,000 रुपये मुआवजा देने के निर्देश दिए हैं, ताकि उसे राहत मिल सके।

आयोग के प्रवक्ता ने बताया कि आयोग ने जांच में बताया कि शिकायत 28 सितंबर, 2025 को प्राप्त होने के बाद डी.ओ-कम-सीए को मामले की जांच कर तुरंत सुधारात्मक कार्रवाई करनी चाहिए थी। इसके बाद 10 अक्टूबर, 2025 को जब अपील एफजीआरए-कम-एसडीओ के पास पहुंची, तब भी उन्होंने मामले की विस्तार से जांच करने के बजाय मात्र दो दिनों में निपटारा कर दिया। यदि अपीलकर्ता को नियमानुसार सुनवाई का अवसर दिया जाता, तो समस्या को उसी समय पूरी तरह सुलझाया जा सकता था।

आयोग ने यह भी पाया कि एसजीआरए-कम-एक्सईएन ने भी समस्या का पूर्ण समाधान करने के बजाय केवल आंशिक कार्रवाई की। आयोग के संज्ञान लेने के बाद ही बाइंडर शिफ्ट करने जैसी सुधारात्मक कार्रवाई की गई।

आयोग ने मामले की समीक्षा करते हुए उपभोक्ता को हुई असुविधा को ध्यान में रखते हुए, हरियाणा राइट टू सर्विस अधिनियम, 2014 की धारा 17(1)(ह) के तहत 5,000 रुपये मुआवजा देने के निर्देश दिए हैं। यह राशि संबंधित एजेंसी या नियमानुसार जिम्मेदार अधिकारियों से वसूल कर 15 दिनों के भीतर उपभोक्ता को उपलब्ध कराई जाएगी।

आयोग ने उपभोक्ता से अनुरोध किया है कि मुआवजा प्राप्त करने के लिए अपने बैंक खाते से संबंधित आवश्यक विवरण संबंधित एसडीओ और आयोग के ईमेल पर भेजें।

सूरजकुंड मेले में खूब पसंद किए जा रहे हैं मिट्टी के बर्तन, हथकरघा उत्पाद और सजावटी वस्तुएं

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

फरीदाबाद के सूरजकुंड में आयोजित किए जा रहे 39वें सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय शिल्प मेले में देश - विदेश से आए कलाकार कला, संस्कृति तथा पारंपरिक शिल्पों का भव्य प्रदर्शन कर रहे हैं। सूरजकुंड मेले में मिट्टी के बर्तन, सजावटी वस्तुएं, हस्तकरघा उत्पाद और लोक कलाएं विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। राजस्थान की मिट्टी के बर्तन और अन्य सजावटी सामान मेले की शान बढ़ा रहे हैं और पर्यटक इन स्टाल्स से खूब खरीदारी कर रहे हैं।

रंग-बिरंगे घड़े, सुराही, दीये, पानी की बोतल, फूलदान और कलात्मक प्लेटें और विशुद्ध मिट्टी से निर्मित अन्य सामान सहज ही पर्यटकों का अपनी ओर आकर्षित कर रहे हैं। इन सामान और बर्तनों पर पारंपरिक राजस्थानी डिजाइन और चमकीले रंगों से कलात्मक डिजाइन बनाये जाते हैं, जो राजस्थान की समृद्ध संस्कृति को दर्शाते हैं। कई कारीगर वहीं चाक पर मिट्टी को आकार देते हुए दिखाई देते हैं, जिससे आगंतुक उनकी कला को करीब से समझ पाते हैं। सूरजकुंड मेले में टेराकोटा और अन्य प्रकार की मिट्टी की वस्तुएं भी उपलब्ध हैं, जिन्हें घर सजाने के लिए मूर्तियां, खिलौने और हस्तनिर्मित सजावटी सामान शामिल हैं। ये वस्तुएं केवल सजावट के लिए ही नहीं, बल्कि भारतीय ग्रामीण जीवन और परंपराओं की झलक भी प्रस्तुत करती हैं। सूरजकुंड मेले का उद्देश्य ऐसे ही पारंपरिक शिल्पों को बढ़ावा देना और कारीगरों को सीधे उपभोक्ता से बेचने का अवसर देना है।

हस्तशिल्प मेले में राजस्थान के राजसमंद के गांव मौलेना से आए लक्ष्मी लाल कुमार और सहायक राजकुमार बताते हैं कि वे यह उनकी पुश्तैनी कला है और वे 2009 से मेले में आ रहे हैं। उन्हें उनकी कला के लिए वर्ष 2017 में कलामणी अवार्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया था। उन्होंने बताया कि राजस्थानी कुम्हार पीढ़ियों से चली आ रही तकनीकों का उपयोग करते हैं, इसलिए उनके बनाए बर्तन मजबूत, पर्यावरण-अनुकूल और उपयोगी होते हैं। उन्होंने बताया कि उनकी दुकान पर मिट्टी से बने 200 से अधिक सामान उपलब्ध हैं। उनकी दुकान पर मैजिक दीपक भी उपलब्ध है, जिसको देखकर पर्यटक आश्चर्यचकित हो रहे हैं।

सूरजकुंड मेला केवल खरीदारी का स्थान नहीं, बल्कि भारतीय हस्तकला की जीवंत प्रदर्शनी है। यहां आने वाले लोग न केवल सुंदर मिट्टी के बर्तन और सजावटी सामान खरीदते हैं, बल्कि कारीगरों की मेहनत और रचनात्मकता को भी सराहना कर रहे हैं। इस प्रकार राजस्थानी मिट्टी की कला इस मेले की पहचान बनकर भारतीय संस्कृति की समृद्ध विरासत को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

खेल हमारे व्यक्तित्व को निखारने और अनुशासित बनाने का सशक्त जरिया: विश्राम कुमार मीणा

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि खेल केवल मैदान पर जीत हासिल करने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह हमारे व्यक्तित्व को निखारने और हमें अनुशासित बनाने का सशक्त जरिया है।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा शुक्रवार को स्थानीय द्रोणाचार्य स्टेडियम में समग्र शिक्षा विभाग द्वारा पीएमश्री योजना के तहत आयोजित जिला स्तरीय खेल कूद प्रतियोगिताओं के उदघाटन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि खिलाडियों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि खेल से एक स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है और पीएमश्री स्कूल जैसे संस्थान छात्रों को आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ शारीरिक रूप से भी मजबूत बना रहे है।

उपायुक्त ने कहा कि जब व्यक्ति बड़ा हो जाता है तो उसे अपने बचपन का खेल सदैव याद रहता है, इसलिए हमें जीवन में खेलना जरूर चाहिए, खेल खेलने से शरीर स्वस्थ रहता है और किसी तरह की कोई बीमारी भी नहीं लगती है। पीएमश्री स्कूल का लक्ष्य विद्यार्थियों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करना है।

इस मौके पर जिला शिक्षा अधिकारी विनोद कौशिक ने उपायुक्त का स्वागत करते हुए बताया कि इन खेलों में 12 पीएमश्री राजकीय विद्यालय भाग ले रहे है। इस वर्ष 2025-26 में हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिसर के तत्वाधान में विद्यार्थियों हेतु यह प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही है। इन प्रतियोगिताओं में जिले के खंडों में आयोजित खेल कूद प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी भाग ले रहे है। एक दिवसीय प्रतियोगिता में जिले से करीब 176 विद्यार्थी इन प्रतियोगिताओं में भाग ले रहे है। प्रतियोगिताओं में 100 मीटर रेस, 200 मीटर रेस, 400 मीटर रेस, लॉग जम्प, शॉटपुट, हाई जम्प, डिस्कस थ्रो और रिले रेस शामिल है। इस मौके पर डीपीसी कृष्ण कुमार, एपीएल प्रदीप कुमार सहित शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारी व भारी संख्या में खिलाड़ी उपस्थित थे।

उद्योग-संबद्ध कौशल-आधारित कार्यशाला का आयोजन

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

पर्यावरण एवं सतत विकास विषय पर पाँच दिवसीय उद्योग-संबद्धकौशल-आधारित कार्यशाला, जिसका आयोजन पर्यावरण अध्ययन संस्थान, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय द्वारा कौशल विकास केंद्र एवं कुरुक्षेत्रविश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र एलुमनी एसोसिएशन के सहयोग से किया गया था, गुरुवार को वैलेडिक्टरी (समापन) समारोह के साथ सफलतापूर्वक संपन्नहुई। इस अवसर पर विशेषज्ञ शैक्षणिक सत्र भी आयोजित किए गए। इसकार्यशाला में विभिन्न विभागों के कुल 85 प्रतिभागियों तथा प्रतिष्ठित उद्योगोंएवं कंसल्टेंसी से जुड़े 10 संसाधन व्यक्तियों ने भाग लिया, जिनकी भूमिकाइस कार्यशाला की सफलता में महत्वपूर्ण रही।

वैलेडिक्टरी समारोह की अध्यक्षता कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रारलेफ्टिनेंट (डॉ.) वीरेंद्र पाल ने मुख्य अतिथि के रूप में की। अपने संबोधन मेंडॉ. वीरेंद्र पाल ने वर्तमान पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने में कौशल-उन्मुखपर्यावरण शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला।

इसी अवसर पर प्रो. तेजिंदर शर्मा, समन्वयक, कौशल विकास केंद्र, नेविशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। उन्होंने विश्वविद्यालयमें इस प्रकार की कार्यशालाओं के नियमित आयोजन की आवश्यकता परबल दिया। डॉ. अनुराधा ने प्रथम तकनीकी सत्र में पर्यावरणीय अनुपालन पर व्याख्यान दिया, जिसमें वैधानिकपर्यावरणीय कानूनों, पर्यावरण प्रभाव आकलन नियामक स्वीकृतिप्रक्रियाओं, अनुपालन निगरानी तथा सतत विकास के लिए प्रदूषण नियंत्रणमानकों के पालन के महत्व पर जोर दिया गया। दूसरे तकनीकी सत्र में डॉ. हरदीप राय शर्मा ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

पर्यावरण अध्ययन संस्थान के निदेशक प्रो. परमेश कुमार ने छात्रों कीव्यावहारिक समझ और पर्यावरण क्षेत्र में उनकी रोजगार-क्षमता बढ़ाने केलिए इस प्रकार के उद्योग-संबद्ध एवं कौशल-आधारित कार्यक्रमों के महत्वपर प्रकाश डाला। कार्यशाला समन्वयक डॉ. भावना दहिया ने सभी अतिथियों का स्वागत कियातथा एक सप्ताह की कार्यशाला की रिपोर्ट प्रस्तुत की। वैलेडिक्टरी समारोहका समापन डॉ. पूजा द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। इस अवसर पर डॉ. कुसुमलता, डॉ. रीता दहिया, डॉ. मीनाक्षी सुहाग, डॉ. दीप्ति, डॉ. अंजलि, इंजीनियर नीतिका एवं इंजीनियर शिवानी भी उपस्थित रहीं।

हजारों वर्ष पुरानी हरियाणा नस्ल की देशी गाय आज भी बढ़ा रही है प्रदेश की शान

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

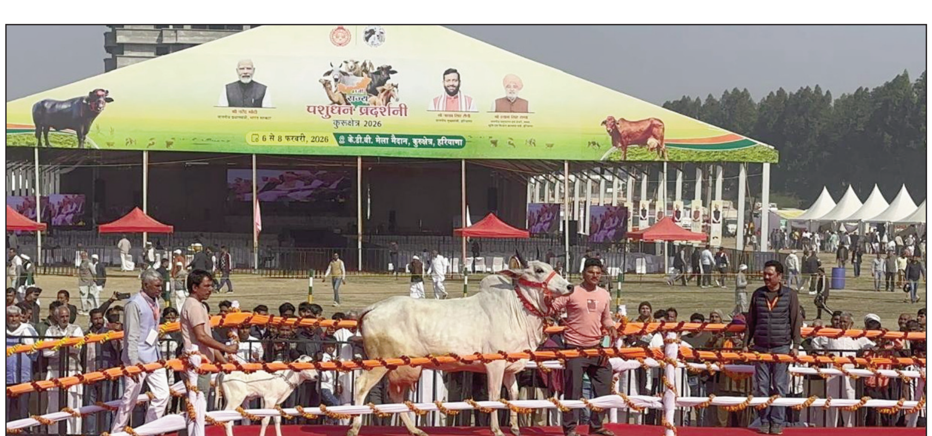

वेदों पुराणों में भी हरियाणा नस्ल की देशी गाय का जिकर किया जाता है। अगर पशुपालन विभाग के अधिकारियों की बात को माने तो भगवान श्रीकृष्ण हरियाणा नस्ल की गाय को खूब प्यार करते थे। आज भी हरियाणा नस्ल की गाय प्रदेश का नाम रोशन कर रही हैं। इस समय हरियाणा प्रदेश में गाउशालाओं के साथ-साथ पशुपालकों के पास करीब 8 लाख हरियाणा नस्ल की गाय हैं। अहम पहलू यह है कि कुरुक्षेत्र की 41वीं राज्य स्तरीय पशुधन प्रदर्शनी में 150 हरियाणा नस्ल की गाय पशुपालक लेकर पहुंचे हैं। खास बात यह है कि हरियाणा के पशुपालन एवं कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने हरियाणा नस्ल की गाय का पूजन करके ही इस राज्य स्तरीय प्रदर्शनी का शुभारंभ किया है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की सोच है कि प्रदेश की हरियाणा नस्ल की गाय के साथ-साथ राठी, गिर, बिलाही, थार-पार, जैसी देशी नस्ल की गाय, बैल को संरक्षित करने, पशुपालक किसानों को मंच मुहैया कराने तथा आय को बढ़ाने के लिए ही राज्य स्तरीय पशुधन प्रदर्शनी जैसे कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी आयोजन के पहले दिन हरियाणा नस्ल की गाय ने आम नागरिक खासकर पशुपालकों का ध्यान आकर्षित किया। इस हरियाणा नस्ल की गाय का दूध बाकी देशी गायों से ज्यादा पौष्टिक है और 3 से 4 प्रतिशत ही फैट है। इस गाय का दूध बच्चों के लिए ज्यादा पौष्टिक है।

प्रदेश सरकार की सोच है कि हरियाणा नस्ल की देशी गाय के नस्ल में और सुधार लाया जाए। इसके लिए लगाकार वैज्ञानिकों द्वारा अनुसंधान का कार्य किया जा रहा है। इस राज्य स्तरीय पशुधन प्रदर्शनी में जींद, रेवाड़ी, चरखी दादरी सहित प्रदेश के अन्य जिलों से दर्जनों पशुपालक 150 हरियाणा नस्ल की गाय लेकर पहुंचे हैं और इस नस्ल की गाय मेले में आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। पशुपालन विभाग के उपनिदेशक डॉ. अनिल बनवाला का कहना है कि प्राचीन काल से प्रदेश में हरियाणा नस्ल की गाय का पालन पोषण किया जाता रहा है। इस गाय को भगवान श्रीकृष्ण भी बहुत प्यार करते थे। इस समय हरियाणा में करीब 8 लाख इस नस्ल की गाय है, जिनका पालन पोषण घरों और गऊशालाओं में किया जा रहा है। इस नस्ल की गाय की कीमत 40 हजार रुपए से लेकर 1.50 रुपए तक है। पशुपालन विभाग के उपनिदेशक डॉ. अनिल बनवाला ने कहा कि गायों में सिर्फ हरियाणा नस्ल की ही एक ऐसी गाय है, जो बिना छुए 6 फीट ऊंची दीवार को कूद सकती है। इस हरियाणा नस्ल की देशी गाय में इतनी फूर्ती हमेशा देखने को मिलेगी।

उपनिदेशक डा. अनिल बनवाला ने कहा कि हरियाणा नस्ल की अधिक दूध देने वाली गाय के लिए सरकार ने इनाम राशि भी रखी है। इसके लिए बकायदा विशेष योजना को अमलीजामा भी पहनाया है। इस योजना के तहत पांच किलो से 15 किलोग्राम तक दूध देने वाली गाय को 5 हजार रुपए से लेकर 40 हजार रुपए तक का इनाम दिया जाता है। इसके लिए बकायदा पशुपालक को पोर्टल पर आवेदन करना होगा और इस आवेदन के बाद टीम द्वारा एक दिन में 3 बार दूध निकालकर दूध की मात्रा की औसत निकालनी होगी। इस प्रक्रिया के बाद दूध की मात्रा के अनुसार पशुपालक को इनाम दिया जाता है।

हरियाणा नस्ल की गाय कम पानी पीना पसंद करती है, लेकिन सफाई उतनी ही ज्यादा पसंद करती है। इसलिए हरियाणा नस्ल की गाय को सफाई में रखना जरूरी है। इस नस्ल की गाय पानी वाली जगह, मिट्टी वाली जगह पर बैठना पसंद नहीं करती है।

41वीं राज्य स्तरीय पशुधन प्रदर्शनी में जहां ऊंट, घोड़ों, बैल, बकरे, भैंसे ने कैटवॉक में पशुपालकों का दिल जीता वहीं हरियाणा नस्ल की गाय का कैटवॉक के मंच पर जलवा देखने को मिला। इस गाय की फूर्ति को देखकर कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा, चेयरमैन धर्मवीर मिजार्पुर, प्रधान सचिव विजय सिंह दहिया और महानिदेशक डा. प्रेम सिंह ने भी खूब प्रशंसा की है।

संक्षिप्त-समाचार

हरियाणा सरकार ने मृतकों की गरिमा बनाए रखने के लिए सभी जिलों में शव वाहन सेवाओं को सुनिश्चित किया: डॉ. सुमिता मिश्रा

चंडीगढ़। हरियाणा के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने राज्य के सभी उपायुक्तों को निर्देश दिया है कि वे प्रत्येक जिले में कम से कम एक चालू शव वाहन सेवा की उपलब्धता सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि मृत व्यक्तियों के सम्मानजनक परिवहन के लिए शव वाहन आवश्यक हैं। जबकि कई जिलों में भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी और विभिन्न एनजीओ के माध्यम से शव वाहन सेवाएं प्रदान की जा रही हैं, उन्होंने इन सेवाओं की उपलब्धता और संपर्क विवरण के बारे में सार्वजनिक जागरूकता में सुधार करने का निर्देश दिया। डॉ. मिश्रा ने कहा कि सभी उपायुक्तों को निर्देश दिया जाता है कि वे सुनिश्चित करें कि प्रत्येक जिले में कम से कम एक चालू शव वाहन सेवा उपलब्ध हो। उन्होंने कहा कि यह सेवा भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, प्रतिष्ठित एनजीओ या किसी अन्य विधिवत अधिकृत एजेंसी के माध्यम से व्यवस्थित की जा सकती है। डॉ. सुमिता मिश्रा ने आगे निर्देश दिया कि प्रत्येक जिले में सिविल सर्जन यह सुनिश्चित करें कि सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में सभी चालू शव वाहनों (भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी/एनजीओ /अधिकृत एजेंसियों द्वारा संचालित) के संपर्क नंबर प्रमुखता से प्रदर्शित किए जाएं। प्रदर्शन स्थलों में जिला अस्पताल, उप-विभागीय अस्पताल, सीएचसी , पीएचसी , मेडिकल कॉलेज, मुर्दाघर, पोस्टमार्टम केंद्र और अन्य प्रमुख सार्वजनिक स्थान शामिल हैं। इस उपाय का उद्देश्य इन सेवाओं का व्यापक प्रचार और जनता तक आसान पहुंच सुनिश्चित करना है। डॉ. मिश्रा ने जोर देकर कहा कि इस मामले में अनुपालन प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि एम्बुलेंस विशेष रूप से सुसज्जित और एर्गोनॉमिक रूप से डिजाइन किए गए वाहन हैं जो आपातकालीन चिकित्सा देखभाल और बीमार या घायल व्यक्तियों के परिवहन के लिए हैं।

गीता विद्यालय में इंडोर स्पोर्ट्स कंपलेक्स का हुआ उद्घाटन

कुरुक्षेत्र। श्रीमद्भगवद्गीता व ० मा ० विद्यालय कुरुक्षेत्र में आज बहुत ही हर्षोल्लास के साथ इन्डोर स्पोर्टस काम्पलेक्स का लोकापर्ण हिन्दू शिक्षा समिति हरियाणा के अध्यक्ष डॉ ऋषि राज वशिष्ठ द्वारा विद्याभारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के मा० संगठन मन्त्री गोविन्द चन्द्र मंहत, विद्या भारती उत्तरक्षेत्र के मा० संगठन मन्त्री विजय नड्डा, व सह संगठन मन्त्री बालकृष्ण व उत्तर क्षेत्र विद्या भारती उपाध्यक्ष चन्द्रहंस, हिन्दूशिक्षा समिति - हरियाणा के व०उपाध्यक्ष चेतराम शर्मा संस्कृति बोध परियोजना के प्रबंधक सुधीर कुमार, सचिव कुलवीर शर्मा, श्रीमद्भगवद गीता विद्यालय के - मा अध्यक्ष मोहिन्दर पाल सिंगला व उपाध्यक्ष अशोक रोसा व कोषाध्यक्ष रमेश गुलाटी व शिक्षाविद्, विद्याभारती उतरक्षेत्र के कोषाध्यक्ष तथा विद्यालय के प्रबंधक विरेन्द्र वालिया, विद्यालय समिति के सदस्य व छात्रावास पालक जंगबहादुर सिंगला प्राचार्य अनिल मदान व समस्त स्टाफ व कर्मचारी गण की गरिमामय उपास्थिति में हुआ। इस अवसर पर गोविन्द चन्द्र महत ने छात्रों के साथ टेबिल टेनिस तथा चैस खेलकर छात्रों का मनोबल बढ़ा कर उनका उत्साहवर्धन किया।साथही छात्रों को प्रांत स्तर से एस जी एफ आई तक खेलकर अपने प्रदेश, क्षेत्र तथा अखिल भारतीय स्तर तक नाम रोशन करना चाहिए । क्षेत्रीय संगठन मन्त्री विजय नड्डा एवं प्रातीय अध्यक्ष डॉक्टर ऋषि राज वशिष्ठ ने भी शुभाशीष प्रदान की। इस अवसर पर विद्यालय के पूर्वछात्र सन्दीप छाबड़ा, अखिलेख, दीपक वर्मा, कृष्ण कुमार पूर्व आचार्य, सतीश सैनी भी उपस्थित रहे।इसी मौके पर उपस्थित पूर्व छात्रों एवंअधिकारियों से विजय नड्डा ने सभी के सहयोग से असहाय व होनहार बच्चों की निशुल्क पढ़ाई एव आवास की व्यवस्था केलिए 5 करोड का एक कार्पस फण्ड बनाने का आवहवान किया । यह संगठन पूर्व छात्रों, उत्तरक्षेत्र विद्याभारती एवं महान शिक्षाविद व श्रीमद्भगवद्गीता के पूर्व प्राचार्य मा० दीनानाथ बत्रा के नाम से संचालित रहेगा। यह उनके जन्म दिवस के अवसर पर दो वर्षो से संचालित है। विद्यालय के प्राचार्य अनिल मदान ने सभा में उपस्थित महानुभावों का विद्यालय परिवार कीओर से धन्यवाद व आभार व्यक्त किया ।

एचएसएससी स्टेनो भर्ती के लिए आवेदन पोर्टल खुला, परीक्षाओं में किरपान व मंगलसूत्र की अनुमति

चंडीगढ़। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के चेयरमैन श्री हिम्मत सिंह ने बताया कि विज्ञापन संख्या 3/2026 में विभिन्न समूहों के पदों पर सीधी भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि अभ्यर्थी लिंक के माध्यम से 6 फरवरी 2026 से 20 फरवरी 2026 रात्रि 11:59 बजे तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इसके बाद वेबसाइट लिंक स्वतः निष्क्रिय हो जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि विभागों की वरीयता केवल उन्हीं अभ्यर्थियों से ली जाएगी जो स्टेनोग्राफी स्किल टेस्ट में उत्तीर्ण होंगे। श्री हिम्मत सिंह ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार आयोग द्वारा आयोजित सभी परीक्षाओं में सिख अभ्यर्थियों को निर्धारित मानकों के अनुसार किरपान पहनने और साथ रखने की अनुमति दी जाएगी। किरपान की कुल लंबाई 9 इंच (22.86 सेंटीमीटर) से अधिक तथा ब्लेड की लंबाई 6 इंच (15.24 सेंटीमीटर) से अधिक नहीं होनी चाहिए। ऐसे सिख अभ्यर्थियों को परीक्षा के निर्धारित समय से कम से कम एक घंटा पहले परीक्षा केंद्र पर रिपोर्ट करना होगा। इसके अतिरिक्त, विवाहित महिला अभ्यर्थियों को परीक्षा कक्ष में मंगलसूत्र पहनने की अनुमति होगी और उन्हें निर्धारित समय से कम से कम 30 मिनट पहले परीक्षा केंद्र पर पहुंचना होगा। श्री हिम्मत सिंह ने कहा कि आयोग ने राज्य सरकार की अधिसूचना के अनुरूप सभी परीक्षा केंद्रों, पर्यवेक्षकों और सुरक्षा कर्मियों को आवश्यक निर्देश जारी कर दिए हैं, ताकि इन प्रावधानों का पालन सुचारु रूप से सुनिश्चित किया जा सके।

एमएड एवं एमएड स्पेशल एजुकेशन की प्रैक्टिकल परीक्षाएं 13 फरवरी से

चंडीगढ़। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक द्वारा एम.एड तथा एम.एड स्पेशल एजुकेशन (रेगुलर एवं री-अपीयर) पाठ्यक्रमों की प्रैक्टिकल परीक्षाएं 13 फरवरी से 20 फरवरी 2026 तक आयोजित की जाएंगी। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता ने बताया कि एम.एड प्रथम और तृतीय सेमेस्टर (रेगुलर एवं री-अपीयर) तथा चतुर्थ सेमेस्टर (केवल री-अपीयर), एमएड स्पेशल के प्रथम और तृतीय सेमेस्टर (रेगुलर एवं री-अपीयर) तथा चतुर्थ सेमेस्टर (केवल री-अपीयर) की प्रायोगिक परीक्षाएं विश्वविद्यालय शिक्षण विभागों एवं संबद्ध कॉलेजों में आयोजित की जाएंगी। उन्होंने बताया कि परीक्षा की विस्तृत डेट शीट शीघ्र ही विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध करवा दी जाएगी। वहीं विद्यार्थियों के प्रवेश पत्र भी एमडीयू पोर्टल पर जल्द जारी किए जाएंगे।

एमडीयू की यूजी दूरस्थ शिक्षा मोड परीक्षाएं 16 फरवरी से शुरू

चंडीगढ़। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक की स्नातक (यूजी) दूरस्थ शिक्षा मोड की थ्योरी परीक्षाएं 16 फरवरी 2026 से प्रारंभ होंगी। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता ने बताया कि बीए एवं बीकॉम प्रथम सेमेस्टर फ्रेश (ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग मोड) सेमेस्टर सिस्टम के तहत ये परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी। यह परीक्षाएं राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (एनईपीझ्र2020) के अंतर्गत ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों माध्यमों से कराई जाएंगी। उन्होंने बताया कि इन परीक्षाओं की विस्तृत डेट शीट शीघ्र ही विश्वविद्यालय वेबसाइट पर उपलब्ध करवा दी जाएगी। वहीं विद्यार्थियों के प्रवेश पत्र भी एमडीयू वेबसाइट पर जल्द जारी किए जाएंगे। ऑनलाइन परीक्षाओं से संबंधित एसओपी और दिशा-निर्देश भी अलग से विश्वविद्यालय वेबसाइट पर अपलोड किए जाएंगे।

परीक्षा ड्यूटी हेतु 11 फरवरी तक अपडेट करें स्टाफ स्टेटमेंट विद्यालय

चंडीगढ़। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी से संबद्ध सैकेण्डरी एवं सीनियर सैकेण्डरी(नियमित/मुक्त विद्यालय) की वार्षिक परीक्षाएं 25 फरवरी से आयोजित करवाई जा रही हैं। इन परीक्षाओं के संचालन हेतु सभी राजकीय व अराजकीय विद्यालयों के अध्यापक, प्राध्यापक व प्रधानाचार्य की परीक्षाओं में ड्यूटियां लगाई जानी है। इस संबंध में जानकारी देते हुए बोर्ड के प्रवक्ता ने बताया कि सभी राजकीय व अराजकीय विद्यालयों के मुखिया उन द्वारा पूर्व में भेजी गई स्टाफ स्टेटमैंट में 09 से 11 फरवरी, 2026 तक अपडेट करना सुनिश्चित करें, ताकि परीक्षाओं के दौरान परीक्षा केन्द्र पर लगाई जाने वाली परीक्षा ड्यूटी में होने वाली परेशानी/समस्या से बचा जा सके। स्टाफ स्टेटमेंट अपडेट करने हेतु बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर लिंक 09 फरवरी, 2026 से उपलब्ध होगा। सभी विद्यालय समय रहते स्टाफ स्टेटमैंट का डाटा संशोधित/अपडेट करना सुनिश्चित करें।उन्होंने आगे बताया कि पूर्व में राजकीय व अराजकीय विद्यालयों द्वारा जो स्टाफ स्टेटमेंट भरी गई थी, यदि विद्यालय में कार्यरत किसी अध्यापक, प्राध्यापक व प्रधानाचार्य के विवरणों में जैसे- किसी प्रकार के अवकाश या सेवानिवृत अथवा स्थानान्तरण (निजी विद्यालयों के प्रधानाध्यापक, प्राध्यापक व अध्यापक विद्यालय छोड़ चुके हो), मोबाइल नम्बर में कोई संशोधन है या अन्य कोई कारण है तो उसे भी बोर्ड की वेबसाइट पर दिए गए लिंक पर समय रहते अपडेट करना सुनिश्चित करें।

संपादकीय

एक फिल्म, कई सवाल: 'घूसखोर पंडत' पर FIR और अभिव्यक्ति की सीमाओं पर बहस तेज

हाल के दिनों में प्रस्तावित फिल्म 'घूसखोर पंडत' को लेकर देश के विभिन्न हिस्सों में जिस तरह की तीखी बहस और असंतोष सामने आया है, उसने एक बार फिर यह बुनियादी प्रश्न खड़ा कर दिया है कि क्या रचनात्मक स्वतंत्रता के नाम पर किसी विशिष्ट समुदाय या धर्म विशेष से जुड़े वर्ग को सामूहिक रूप से कटघरे में खड़ा करना उचित है। भारतीय समाज बहुस्तरीय, बहुधार्मिक और बहुसांस्कृतिक ताने-बाने से निर्मित है, जहां किसी एक वर्ग को नकारात्मक प्रतीकों के रूप में प्रस्तुत करना सामाजिक सौहार्द को गंभीर क्षति पहुंचा सकता है। यही कारण है कि कला, अभिव्यक्ति और सामाजिक जिम्मेदारी के बीच संतुलन की बहस बार-बार केंद्र में लौट आती है। सिनेमा को लंबे समय से समाज का आईना माना जाता रहा है। वह सवाल उठाता है, विसंगतियों को उजागर करता है और कई बार सत्ता-संरचनाओं पर भी तीखा प्रहार करता है। लेकिन जब कोई रचना व्यक्ति विशेष की आलोचना से आगे बढ़कर पूरे समुदाय को एक ही रंग में रंगने लगे, तो वह कला के दायरे से बाहर निकलकर सामाजिक विभाजन का औजार बन जाती है। 'घूसखोर पंडत' जैसे शीर्षक और कथानक को लेकर उठ रही आपत्तियां इसी आशंका से जुड़ी हैं कि कहीं यह फिल्म भ्रष्टाचार जैसे गंभीर मुद्दे की आड़ में ब्राह्मण समाज को सामूहिक रूप से कलंकित करने की कोशिश तो नहीं कर रही।भारत का ब्राह्मण समाज, ठीक अन्य किसी भी समुदाय की तरह, एकरूप नहीं है। इसमें विद्वान, शिक्षक, किसान, श्रमिक, सैनिक, ईमानदार कर्मचारी और समाजसेवी भी हैं, तो कुछ अपवादस्वरूप दोषी व्यक्ति भी हो सकते हैं। किसी एक या कुछ पात्रों के कृत्यों को पूरे समाज का प्रतिनिधि मान लेना न केवल तथ्यात्मक रूप से गलत है, बल्कि संविधान के समानता और गरिमा के मूल सिद्धांतों के भी विपरीत है। यह वही तर्कदोष है, जिसके कारण भारत ने अतीत में लंबे समय तक सामाजिक वैमनस्य और अविश्वास का सामना किया है। चिंता की बात यह भी है कि हाल के वर्षों में फिल्मों, वेब सीरीज और डिजिटल कंटेंट में सस्ती सनसनी के लिए पहचान आधारित ठप्पों का उपयोग बढ़ा है। कभी किसी धर्म, कभी किसी जाति, तो कभी किसी क्षेत्र विशेष को निशाना बनाकर दर्शकों का ध्यान खींचने की कोशिश की जाती है। इससे न केवल रचनात्मक गुणवत्ता गिरती है, बल्कि समाज में पहले से मौजूद तनाव और अविश्वास को भी हवा मिलती है। कला का उद्देश्य प्रश्न करना और सोच को विस्तृत करना होना चाहिए, न कि पूर्वाग्रहों को और गहरा करना।अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता लोकतंत्र का एक अहम स्तंभ है, लेकिन यह स्वतंत्रता निरंकुश नहीं है। भारतीय संविधान स्वयं इस स्वतंत्रता पर उचित प्रतिबंधों की बात करता है, विशेषकर तब जब कोई अभिव्यक्ति सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता या सामाजिक सद्भाव को नुकसान पहुंचाने की आशंका पैदा करे। यदि किसी फिल्म या रचना से किसी समुदाय की भावनाएं आहत होती हैं और वह उसे अपमानजनक मानता है, तो उस आपत्ति को 'असहिष्णुता' कहकर खारिज कर देना भी एक प्रकार का बौद्धिक अहंकार है। लोकतंत्र में असहमति और आलोचना–दोनों को सुनना और समझना आवश्यक है। इसी संदर्भ में उत्तर प्रदेश में प्रशासनिक कार्रवाई ने इस विवाद को और व्यापक बना दिया है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर अभिनेता मनोज बाजपेयी की फिल्म 'घूसखोर पंडत' के निर्देशक और टीम के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। लखनऊ के हजरतगंज पुलिस स्टेशन में दर्ज शिकायत में आरोप लगाया गया है कि फिल्म के माध्यम से धार्मिक और जातिगत भावनाओं को ठेस पहुंचाने की कोशिश की गई है। लखनऊ कमिश्नरेट प्रशासन का कहना है कि किसी भी समुदाय की भावना को आहत करने और शांति व्यवस्था भंग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह कदम राज्य की उस नीति को दशार्ता है, जिसमें सामाजिक सौहार्द और कानून-व्यवस्था को सर्वोपरि रखने पर जोर दिया गया है।हालांकि, ऐसे मामलों में संतुलन बनाए रखना बेहद जरूरी है। जिम्मेदारी केवल फिल्म निमार्ताओं की ही नहीं, बल्कि सेंसर बोर्ड और अन्य नियामक संस्थाओं की भी बनती है। फिल्म प्रमाणन बोर्ड का दायित्व केवल दृश्यात्मक अश्लीलता या भाषा तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि उसे यह भी परखना चाहिए कि क्या कोई फिल्म या शीर्षक सामाजिक विभाजन को बढ़ावा तो नहीं दे रहा। यदि किसी संवाद, दृश्य या कथानक से पूरे समुदाय की छवि धूमिल होने की आशंका हो, तो उस पर पुनर्विचार और आवश्यक संशोधन अनिवार्य होने चाहिए। साथ ही, विरोध के तरीकों पर भी आत्ममंथन आवश्यक है। किसी भी रचना के विरोध में कानूनी और लोकतांत्रिक रास्ते ही अपनाए जाने चाहिए। हिंसा, धमकी या तोड़फोड़ न केवल आंदोलन के उद्देश्य को कमजोर करती है, बल्कि कानून-व्यवस्था के लिए भी गंभीर चुनौती बनती है। संवाद, याचिका, न्यायिक समीक्षा और शांतिपूर्ण विरोध–यही वे उपाय हैं, जो लोकतांत्रिक समाज में स्वीकार्य और प्रभावी माने जाते हैं। आज जब देश अनेक सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहा है, तब ऐसी रचनाओं से सावधान रहने की जरूरत है जो समाज को जोड़ने के बजाय तोड़ने का काम करें। भ्रष्टाचार, पाखंड और अनैतिकता के खिलाफ आवाज उठाना आवश्यक है, लेकिन अपराध को पहचान से जोड़ देना एक खतरनाक प्रवृत्ति है। अपराधी का कोई धर्म या जाति नहीं होती–उसकी पहचान उसके कृत्य से होती है, न कि जन्म या सामाजिक पृष्ठभूमि से।अंततः, यह बहस केवल एक फिल्म तक सीमित नहीं है। यह सवाल है कि हम किस तरह का समाज बनाना चाहते हैं–एक ऐसा समाज जो आपसी सम्मान, विवेक और संतुलन पर टिका हो, या फिर ऐसा समाज जहां कला के नाम पर एक-दूसरे को कठघरे में खड़ा करना सामान्य बात बन जाए। 'घूसखोर पंडत' से जुड़ा विवाद हमें यह सोचने का अवसर देता है कि रचनात्मक स्वतंत्रता और सामाजिक जिम्मेदारी के बीच की रेखा को समझना और उसका सम्मान करना आज पहले से कहीं अधिक जरूरी हो गया है।

तुम अकेले नहीं हो..

शरद मिश्र (हि.स)

25-26 वर्ष पूर्व समाज ग्लोबलाइजेशन के प्रभाव में आज जितना नहीं था, कुछ शुरूआत हो गई थी पर प्रभाव न्यूनतम था। मोबाइल फोन कुछ एक बड़े लोगों के पास हुआ करता था। स्मार्टफोन का तो नामोनिशान नहीं था। इंटरनेट घरों से बाहर यानी कुछेक साइबर कैफे और बड़े ऑफिसों में अपने बीज बो चुका था। टेक्नोलॉजी भी सामान्य रूप में बड़ों की पहुंच में हुआ करती थी। मल्टीप्लेक्स, मॉल इन सबका तो कोई स्थान ही नहीं था। सिंगल थिएटर और मेले मनोरंजन के साधन हुआ करते थे। कोई नई फिल्म आने पर शहर के प्रमुख चौराहों पर उस फिल्म के आकर्षक पोस्टर और बड़े-बड़े होर्डिंग लगाए जाते थे। अब बात यहीं से शुरू होती है। फिल्मों के पोस्टर हर प्रकार के होते थे, कुछ गरिमापूर्ण और कुछ आपत्तिजनक। ए सर्टिफिकेट प्राप्त पिक्चरों के भी होर्डिंग चौराहों पर दिख जाते थे। मैं अपने कुछ मित्रों के साथ नियमित मॉर्निंग वॉक पर जाया करता था, लगभग वही समय छोटे बच्चों के स्कूलों का भी होता है। अभिभावक अपने बच्चों को लेकर चौराहों पर स्कूल बस, टेंपो, रिक्शा के इंतजार में खड़े होते थे और स्वाभाविक है वैसे आपत्तिजनक होर्डिंग को देखकर असहज महसूस करते थे। नियमित वॉक के दौरान इस दृश्य को मैं और हमारे मित्र भी देखते थे, कुछेक बार प्रमुख लोगों से इसकी शिकायत भी की। तब मैं अपने दोस्तों से चर्चा के दौरान कहता था कि ए सर्टिफिकेट फिल्म देखने जाने के लिए तो सीमा निर्धारित की गई है पर इस होर्डिंग के सड़क पर लगे होने से छोटे से लेकर बड़े तक सभी देख रहे हैं। यह तो बच्चों के अधिकारों का हनन है और किस पर क्या प्रभाव पड़ रहा होगा, यह समझना कठिन है।

उस दौर की अच्छी बात यह थी कि आज की तुलना में अभिभावक व समाज के बड़े-बुजुर्ग बच्चों को अधिक समय देकर उनसे विचार-विनिमय और प्रेरक बातें साझा किया करते थे, साथ ही आज की तुलना में संयुक्त परिवार की परंपरा अधिक थी। इसलिए बच्चों के मन में क्या चल रहा है, उसका आभास बड़ों को हो जाया करता था।

कल गाजियाबाद में तीन बच्चियों के नौवीं मंजिल से कूद कर जान देने की घटना ने मुझे यह पुरानी बात याद दिला दी।

आज घर-घर इंटरनेट, उस पर उपलब्ध हर प्रकार का कंटेंट और एकल तथा आत्म केंद्रित परिवार समाज के लिए बड़ी चुनौती बनता जा रहा है।जिस प्रकार होर्डिंग का बड़े-छोटे पर क्या असर होता था, इसका मूल्यांकन कठिन था पर उस दौर में न्यूनतम असर होने तथा तात्कालिक सामाजिक व्यवस्था के कारण उसके प्रभावों का समाधान किया जा सकना सरल था। वर्तमान परिस्थितियों के व्यापक प्रभाव और एकाकी जीवन शैली के दौर में समाधान अत्यंत कठिन है। मां-बाप काम पर चले गए, परिवार में बड़े-बुजुर्ग हैं नहीं। अगर कुछ हैं भी तो सब अपने-अपने में केंद्रित हैं। ऐसे में बच्चों के लिए बहुत बड़ी समस्या उत्पन्न हो रही है। उनके लिए जानकारी और मनोरंजन के लिए इंटरनेट सबसे सरल-सुलभ माध्यम है, जिसपर पूरी दुनिया की संस्कृति, ज्ञान के साथ अच्छा-बुरा सभी कंटेंट मौजूद है।

अपने यहां कहावत है- 'कोस-कोस पर पानी बदले, चार कोस पर बानी।' इंटरनेट पर उपलब्ध सामग्री दुनिया के किसी स्थान की परिस्थिति, मनःस्थिति, देशकाल, उद्देश्य के हिसाब से सामयिक हो सकती है लेकिन जहां से आप एक्सेस कर रहे हैं, उस परिवेश के अनुकूल हो, यह नहीं कहा जा सकता। उद्देश्य का जिक्र मैंने इसलिए किया कि इंटरनेट ने पूरी दुनिया को बहुत बड़ा बाजार उपलब्ध कराया है और आईटी व मार्केटिंग क्षेत्र के विशेषज्ञ व्यावसायिक होड़ में नए-नए प्रयोग कर रहे हैं। वह जानते हैं कि सबसे जादा यूजर बच्चे एवं युवा हैं और वह उन्हें लेकर अपने प्रोजेक्ट बनाते हैं। नए-नए गेम, सोशल मीडिया व अन्य आकर्षक प्रलोभनों द्वारा बच्चों और युवाओं को प्रभावित करने का भरसक प्रयास करते हैं। बच्चे और युवा भी इन आकर्षणों में इतने गहरे उतर जाते हैं कि आभासी दुनिया ही उन्हें यथार्थ नजर आने लगती है और अंत में बहुत देर हो जाती है। अभिभावक के पास समय की कमी, समाज की एक-दूसरे के प्रति उदासीनता बच्चों पर नजर रखने में कुछ कमी लाती है। वहीं, इंटरनेट के माध्यम से एक वर्ग बच्चों पर नजर लगाए रहता है।

एल्गोरिदम तो आप जानते ही हैं, कोई कंटेंट आपने एक बार देख लिया तो वह कंटेंट और उससे संबंधित कंटेंट बार-बार आपके सामने दिखाई पड़ेगा और बार-बार आपके सामने जब कोई चीज आती है तो स्वाभाविक है उसके प्रति कौतूहलता जगाती है, वहीं हम भ्रम जाल में फंसते चले जाते हैं और फिर चक्रव्यूह से निकलना असंभव हो जाता है। बच्चे भी अपनी समस्याओं का समाधान पेरेंट्स की अनुपस्थिति में अपने हमउम्र साथियों से ही करने का प्रयास करते हैं जो स्वयं ही अभी पूरी तरह से किसी भी समस्या से उबरने के लिए तैयार नहीं है और बड़ों के पास समस्या के समाधान के लिए समय नहीं है।

मैं तकनीकी का विरोधी नहीं हूं और बिना उसके अब दुनिया की कल्पना बेमानी है। आईटी ने हम लोगों के जीवन को बहुत सरल किया है। एआई नए तरीके से उपयोगी बन रहा है। मेरा जोर केवल इस बात पर है कि सबसे उपयोगी काम मान बच्चों के साथ अधिकतम समय साझा करते हुए विचार-विमर्श करना और पारंपरिक जीवन मूल्यों का स्मरण कराते रहना सबसे जरूरी है। आभासी दुनिया के अतिरिक्त सामाजिक दुनिया और ऑनलाइन गेमिंग के अलावा ऑन फील्ड गेमिंग पर सभी अभिभावकों को ध्यान देना चाहिए। आत्मकेंद्रित और आत्ममुग्धता से ऊपर उठकर बच्चों को पारिवारिक, सामाजिक आयोजनों में उल्लासपूर्वक सम्मिलित होने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

बच्चों पर आपका दबाव नहीं प्रभाव हो और वह तब होगा जब आप उनके साथ अधिकतम समय व्यतीत करेंगे। बच्चों को यह हमेशा सिखाते रहें कि 'बड़े भाग मानुष तन पावा' यानी हमें मनुष्य देह बड़े भाग्य से प्राप्त हुई है। इस देह पर परिवार व समाज सभी का हक है और तुम अकेले नहीं हो।

अंत में -हे नाथ हम पर ऐसी कृपा हो, जीवन निरर्थक जाने ना पाए..।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

भारत-यूरोपीय संघ व्यापार समझौताः मुक्त और निष्पक्ष व्यापार के प्रति प्रतिबद्धता

राजेश अग्रवाल

भारत का यूरोप के साथ 250 ईसा पूर्व से एक समृद्ध व्यापारिक संबंध रहा है, जो सिल्क रोड से भी पहले की अवधि है। अगले 2000 वर्षों के अधिकांश हिस्से के दौरान, भारतीय मसलिन, कपास, हस्तशिल्प, मसाले, पन्ना और रत्न अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की सबसे पसंदीदा वस्तुओं में शुमार होते थे, जिनमें से अधिकांश यूरोप तक पहुँचती थीं। इन शानदार वस्तुओं के भुगतान के तौर पर भारत को सोना और चांदी मिलते थे। अपने सुनहरे दिनों में, भारत-यूरोप व्यापार ने मात्रा और पैमाने की दृष्टि से अभूतपूर्व वृद्धि हासिल की।

एक व्यापक मुक्त व्यापार समझौते के माध्यम से इस संबंध को सुदृढ़ करने के प्रयास 2007 में शुरू हुए थे। गंभीर मतभेदों के कारण 2013 में बातचीत को रोकना पड़ा, क्योंकि कई मुद्दों पर दोनों पक्षों के विचार अलग थे। 2022 में बातचीत फिर से शुरू हुई और चुनौतियों की जटिलता के बावजूद इसे केवल दोनों राजनेताओं की मजबूत प्रतिबद्धता और दूरदर्शी नेतृत्व के कारण अंतिम रूप दिया जा सका। महत्वपूर्ण बात यह है कि जिस व्यापार समझौते को दोनों पक्षों ने बातचीत के माध्यम से पूरा किया है, वह अस्थिर वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में नियम-आधारित व्यापार संबंध की पुष्टि करता है। यह समझौता ऐतिहासिक है सिर्फ इसलिए नहीं कि इसमें शामिल विषय और क्षेत्र व्यापक हैं; समझौता ऐतिहासिक इसलिए भी है क्योंकि दोनों पक्षों को ऐसे मुद्दों पर साझा रुख अपनाना पड़ा, जो कठिन और जटिल थे।

सबसे महत्वपूर्ण व्यापार समझौताः भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता शायद हाल के समय में किया गया सबसे महत्वपूर्ण व्यापार समझौता है। यह दुनिया के सबसे बड़े मुक्त व्यापार क्षेत्रों में से एक का निर्माण कर सकता है, जिसमें लगभग 2 अरब लोग और 28 देश शामिल होंगे और जो वैश्विक जीडीपी का 25 प्रतिशत है। इसके अलावा, यह समझौता मुद्दों और चिंताओं के समाधान के सन्दर्भ में आधुनिक और नवीन है। इस समझौते में व्यापार संबंध को प्रगाढ़ करने के लिए अद्यतन और मूल विषयों के साथ-साथ प्रक्रिया-संबंधी प्रावधान भी हैं। यह समझौता वस्तु और सेवा; दोनों के लिए बाजार पहुंच और नियामक बाधाओं के समाधान के लिए एक नया मॉडल स्थापित करता है, जो पारंपरिक विषयों को नवाचार-तत्वों के साथ सुदृढ़ करता है।उदाहरण के लिए, उत्पत्ति के नियमों का अध्याय सुनिश्चित करता है कि केवल वही उत्पाद जिनका पर्याप्त प्रसंस्करण या उत्पादन साझेदार देशों में हुआ है, उन्हें मूल देश का प्रमाण दिया जाएगा; इसे विस्तृत और जटिल उत्पाद-विशिष्ट नियमों के माध्यम से हासिल किया गया है, जो मौजूदा और नयी आपूर्ति श्रृंखलाओं के अनुरूप हैं। इसके अलावा, यह समझौता बौद्धिक संपदा संरक्षण को पुनर्स्थापित करता है और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण व सूचना प्रवाह को बढ़ावा देने पर अतिरिक्त ध्यान केंद्रित करता है।

वस्तु और सेवाओं के लिए बाजार खोलनाः समझौते का मुख्य ध्यान दोनों पक्षों के विशाल और व्यापक बाजारों को एक-दूसरे के लिए खोलना है। यह समझौता भारत के निर्यात व्यापारमूल्य के 99 प्रतिशत से अधिक के लिए बाजार पहुँच प्रदान करता है, जिसमें कम से कम 90 प्रतिशत भारतीय निर्यात को समझौते के लागू होने पर तुरंत निःशुल्क प्रवेश की सुविधा मिलेगी। विशेष रूप से, श्रम-सघन वस्तुएँ जैसे वस्त्र और परिधान, चमड़ा, रत्न और आभूषण, लकड़ी और लकड़ी की शिल्पकलाऔर समुद्री उत्पादों को जल्दी लाभ मिलेगा। यह रसायन, इलेक्ट्रॉनिक्स, कृषि-प्रसंस्करण उद्योग और खनिज जैसे उद्योगों को भी जीवंत ईयू सामान्य बाजार में अपने निर्यात को विविधता देने में सक्षम करेगा। हालांकि,भारत ने ईयू वाहन के लिए बाजार पहुँच की अनुमति दी है, लेकिन इसे चरणबद्ध और सन्तुलित तरीके से टैरिफ कोटा के माध्यम से अंतिम रूप दिया गया है।इसी तरह, यूरोपीय संघ की शराब पर भारत की छूट घरेलू उद्योग के हितों की रक्षा करने के साथ-साथ उच्च मूल्य वर्ग में प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करती है।

सेवाओं के व्यापार के लिए भारत-ईयू व्यापार संबंध में महत्वपूर्ण संभावनाएँ हैं। इस समझौते के तहत भारत ने 144 सेवा क्षेत्रों में ईयू की प्रतिबद्धताएँ प्राप्त की हैं, जो कि अभूतपूर्व है। इसके अलावा, गतिशीलता पर अध्याय यह सुनिश्चित करता है कि पेशेवरों और संविदा सेवा प्रदाताओं का अस्थायी प्रवेश और निवास सरल और भरोसेमंद होगा, जिसका अर्थ है कि भारत के प्रतिभाशाली सेवा पेशेवर ईयू बाजार में अपनी उपस्थिति दर्ज कर सकते हैं। वित्तीय सेवाओं पर संलग्नक भारत और ईयू के बीच इलेक्ट्रॉनिक भुगतान प्रणालियों पर अधिक सहभागिता का प्रावधान करता है, जिसमें भारत की डिजिटल भुगतान प्रणालियों जैसे यूपीआई में तकनीकी विशेषज्ञता का उपयोग शामिल है। यह समझौता आयुष और पारंपरिक चिकित्सा कर्मियों को भी अधिक निश्चितता के साथ ईयू में अपनी सेवाएँ प्रदान करने की संभावना पेश करता है।

मुक्त और न्यायसंगत व्यापार को बढ़ावा देनाः मुक्त व्यापार समझौता दो बड़े बाजारों के बीच मुक्त, न्यायसंगत और पारस्परिक रूप से लाभकारी संबंध को बढ़ावा देने का प्रयास करता है। व्यापार और सतत विकास अध्याय सतत विकास संबंधी चिंताओं के संदर्भ में सहयोग का एक नया मॉडल प्रस्तुत करता है। यह अध्याय दोनों पक्षों के श्रम या पर्यावरण मानकों में तालमेल बिठाये बिना दोनों पक्षों के व्यापार संबंध में सतत विकास के उद्देश्य को समग्र रूप से एकीकृत करता है। इस सहभागिता का मुख्य उद्देश्य नीति संवाद, तकनीकी सहायता और वित्तीय उपकरणों और संसाधनों को जुटाने पर है। दोनों पक्षों ने त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र, गैर-उल्लंघन शिकायतें और स्वतंत्र परिशिष्ट जैसी व्यवस्थाओं पर भी बातचीत की है, जो कुछ नीति उपायों या उत्पाद-विशिष्ट उपायों के संबंध में उनकी विशिष्ट चिंताओं का समाधान कर सकते हैं।

असल चुनौती यह थी कि कुछ महत्वपूर्ण हितधारकों, जैसे कि डेयरी और कृषि क्षेत्र, की चिंताओं और संवेदनशीलताओं की अनदेखी किए बिना बाजार खोलने के उच्च महत्वाकांक्षा को हासिल किया जा सके। छोटे और सीमांत किसानों और कुछ उद्योग क्षेत्रों की आय और जीवनयापन की चिंताएं हमारे मन में सबसे पहले थीं। ईमानदारी से कहें तो, इस मामले में यूरोपीय संघ ने आवश्यक लचीलापन भी दिखाया।

भारत की एफटीए रणनीति का पूरकः आपूर्ति श्रृंखला व्यवधान के युग में, भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता; भारत-यूके एफटीए, ईएफटीए और अन्य व्यापक व्यापार समझौतों से हुए लाभ में पूरक की भूमिका निभाएगा। 2021 से, भारत ने 9 व्यापक व्यापार समझौते किए हैं और अगले कुछ महीनों में कई प्रमुख आर्थिक साझेदारी समझौतों को अंतिम रूप देने के लिए वार्ता कर रहा है। भारत-ईयू व्यापार समझौते का निष्कर्ष भारत की नई आर्थिक और व्यापारिक पहलों को तेज करने के लिए उत्प्रेरक के रूप में कार्य करेगा।

भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता विस्तारित बाजार पहुंच, नजदीकी आर्थिक एकीकरण और विशेष रूप से अनिश्चित और अस्थिर वैश्विक अर्थव्यवस्था में रणनीतिक स्वायत्तता और सुदृढ़ता प्राप्त करने में एक बड़ा कदम है। जैसा कि आर्थिक इतिहासकार उल्लेख करते हैं, आर्थिक समृद्धि सबसे अच्छे तरीके से तब प्राप्त की जा सकती है जब राष्ट्र न्यायपूर्ण, नियम-आधारित और पूर्व अनुमान योग्य कानूनी रूपरेखा और संस्थानों के आधार पर व्यापार करते हैं। भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता समय पर खरे उतरे इस सिद्धांत को बनाए रखने का प्रयास करता है।

(लेखक वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के वाणिज्य विभाग के सचिव हैं।)

आज का राशिफल

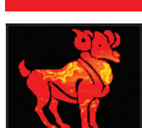
मेषः आज विरोधी आपको कमजोर साबित करने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन आप अपनी सूझबूझ से हालात संभाल लेंगे। व्यस्त दिनचर्या के बावजूद घूमने-फिरने का अवसर मिल सकता है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। नए लोगों से संपर्क भविष्य में लाभ दिला सकता है। *(सिटी दर्पण)*

वृषभः निजी क्षेत्र में काम कर रहे लोगों को मानसिक दबाव महसूस हो सकता है। वाहन चलाते समय अतिरिक्त सावधानी बरतें। गलत आदतें सेहत पर असर डाल सकती हैं, इसलिए संयम जरूरी है। छिपे शत्रुओं से सतर्क रहें। *(सिटी दर्पण)*

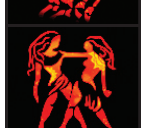
मिथुनः काम की गुणवत्ता बनाए रखना आज सबसे जरूरी रहेगा। प्रशासन या सरकारी स्तर पर कुछ अड़चनें आ सकती हैं, लेकिन अधीनस्थ कर्मचारियों का पूरा सहयोग मिलेगा। खान-पान हल्का और सुपाच्य रखें। मौसम परिवर्तन से स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। *(सिटी दर्पण)*

कर्कः सरकारी कार्यों में बड़ी सफलता मिलने की संभावना है। मेहनत अधिक रहेगी, लेकिन उसका परिणाम भी सकारात्मक होगा। कोई महत्वपूर्ण डील हाथ लग सकती है। कानूनी मामलों में आपके पक्ष में फैसला आने के योग हैं। प्रभावशाली लोगों से संपर्क मजबूत होंगे। *(सिटी दर्पण)*

सिंहः मानसिक बेचैनी बनी रह सकती है। गैस और एसिडिटी से जुड़ी परेशानी हो सकती है। बातचीत में शब्दों का चयन सोच-समझकर करें। व्यापार में आर्थिक दबाव महसूस हो सकता है। महिला जातकों को स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहना चाहिए। *(सिटी दर्पण)*

कन्याः सामाजिक दायरा बढ़ेगा और नए रिश्ते बनेंगे। परिवार और बच्चों के साथ समय बिताकर मानसिक सुकून मिलेगा। राजनीति से जुड़े लोगों की प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यवसाय के विस्तार के लिए लोन लेने पर विचार कर सकते हैं। पारिवारिक माहौल सुखद रहेगा। *(सिटी दर्पण)*

तुलाः कार्यक्षेत्र में अचानक जिम्मेदारियों का बोझ बढ़ सकता है। माता-पिता से बहस करने से बचें। अंतिम समय में काम बिगड़ने की आशंका है, इसलिए सतर्क रहें। संतान के भविष्य को लेकर चिंता हो सकती है। भ्रामक खबरों से दूरी बनाना और अनावश्यक यात्रा से बचना बेहतर रहेगा। *(सिटी दर्पण)*

वृश्चिकः व्यवसाय में अचानक धन लाभ के योग बन रहे हैं। आप पूरे उत्साह और आत्मविश्वास के साथ काम करेंगे। सुख-सुविधाओं पर खर्च बढ़ सकता है। बड़े भाई-बहनों से मतभेद संभव हैं, लेकिन लोग आपके प्रति सकारात्मक भाव रखेंगे। *(सिटी दर्पण)*

धनुः कारोबार में बड़ा बदलाव करने का मन बनेगा। भाइयों के साथ संपत्ति से जुड़े विवाद सुलझ सकते हैं। यात्रा लाभकारी सिद्ध होगी। विनिर्माण क्षेत्र से जुड़े लोगों की आय में वृद्धि के संकेत हैं। सहकर्मियों के साथ संबंध मधुर रहेंगे और आपकी सोच से कई लोग प्रभावित होंगे। *(सिटी दर्पण)*

मकरः व्यापार में अपेक्षा से अधिक मेहनत करनी पड़ेगी। प्रेम संबंधों में मधुरता रहेगी। खर्च बढ़ने से कुछ योजनाएं प्रभावित हो सकती हैं। लालच से दूर रहना आवश्यक है। आप रिश्तों को पूरी निष्ठा से निभाएंगे, हालांकि बदले में सहयोग कम मिल सकता है। *(सिटी दर्पण)*

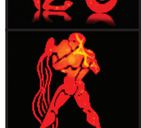
कुंभः पुरानी स्वास्थ्य समस्याएं दोबारा उभर सकती हैं। पुरुष जातकों को महिलाओं के प्रति अपने व्यवहार में संयम रखना चाहिए। पद या अधिकार का दुरुपयोग न करें। बड़े फैसले जल्दबाजी में लेने से बचें। मूल्यवान वस्तुओं की खरीदारी संभव है। *(सिटी दर्पण)*

मीनः आज का दिन आनंद और संतोष से भरा रहेगा। मित्रों के साथ संबंध और मजबूत होंगे। कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिभा की सराहना होगी। अत्यधिक उत्साह में कोई गलती न करें। भूमि-संपत्ति से जुड़े विवादों का समाधान निकल सकता है। *(सिटी दर्पण)*

बदलता बांग्लादेश, बढ़ता भारत-विरोध

डॉ. मयंक चतुर्वेदी (हि.स)

दक्षिण एशिया की राजनीति में बांग्लादेश हमेशा से भारत का महत्वपूर्ण और संवेदनशील पड़ोसी रहा है। साल 1971 के मुक्ति संग्राम से लेकर पिछले एक दशक तक दोनों देशों के रिश्ते सहयोग, विश्वास और साझा हितों की मजबूत नींव पर खड़े रहे, किंतु हालिया राजनीतिक घटनाक्रम विशेषकर शेख हसीना के सत्ता से हटने, उनके भारत आने और अंतरिम सरकार के गठन ने इस संतुलन को बुरी तरह प्रभावित किया है। अब 12 फरवरी को होने वाले आम चुनाव से पहले बांग्लादेश में भारत-विरोध एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनकर उभर रहा है, इससे क्षेत्रीय स्थिरता को लेकर नई चिंताएं पैदा हो गई हैं।

भारत और बांग्लादेश के रिश्तों की पृष्ठभूमि ऐतिहासिक और भावनात्मक रही है। साल 1971 के युद्ध में भारत ने प्रत्यक्ष सैन्य और कूटनीतिक सहयोग देकर बांग्लादेश के निर्माण में निर्णायक भूमिका निभाई थी। यही कारण है कि दशकों तक दोनों देशों के बीच आपसी भरोसे का रिश्ता बना रहा। शेख हसीना के नेतृत्व में साल 2009 से 2023 के बीच भारत और बांग्लादेश के संबंध अपने सबसे मजबूत दौर में पहुंचे। इस अवधि में दोनों देशों के बीच व्यापार कई गुना बढ़ा, सीमा विवादों का समाधान हुआ और आतंकवाद के खिलाफ संयुक्त कार्रवाई को मजबूती मिली।

आंकड़ों के अनुसार, भारत और बांग्लादेश के बीच द्विपक्षीय व्यापार साल 2009 में लगभग 3 अरब डॉलर था, जो साल 2022-23 तक बढ़कर करीब 18 अरब डॉलर तक पहुंच गया। भारत, बांग्लादेश का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बन गया। भारत ने बांग्लादेश को लगभग 8 अरब डॉलर की लाइन ऑफ क्रेडिट भी दी, जिसके तहत सड़क, रेलवे, ऊर्जा और बंदरगाह परियोजनाओं पर काम हुआ।

इसके अलावा, सीमा समझौते के तहत साल 2015 में 162 एन्क्लेवों का आदान-प्रदान किया गया, जो दशकों पुराने विवाद का शांतिपूर्ण समाधान था लेकिन सत्ता परिवर्तन के बाद यह पूरा समीकरण तेजी से बदलता दिखाई दे रहा है। शेख हसीना के हटने और उनके भारत में शरण लेने की घटना ने बांग्लादेश की राजनीति में भारत को सीधे एक विवादित मुद्दा बना दिया है। जमात-ए-इस्लामी और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) जैसे राजनीतिक दल हसीना को वापस भेजने की लगातार मांग कर रहे हैं। इस मांग को केवल एक कानूनी या राजनीतिक मुद्दे के रूप में नहीं देखा जा रहा बल्कि इसे भारत के खिलाफ राष्ट्रीय अस्मिता से जोड़कर पेश किया जा रहा है।

इसी के साथ, बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर हमलों की घटनाएं भी चिंता का विषय बन गई हैं। बांग्लादेश की कुल आबादी लगभग 17 से 18 करोड़ के बीच है, जिसमें हिंदुओं की संख्या लगभग 1.3 से 1.5 करोड़ मानी जाती है, यानी करीब 8-9 प्रतिशत। पिछले कुछ वर्षों में दुर्गा पूजा के दौरान मंदिरों पर हमलों, मूर्तियों को तोड़ने और संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने की कई घटनाएं सामने आई हैं। कुछ मानवाधिकार संगठनों की रिपोर्ट के अनुसार, साल 2021 से 2025 के बीच ऐसे मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। इस बीच 100 से अधिक टारगेटेड हिंदू हत्याएं की गईं। इस्लामी अतिवादियों द्वारा घर जलाने, संपत्ति हड़पने और उसे नुकसान पहुंचाने की घटनाओं की बात करें तो आंकड़े बहुत भयंकर हैं, यह 10000 को पार कर चुके हैं।

हालांकि अंतरिम सरकार इन घटनाओं को सांप्रदायिक हिंसा मानने से बचती रही है और उन्हें व्यक्तिगत विवाद या स्थानीय झगड़ों का परिणाम बताती रही है, लेकिन इन घटनाओं से भारत में यह धारणा मजबूत हो रही है कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा कमजोर हो रही है और सरकार इस मुद्दे को गंभीरता से नहीं ले रही।

अंतरिम सरकार के प्रमुख डॉ. मोहम्मद यूनुस और उनके सलाहकारों के हालिया बयानों ने भी भारत-बांग्लादेश संबंधों में दूरी की झलक दिखाई है। कई मौकों पर यह कहा गया कि बांग्लादेश को किसी छोटे देश की तरह न समझा जाए और वह अपनी स्वतंत्र विदेश नीति चलाने में सक्षम है। कुछ बयानों में यह भी संकेत दिया गया कि बांग्लादेश की आबादी और सामरिक स्थिति उसे क्षेत्र में एक मजबूत देश बनाती है। ऐसे में वह भारत से हर मोर्चे पर निपटने के लिए तैयार है- इस तरीके की सोच भारत को अप्रत्यक्ष रूप से धमकी देना भी है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि चुनाव से पहले इस तरह की बयानबाजी इस्लामी जिहादियों और कट्टर वादियों को भावनाओं को उभारने के लिए की जा रही है। भारत के खिलाफ लिए जा रहे कुछ अन्य फैसले और रुख भी इसी बदलाव की ओर इशारा करते हैं। व्यापारिक समझौतों की समीक्षा की बात उठ रही है। सीमा प्रबंधन को लेकर सख्ती बढ़ाई गई है। कुछ राजनीतिक संगठनों ने भारत के खिलाफ जनसभाएं और अभियान भी शुरू किए हैं। यह माहौल धीरे-धीरे ऐसे राजनीतिक नैरेटिव को जन्म दे रहा है जिसमें भारत को एक बाहरी प्रभाव और शत्रुदेश के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है।

इस पूरे घटनाक्रम का एक बड़ा पहलू धार्मिक और सामाजिक पहचान की राजनीति भी है। बांग्लादेश के संविधान में लंबे समय से धर्मनिरपेक्षता और इस्लामी पहचान के बीच संतुलन बना हुआ था लेकिन अब इस विषय पर नई बहस शुरू हो गई है। कुछ कट्टरपंथी संगठन देश को अधिक इस्लामी पहचान देने की बात कर रहे हैं, हालांकि अंतरिम सरकार ने साफ किया है कि शरिया कानून लागू करने की कोई योजना नहीं है। फिर भी अल्पसंख्यक संगठनों और नागरिक समाज के प्रतिनिधियों के खिलाफ दिए जा रहे तीखे बयान सामाजिक तनाव को बढ़ा रहे हैं। जब हिंदू-बौद्ध-क्रिश्चियन समुदाय से जुड़े संगठनों को राजनीतिक रूप से निशाना बनाया जाता है तब इससे देश के भीतर असुरक्षा का माहौल बनना स्वाभाविक है। इसका असर भारत में भी महसूस किया जा रहा है क्योंकि दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक और पारिवारिक संबंध गहरे हैं।

भारत के लिए यह स्थिति कूटनीतिक रूप से बेहद चुनौतीपूर्ण है। एक तरफ वह अपने पड़ोसी देश के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करना चाहता, दूसरी तरफ उसे वहां रहने वाले हिंदुओं की सुरक्षा को लेकर चिंता भी है। इसके अलावा, भारत के पूर्वोत्तर राज्यों के लिए बांग्लादेश एक महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है। भारत-बांग्लादेश के बीच लगभग 4096 किलोमीटर लंबी सीमा है जोकि भारत की सबसे लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमाओं में से एक है। इस सीमा की स्थिरता भारत की सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी है। आर्थिक दृष्टि से भी दोनों देश एक-दूसरे पर निर्भर हैं। बांग्लादेश भारत से पेट्रोलियम उत्पाद, कपास, मशीनरी और खाद्य सामग्री का बड़ा आयातक है। वहीं, भारत के लिए बांग्लादेश एक बड़ा निर्यात बाजार है। यदि राजनीतिक तनाव बढ़ता है तो इसका असर दोनों देशों के व्यापार पर पड़ सकता है। 12 फरवरी के चुनाव इस पूरे परिदृश्य को तय करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। यदि चुनाव के बाद ऐसी सरकार बनती है जो भारत के साथ संतुलित और सहयोगपूर्ण संबंध बनाए रखना चाहती है, तो वर्तमान तनाव कम हो सकता है। लेकिन यदि भारत-विरोधी राजनीति को जनसमर्थन मिलता है तो आने वाले वर्षों में संबंधों में और खटास आ सकती है।

यह भी सच है कि बांग्लादेश अपनी राष्ट्रीय पहचान और स्वतंत्र नीति को मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। हर देश का यह अधिकार है कि वह अपनी विदेश नीति तय करे। लेकिन जब यह प्रक्रिया पड़ोसी देशों के खिलाफ तीखी बयानबाजी और नकारात्मक राजनीतिक अभियान के रूप में सामने आती है तो इससे क्षेत्रीय स्थिरता प्रभावित होती है। फिर यह स्थिति केवल भारत और बांग्लादेश के रिश्तों का सवाल नहीं है बल्कि पूरे दक्षिण एशिया की स्थिरता का भी मुद्दा है। यदि दोनों देशों के बीच अविश्वास बढ़ता है तो इसका असर क्षेत्रीय सुरक्षा, व्यापार और विकास पर पड़ेगा।

वस्तुतः आज की स्थिति यह संकेत दे रही है कि भारत और बांग्लादेश के रिश्ते नए मोड़ पर खड़े हैं। यह मोड़ सहयोग और साझेदारी की ओर भी जा सकता है और टकराव की दिशा में भी। आने वाले चुनाव और उसके बाद बनने वाली सरकार इस बात को तय करेगी कि दक्षिण एशिया के ये दो महत्वपूर्ण पड़ोसी किस रास्ते पर आगे बढ़ेंगे। फिलहाल बांग्लादेश की अंतरिम सरकार की तरफ से बार-बार भारत विरोध की कोशिश हो रही है, इससे नुकसान भारत की तुलना में बांग्लादेश का अधिक है। यह बात उसे अभी समझ नहीं आ रही। वह अभी पाकिस्तान और चीन की गोद में खेल रहा है, यह सभी को दिखाई दे रहा है।

बांग्लादेश में हिंदुओं की हालत भयंकर रूप से खराब है और उनके सामने जीवन का संकट बना हुआ है। ऐसे में भारत सरकार का यह दायित्व है कि वह अपनी जिम्मेदारी को समझे, कम से कम 1947 में हुआ भारत विभाजन इस शर्त पर तो नहीं हुआ था कि जो जहां है वह अल्पसंख्यक होने के नाते वहाँ प्रताड़ित किया जाएगा और उसके प्रति बार-बार हिंसा घटेगी इसलिए भारत सरकार की ओर से सख्त निर्णय लेना आज के समय की जरूरत है, जिसे बिना किसी देरी के केंद्र की मोदी सरकार को बांग्लादेश के प्रति लेना चाहिए।

श्री गुरु रविदास जी के 650वें प्रकाश पर्व को समर्पित साल भर चलेंगे क्रमवार समागम, मुख्यमंत्री ने की शुरूआत

अगले साल 20 फरवरी, 2027 तक संत सम्मेलन, कॉन्फ्रेंसे, कथा-कीर्तन और यूनिवर्सिटीज में सैमीनार होंगे: भगवंत सिंह मान

सिटी दर्पण संवाददाता
खुरालगढ़

श्री गुरु रविदास महाराज जी की महान विरासत के प्रति श्रद्धा और सम्मान प्रगट करते हुए पंजाब सरकार ने गुरु साहिब के 650वें प्रकाश पर्व को समर्पित साल भर चलने वाले क्रमवार समागमों की रस्मी तौर पर शुरूआत की। इन क्रमवार समागमों के तहत 20 फरवरी, 2027 तक राज्य भर में धार्मिक, सांस्कृतिक और अकादमिक स्तर पर अलग-अलग प्रयास किए जाएंगे। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने इन यादगार समागमों की शुरूआत करते हुए कहा कि साल भर संत सम्मेलन, कॉन्फ्रेंसें, कथा-कीर्तन और यूनिवर्सिटीज में सैमीनार करवाए जाएंगे।इस के साथ ही खुरालगढ़ में श्री गुरु रविदास यागार के विस्तार का कार्य और फरीदपुर में श्री गुरु रविदास बाणी अध्ययन केंद्र की स्थापना समेत बुनियादी ढांचे के बड़े प्रोजेक्ट का ऐलान किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरु साहिब जी को समर्पित महान समागमों और प्रोजेक्टों के लिए फंड की कमी नहीं आने दी जाएगी।मुख्यमंत्री ने भरोसा दिया कि संत समाज के सारे आदेश पूरी तरह लागू किए जाएंगे।साल भर चलने वाले प्रोग्राम आप सरकार के शासन के अनुकूल होंगे जो शिक्षा सुधारों को प्राथमिकता देता है, 10 लाख रुपये तक के नकद रहित इलाज के साथ जनतक स्वास्थ्य संभाल का विस्तार करता है और लोक भलाई पर आधारित फैसले लेता है।

श्री गुरु रविदास महाराज जी के 649वें प्रकाश पर्व को मनाने के लिए करवाए राज्य स्तरीय समागम को संबोधन करते हुए, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने संगत को वधाई दी और कहा, ₹गुरु जी के संदेश को दुनिया भर में फैलाना हमारा समूहिक फर्ज है। श्री गुरु रविदास महाराज जी ने हर तरह के भेदभाव से मुक्त बराबरी वाले समाज की कल्पना की थी।₹

संगत में हाजरी लगवा कर स्वयं को किस्मत वाला बताते मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने भरोसा दिया कि ₹सूबा सरकार श्री गुरु रविदास महाराज जी के आने वाले 650वें प्रकाश पर्व को व्यापक स्तर पर मनाने में कोई कमी नहीं छोड़ेगी।₹

मुख्यमंत्री ने कहा कि सूबा सरकार ने हाल ही में नौवें पातशाह श्री गुरु तेग बहादर जी के 350वें शहाददी दिवस के पवित्र मौके को क्रमवार समागम करके श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया।उन्होंने कहा कि श्री गुरु रविदास महाराज जी के 650वें प्रकाश पर्व को भी व्यापक ढंग से मनाने के लिए साल भर चलने वाले समागम करवाए गए हैं।भगवंत सिंह मान ने कहा कि वह खुरालगढ़ की पावन धरती से जुड़ कर सौभाग्य महसूस कर रहे है क्योंकि गुरु जी ने यहां चार साल से अधिक समय रह कर भगती की और बराबरी का संदेश दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री गुरु रविदास महाराज जी की महान विरासत को कायम रखने के लिए सूबा सरकार ने पंजाब यूनिवर्सिटी और गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी में खोज के लिए चेयर स्थापित की हैं।उन्होंने आगे कहा कि संत समाज के नेतृत्व में राज्य सरकार श्री गुरु रविदास महाराज जी के 650वें प्रकाश पर्व को मनाने के लिए समागम करवाएगी। भगवंत सिंह मान ने कहा कि हम सभी सौभाग्यशाली वाले है कि हमें गुरु जी के प्रकाश पर्व को मनाने के लिए अपने जीवन में मौका मिला है।

समाज के कमजोर और पिछड़े वर्गों की समस्याएं दूर करने के लिए अथक मेहनत करने का प्रण करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री गुरु रविदास महाराज जी की शिक्षाओं के अनुसार वह यह भावना रखते हैं। उन्होंने कहा कि सूबा सरकार गरीब से गरीब की भलाई को यकीनी बनाने के लिए वचनबद्ध है जिस के लिए लोक भलाई की कई बड़ी पहलकदमियां की जा रही हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि श्री गुरु रविदास जी के आशीर्वाद से उनकी सरकार भारी बहुमत से सत्ता में आई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि समानतावादी समाज की सृजना के लिए श्री गुरु रविदास महाराज जी ने समूची मानवता की भलाई और समाज के सारे वर्गों की बराबरी का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि श्री गुरु रविदास महाराज जी ने ऐसे आदर्श समाज का संकल्प लिया, जहां किसी को भी किसी प्रकार का दुख न हो। भगवंत सिंह मान ने कहा कि उनकी सरकार श्री गुरु रविदास जी की शिक्षाओं और दर्शन पर आधारित समाज की सृजना के लिए वचनबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री गुरु रविदास जी का महान जीवन और शिक्षाएं मानवता को बराबरी वाला समाज सृजित करने के लिए प्रेरित करती हैं। उन्होंने कहा कि श्री गुरु रविदास महाराज जी समाज के गरीब और पछड़े वर्गों के महान आध्यात्मिक दूत और मसीहा थे, जिन्होंने हमें जीवन जीने का सही रास्ता दिखाया। भगवंत सिंह मान ने कहा कि श्री गुरु रविदास जी का यह प्रकाश पर्व एक ऐसे समाज की सृजना के लिए अपने आप को समर्पित करने का मौका है जहां प्रत्येक मनुष्य बिना किसी भेदभाव के साथ जीवन सके।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि भारत रत्न बाबा साहिब बी.आर. आंबेडकर की विचारधारा अनुसार सूबा सरकार समाज के कमजोर वर्गों को बढ़िया शिक्षा दे कर उन्हें सशक्त बना रही है।उन्होंने कहा कि सूबा सरकार द्वारा स्थापित स्कूल ऑफ एमिनेंस होनहार गरीब विद्यार्थियों को खुशहाल भविष्य के लिए तैयार करके बाबा साहिब के सपनों को साकार कर रहे हैं। इस मौके भगवंत सिंह मान ने श्रद्धालुओं को सूबे की शांति, तरक्की और खुशहाली के लिए अरदास करने की अपील भी की और कहा कि श्री गुरु रविदास जी के आशीर्वाद से सूबा सरकार जल्द ही पंजाब को रंगला और प्रगतिशील सूबा बनाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सूबा सरकार ने श्री गुरु रविदास अध्ययन केंद्र के लिए 10 करोड़ रुपये की लागत से जालंधर के गांव फरीदपुर और नौगजा में 12 एकड़ जमीन खरीदी है। उन्होंने कल्पना की कि यह अति-आधुनिक केंद्र श्री गुरु रविदास महाराज जी के जीवन और दर्शन पर विशाल अध्ययन केंद्र के तौर पर उभरेगा। भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह केंद्र श्री गुरु रविदास महाराज जी की बाणी के प्रचार के साथ-साथ शिक्षा और श्रद्धा के प्रकाश स्तंभ के तौर पर काम करेगा।

आपने संबोधन में सीनियर आप आगू मनीष सिसोदिया ने कहा कि वह खुरालगढ़ की इस पवित्र धरती पर आने का मौका मिलन पर खुद को सौभाग्यशाली महिसूस कर रहे हैं, जहां श्री गुरु रविदास महाराज जी स्वंय आए थे।उन्होंने कहा कि गुरु जी ने इस धरती से मानवता के लिए बराबरी का संदेश दिया और पंजाब सरकार और आम आदमी पार्टी भी समाज के सारे वर्गों को बराबर अधिकार प्रदान करके गुरु रविदास महाराज जी के मार्ग पर चल रही हैं।मनीष सिसोदिया ने आगे कहा कि आज पंजाब में बराबरी के सिद्धांत को कायम रखना सूबा सरकार हरेक नागरिक को शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य सुविधाएं प्रदान कर रही है।उन्होंने आगे कहा कि सिर्फ पंजाब ही नहीं, समूचे देश को ऐसे संकल्प की जरूरत है जहां हर व्यक्ति के साथ बराबर व्यवहार किया जाए।

इस मौके कई कैबिनेट मंत्री, संसद सदस्य, विधायक, संत समाज की शख्सियतें और अन्य भी मौजूद थे।

चीमा द्वारा ओ.टी.एस-2025 की सफलता की सराहना; पंजाब ने 110 करोड़ रुपये वसूले और अंतिम तिथि में की बढ़ोतरी

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब के वित्त, आबकारी एवं कराधान मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने आज यहां एकमुश्त निपटारा योजना, 2025 (ओ.टी.एस-2025) की बड़ी सफलता का जिक्र करते हुए कहा कि इस योजना के द्वारा अब तक जहां राज्य सरकार को 110 करोड़ रुपये प्राप्त हो चुके हैं, वहीं राज्य के व्यापारी वर्ग को बड़ी वित्तीय राहत मिली है।

यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति के द्वारा पंजाब के वित्त एवं आबकारी तथा कराधान मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने बताया कि 01 अक्टूबर, 2025 को ओ.टी.एस-2025 की शुरूआत से लेकर अब तक कर विभाग को 7654 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिसके परिणामस्वरूप 38,477 करोड़ रुपये की अभूतपूर्व छूट दी गई है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस योजना को

मिला भारी समर्थन मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार की उस नीति की सफलता को दशार्ता है, जो लंबी मुकदमेबाजी के बजाय स्वैच्छिक कर पालना को प्राथमिकता देती है।

संबंधित औद्योगिक संगठनों के सुझावों के प्रति सरकार के सकारात्मक रुख का जिक्र करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि इस योजना का लाभ लेने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर, 2025 से बढ़ाकर 31 मार्च, 2026 कर दी गई है। उन्होंने कहा कि समय-सीमा में यह बढ़ोतरी योजना की सकारात्मक गति और औद्योगिक संगठनों की मांगों को ध्यान में रखते हुए किया गया है। उन्होंने कहा कि यह अतिरिक्त समय योग्य करदाताओं को अपनी देनदारियों का मूल्यांकन करने और पारदर्शी एवं सरल तरीके से निपटारा करने का पूरा अवसर प्रदान करेगा।

कारोबार करने की सुगमता और व्यापार-अनुकूल कर माहौल सृजन की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए वित्त मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि ओ.टी.एस-2025 सभी श्रेणियों में ब्याज और जुमार्ने में 100 प्रतिशत छूट देकर कारोबारों के वित्तीय बोझ को काफी हद तक कम करती है।

उन्होंने आगे बताया कि यह योजना मूल कर में भी स्लैब के अनुसार बड़ी छूट प्रदान करती है।उन्होंने कहा कि 1 करोड़ रुपये तक के बकाया के लिए 50 प्रतिशत छूट, 1 करोड़ से 25 करोड़ रुपये तक के बकाया के लिए 25 प्रतिशत छूट और 25 करोड़ रुपये से अधिक के बकाया के लिए 10 प्रतिशत छूट दी जा रही है। उन्होंने कहा कि पंजाब जनरल सेल्ज टैक्स एक्ट 1948 की धारा 14-बी और पंजाब वैट एक्ट 2005 की धारा 51 के तहत भी इसी प्रकार की राहत उपलब्ध कराई गई है।

वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने आगे बताया कि सरकारी अनाज एजेंसियों को छोड़कर बाकी सभी करदाता स्टेट टैक्स के सहायक आयुक्त (ए.सी.एस.टी) के कार्यालय में फॉर्म ओ.टी.एस-01 जमा करके इस योजना के तहत आवेदन कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री मान ने राज्य की शानदार सांस्कृतिक विरासत को बकरार रखने की प्रतिबद्धता दोहराई

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज कहा कि पंजाब सरकार राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को आने वाली पीढ़ियों के लिए संरक्षित रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने पंजाब कला परिषद, चंडीगढ़ द्वारा आयोजित महिंदर सिंह रंधावा साहित्य और कला उत्सव के दौरान सभा को संबोधित करते हुए कहा कि पंजाब शुरू से ही सभ्यता का केंद्र रहा है। उन्होंने कहा कि यह बहुत गर्व और संतुष्टि की बात है कि हमें कठिन परिश्रम और साहस के साथ-साथ एक समृद्ध सांस्कृतिक विरासत मिली है। पंजाब कला परिषद के अधिकारियों का धन्यवाद करते हुए भगवंत सिंह मान ने कहा कि ऐसी कोशिशें समय की मांग हैं ताकि हमारी युवा पीढ़ी को हमारी समृद्ध संस्कृति से परिचित करवाया जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह समारोह एक ऐसी शख्सियत को समर्पित है जिन्होंने पंजाब के लोगों के अंदर उम्मीद की किरण जगाई थी। डॉ. महिंदर सिंह रंधावा को दिल की गहराइयों से याद करते हुए, भगवंत सिंह मान ने उन्हें 1947 की देश के विभाजन के बाद आधुनिक पंजाब का निमार्ता बताया। उन्होंने कहा कि होशियारपुर जिले से संबंधित होने के कारण डॉ. रंधावा एक योग्य प्रशासक होने के साथ-साथ एक दार्शनिक भी थे। डॉ. रंधावा सूझ और सहनशीलता जैसे गुणों से परिपूर्ण थे और उन्हें पता था कि यदि किसी कौम का पेट खाली है तो वह लड़ नहीं सकती, लेकिन यदि उसकी आत्मा खाली है तो वह समाप्त हो जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि इसलिए एक तरफ डॉ. रंधावा ने पंजाब कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना की और दूसरी तरफ उन्होंने पूरे पंजाब भर में चंडीगढ़ आर्ट गैलरी और सांस्कृतिक केंद्र स्थापित किए। भगवंत सिंह मान ने कहा कि जब भी हम पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, किसानों, साहित्यकारों और 1947 के विभाजन के दौरान उजाड़े गए लोगों का साथ देने वाली शख्सियतों की बात करते हैं, तो हमारे मन में सिर्फ डॉ. रंधावा का नाम आता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब में हरित क्रांति का श्रेय डॉ. रंधावा को जाता है और उन्होंने कहा कि उस समय उनकी दूरदर्शी सोच के कारण पंजाब ने भारत को अकाल से बचाया। डॉ. रंधावा का धन्यवाद करते हुए उन्होंने कहा कि हरित क्रांति अनाज और किसान पर निर्भर करती है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि आज का यह समारोह कोई राजनीतिक सभा नहीं है, बल्कि यह पंजाबी मातृभाषा और भाषा के विकास का उत्सव है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हर व्यक्ति को अपनी मातृभाषा को हर माध्यम से प्रोत्साहित करना चाहिए, उन्होंने कहा कि इस नेक कार्य के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है।

गैंगस्टरां ते वार का 18वाँ दिन: पंजाब पुलिस ने 601 स्थानों पर की छापेमारी ; 208 गिरफ्तार

चंडीगढ़।मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निदेर्शों के तहत शुरू की गई निर्णायक गैंगस्टरां ते वार मुहिम के 18वें दिन, पंजाब पुलिस ने आज पूरे राज्य में गैंगस्टरों के सहयोगियों से जुड़े पहचाने गए और मैप किए गए ठिकानों पर 601 छापेमारी कीं। जानकारी के अनुसार, गैंगस्टरां ते वार- पंजाब को गैंगस्टर मुक्त राज्य बनाने के लिए शुरू की गई यह निर्णायक लड़ाई 20 जनवरी, 2026 को डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव द्वारा शुरू की गई थी। इसके तहत सभी जिलों की पुलिस टीमें एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पंजाब के समन्वय से राज्य भर में विशेष कार्रवाइयाँ कर रही हैं। इस मुहिम के 18वें दिन, पुलिस टीमों ने 208 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से 10 जिंदा कारतूसों सहित चार हथियार बरामद किए, जिससे मुहिम शुरू होने के बाद कुल गिरफ्तारियाँ 5,110 हो गई हैं। इसके अलावा 121 व्यक्तियों के खिलाफ एहतियातन कार्रवाई की गई, जबकि 284 व्यक्तियों की पुष्टि की गई और पूछताछ के बाद उन्हें छोड़ दिया गया। पुलिस टीमों की कार्रवाई के दौरान 7 भगोड़े अपराधियों को भी गिरफ्तार किया गया है।वांछित अपराधियों/गैंगस्टरों के बारे में जानकारी और अपराध एवं आपराधिक गतिविधियों के बारे में सूचना देने के लिए लोग गुप्त रूप से एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर 93946-93946 पर संपर्क कर सकते हैं।

उल्लेखनीय है कि पुलिस टीमों ने नशों के खिलाफ अपनी मुहिम युद्ध नशेयां विरुद्ध को 342वें दिन भी जारी रखते हुए आज 97 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से 1.6 किलोग्राम हेरोइन, 510 नशीली गोलियाँ/कैप्सूल और 4 लाख रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई।इससे मात्र 342 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल ड्रग तस्करों की संख्या 47,954 हो गई है।डी-एडिक्शन के हिस्से के रूप में, पंजाब पुलिस ने आज 24 व्यक्तियों को नशा छुड़ाने और पुनर्वास के लिए राजी किया है।

लकी ओबेरॉय हत्या केस: डीजीपी गौरव यादव ने घटनास्थल का लिया जायजा; दोषियों को कड़ी सजा दिलाने का दिया भरोसा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़/जालंधर

पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने आम आदमी पार्टी (आप) के पदाधिकारी सतविंदरपाल सिंह उर्फ लकी ओबेरॉय की हत्या से संबंधित चल रही जांच का जायजा लेने के लिए आज जालंधर में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ उच्च-स्तरीय बैठक की। उन्होंने स्वयं घटनास्थल पर जाकर मौके का निरीक्षण भी किया।

घटनास्थल पर मीडिया से बातचीत करते हुए डीजीपी ने मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार के कानून-व्यवस्था बनाए रखने के दृढ़ इरादे को दोहराते हुए कहा कि इस अपराध के दोषियों को जल्द गिरफ्तार करके कानून के अनुसार मिसाली सजा दिलाई जाएगी। इस दौरान उनके साथ जालंधर की पुलिस

कमिश्नर (सीपी) धनप्रीत कौर भी मौजूद थीं।

उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री साहब व्यक्तिगत रूप से मामले की निगरानी कर रहे हैं और उन्हें लगातार घटनाक्रम के बारे में अपडेट दिए जा रहे हैं।

जानकारी के अनुसार, सतविंदरपाल सिंह उर्फ लकी ओबेरॉय को शुक्रवार सुबह मॉडल टाउन, जालंधर के गुरुद्वारा सिंह सभा पार्किंग में एक सफेद एक्टिवा पर आए अज्ञात हमलावरों ने गोली मार दी थी, जब वह (लकी) माथा टेककर वापस जा रहे थे।पीड़ित ने बाद में दम तोड़ दिया।

डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि जांच पेशेवर और वैज्ञानिक तरीके से की जा रही है।उन्होंने कहा, हमने अब तक हुई तफ्तीश की समीक्षा की है और संदिग्धों की सभी पिछली और हाल की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है।

उन्होंने आगे बताया कि पुलिस टीमों ने तकनीकी विश्लेषण के माध्यम से जांच को आगे बढ़ाने के लिए मोबाइल टावर डंप्स से जानकारी भी जुटाई है। डीजीपी ने कहा, अपराध की गुत्थी सुलझाने के लिए गहन जांच की जा रही है।

वर्तमान स्थिति के बारे में विवरण साझा करते हुए सी.पी. धनप्रीत कौर ने कहा कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि दोनों दोषी जिन्होंने काली हूडियां पहनी हुई थीं, अपने एक्टिवा स्कूटर पर मौके से फरार हो गए।उन्होंने आगे कहा कि इस संबंध में आगे की जांच जारी है।

इस संबंध में, एफआईआर नंबर 25 दिनांक 6/2/2026 को बीएनएस की धारा 103(1), 3(5) और 61(2) तथा आर्म्स एक्ट की धारा 25 और 27 के तहत जालंधर कमिश्नरेट के पुलिस स्टेशन डिवीजन-6 में केस दर्ज किया गया है।

संक्षिप्त-समाचार

भारत विकास परिषद जैतो ने सिलाई मशीन और ब्यूटी पार्लर का कोर्स करने वाली छात्राओं को किटें बांटी

जैतो। इलाके की मशहूर सामाजिक सेवा संस्था भारत विकास परिषद की जैतो यूनिट ने छह महीने का टेलरिंग और ब्यूटी पार्लर कोर्स करने वाली छात्राओं को सिलाई मशीन, ब्यूटी किट और सर्टिफिकेट बांटने का एक समारोह आयोजित किया, जिसमें जैतो विधानसभा क्षेत्र के विधायक अमोलक सिंह की पत्नी श्रीमती मनप्रीत कौर मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुईं। उन्होंने अपने हाथों से छात्राओं को सामान बांटने की रस्म अदा की। उन्होंने कहा कि उन्हें यह जानकर बहुत खुशी हुई कि भारत विकास परिषद जैतो, मानवता की सेवा, भारतीय संस्कृति, सामाजिक सेवाओं के साथ-साथ कई सालों से महिलाओं के लिए सिलाई केंद्र और ब्यूटी पार्लर के कोर्स भी चला रही है, जिससे महिलाएं अपने पैरों पर खड़ी हो रही हैं और अच्छा काम कर रही हैं और आत्मनिर्भर बन रही हैं। उन्होंने कहा कि आज के समय में लड़कियों और महिलाओं का आत्मनिर्भर होना बहुत जरूरी है। मुख्य अतिथि मनप्रीत कौर ने इस काम के लिए भारत विकास परिषद जैतो की तारीफ की और कहा कि ये सेवाएं जारी रहनी चाहिए। इस मौके पर अन्य के अलावा लोगों के चहेते हरमन प्यारे विधायक अमोलक सिंह की खास तौर पर समागम में पहुंचे। उन्होंने भारत विकास परिषद के काम की पूरी तारीफ की और भरोसा दिलाया कि जब भी मेरी जरूरत होगी, वह भारत विकास परिषद की पूरी मदद करेंगे। ममता जिंदल ने मंच संचालन बहुत अच्छे से किया। इस कार्यक्रम में मुकेश बांसल, मोहन लाल जिंदल, प्रवीण कंसल, सतीश कुमार गोयल, सुनील कुमार सिंगला, प्रहलाद राय गर्ग, रूलिया राम सिंगला, डॉ. विजय सिंगला, विजय सिंगला बिशनंदी वाले, जीवन गर्ग, पवन सिंगला, मेजर सिंह, कश्मीरी लाल गर्ग, जसवीर सिंह धारीवाल, सुरिंदर कुमार गर्ग, अश्विनी अरोड़ा, सुरेश गर्ग, सीमा रानी, सुरजीत कौर धारीवाल, रीना गोयल, परवीन गर्ग,अंजू कांसल मौजूद थे।

डी.ए.वी.सकूल जैतो ब्लूमिंग बड्स (प्ले -वे) किड्स का जैतो में भव्य उद्घाटन

जैतो। डी.ए.वी ब्लूमिंग बड्स (प्ले-वे) किड्स का जैतो में भव्य उद्घाटन किया गया। यह ब्लूमिंग बड्स किड्स शिक्षा व आनंद का नया केंद्र जैतो में गेलनेक्स्ट वेलनेस न्यूट्रिशन क्लब के पास टावर वाली गली में खुला। इस उद्घाटन समारोह का शुभारंभ माता-पिता, डी.ए.वी स्कूल की मैनेजमेंट एवं शिक्षकों की उपस्थिति में हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वप्रथम भगवान का ध्यान करते हुए कार्यक्रम का नेतृत्व स्कूल के प्रधानाचार्या ज्योति शर्मा , कोर्डिनेटर अर्चना मैम,आशु मैम, अमनप्रीत मैम ने किया। इस दौरान प्रधानाचार्या ने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि प्रत्येक बच्चे को सीखने का आनंद और आत्मविश्वास मिले। ब्लूमिंग बड्स किड्स में हम सृजनात्मक खेल, भाषा-ज्ञान, सामाजिक कौशल, खेल गतिविधियां और शारीरिक गतिविधियों पर समान रूप से ध्यान देंगे।उन्होंने यह भी कहा कि यह पहल हमारे शहर के भविष्य को मजबूत करेगी। बच्चों के लिए सुरक्षित और प्रेरणादायक सीखने के स्थान की आवश्यकता थी, और आज वह उम्मीद साकार हुई। इस उद्घाटन के दौरान डी. ए.वी स्कूल के लोकल मैनेजमेंट के मैंबर नरेश सेठी, पंकज कुमार एवं नगर कौंसल जैतो के प्रधान हरीश गोयल भी उपस्थित रहे। इस शुभ अवसर पर मदनलाल गोयल भी उपस्थित रहे।प्रधानाचार्या जी ने उपस्थित अभिभावकों एवं अतिथियों का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वो उनकी आभारी हैं जिन्होंने डी.ए.वी ब्लूमिंग बड्स (प्ले-वे) किड्स जैतो के उद्घाटन में उपस्थित होकर इस कार्यक्रम की शोभा को बढ़ाया।

गुरु रविदास महाराज जी की महान विरासत को बनाए रखने के लिए भगवंत सिंह मान प्रतिबद्ध: हरपाल सिंह चीमा

संत समाज द्वारा श्री गुरु रविदास महाराज जी के 649वें प्रकाश पर्व के अवसर पर शानदार प्रबंधों के लिए भगवंत सिंह मान सरकार की सराहना

सिटी दर्पण संवाददाता
खुरालगढ़

संत समाज ने श्री गुरु रविदास महाराज जी के 649वें प्रकाश पर्व को व्यापक स्तर पर श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाने के लिए किए गए पुख्ता प्रबंधों से प्रभावित होकर इस नेक कार्य के लिए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार की सराहना की।

श्री गुरु रविदास जी के 649वें प्रकाश पर्व को समर्पित राज्य स्तरीय समागम के दौरान संगत को संबोधित करते हुए संत निरमल दास जी जोड़े वाले ने कहा कि गुरु रविदास जी साधू संप्रदा सोसाइटी, पंजाब सरकार विशेषकर मुख्यमंत्री को व्यापक प्रबंध करने के लिए बधाई देती है। उन्होंने प्रकाश पर्व को समर्पित आयोजित कार्यक्रमों के लिए संपूर्ण संत समाज की ओर से मुख्यमंत्री का विशेष रूप से धन्यवाद किया।उन्होंने कहा कि गुरु जी ने खुरालगढ़ में चार साल से अधिक समय भक्ति कर-के इस स्थान को पावन बनाया। उन्होंने कहा कि यह बहुत गर्व की बात है कि पंजाब सरकार आज इस पवित्र भूमि पर 649वां प्रकाश पर्व पूरी श्रद्धा और सम्मान के साथ मना रही है।

डेरा बल्लां से संत प्रदीप दास जी ने अपने संबोधन में कहा कि आज ऐतिहासिक दिन है क्योंकि श्री गुरु रविदास जी महाराज के प्रकाश पर्व के अवसर पर मुख्यमंत्री अपनी पूरी कैबिनेट और सांसदों के साथ श्रद्धा और सम्मान अर्पित करने के लिए खुरालगढ़ पहुंचे हैं।उन्होंने कहा कि यह बहुत गर्व और संतुष्टि की बात है कि पंजाब सरकार ने श्री गुरु रविदास जी बाणी अध्ययन केंद्र स्थापित करने के लिए डेरा बल्लां के निकट 10 एकड़ जमीन प्रदान की है, जिसके लिए वे सरकार के आभारी हैं। उन्होंने इन प्रयासों के लिए पंजाब सरकार की सराहना की जो श्री गुरु रविदास जी की शानदार विरासत को बनाए रखने में बहुत सहायक सिद्ध होंगे। इस दौरान अपने संबोधन में वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में पंजाब सरकार ने श्री गुरु रविदास महाराज जी के आगामी 650वें प्रकाश पर्व को धार्मिक उत्साह के साथ मनाने के लिए पूरे साल चलने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की है, जो आज शुरू हो गई है।उन्होंने कहा कि इन कार्यक्रमों के हिस्से के रूप में श्री गुरु रविदास महाराज जी की महान शिक्षाओं को देश-दुनिया के हर कोने तक पहुंचाया जाएगा।हरपाल चीमा ने कहा कि मुख्यमंत्री ने इन कार्यक्रमों के लिए कैबिनेट सब-कमेटी गठित की है, जिसकी अगुवाई उन्हें सौंपी गई है और वे अपनी जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा से निभाएंगे। इससे पहले कैबिनेट मंत्री तरुनप्रीत सिंह सौंद ने भी संगत का स्वागत करते हुए कहा कि पंजाब सरकार राज्य की शानदार विरासत को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।इससे पहले मुख्यमंत्री और पूरी कैबिनेट ने संगत रूप में श्री अखंड पाठ साहिब के भोग के बाद सरबत्त के भले के लिए अरदास की। मुख्यमंत्री और कैबिनेट ने श्री गुरु रविदास महाराज जी के तप-अस्थान पर भी माथा टेका।

बांग्लादेश में सरकारी कर्मचारियों का प्रदर्शन, पुलिस का लाठीचार्ज

प्रदर्शनकारियों ने जमुना के सामने हटने से इनकार किया

एजेंसी (हि.स.)
ढाका

फोटोः हि.स.

बांग्लादेश के सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों ने नौवें राष्ट्रीय वेतनमान की घोषणा न होने खिलाफ अंतरिम सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। इन लोगों ने शुक्रवार को सरकार के मुख्य सलाहकार के सरकारी आवास जमुना के सामने विरोध प्रदर्शन किया।

ढाका ट्रिब्यून अखबार की रिपोर्ट के अनुसार शाहबाग में पुलिस बैरिकेड तोड़ते हुए प्रदर्शनकारी सुबह करीब 11:30 बजे जमुना की ओर मार्च करने लगे और आवास के सामने प्रदर्शन शुरू कर दिया। पुलिस ने उन्हें तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज और आंसू गैस का इस्तेमाल किया। पुलिस उपायुक्त (रमना डिवीजन) मसूद आलम ने कहा, हम सतर्क हैं, ताकि कानून-व्यवस्था खराब न हो। हम प्रदर्शनकारियों से बात कर रहे हैं, ताकि वे कहीं और चले जाएं। इससे पहले, देशभर से राजधानी ढाका पहुंचे प्रदर्शनकारियों ने शहीद मीनार पर इकट्ठा हुए और सुबह करीब 11 बजे सरकार के मुख्य सलाहकार के आवास जमुना की ओर बढ़े। शाहबाग में उन्हें पुलिस के विरोध का सामना करना पड़ा। जमुना में पुलिस ने उन्हें फिर से हटाने की कोशिश की। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों के साथ कई दौर की बातचीत की। प्रदर्शनकारियों ने जमुना के सामने हटने से इनकार कर दिया। तब पुलिस ने लाठीचार्ज किया और उन पर आंसू गैस के गोले दागे। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि मौजूदा सरकार को नया वेतनमान फौरन घोषित करना चाहिए। वेतन आयोग अपनी पूरी रिपोर्ट जमा कर चुका है और इसे गजट अधिसूचना के माध्यम से लागू किया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि एक निर्वाचित सरकार के सत्ता में आने के बाद इसे लागू करने में देरी हो सकती है।

जिला सत्र न्यायाधीश शिल्पी सोनी राज की संदिग्ध मौत

नवादा। बिहार में नवादा की प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुश्री शिल्पी सोनी राजका उनके आवास में ही संदिग्ध मौत हो गई है ।शुक्रवार की सुबह उन्हें अचेत अवस्था में नवादा के धर्मशिला अस्पताल में ले जाया गया। ।जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित किया। जिला एवं सत्र न्यायाधीश के कर्मचारियों ने बताया कि सुबह जब उनके आवास में प्रवेश किया तो वह सोफे पर अचेत अवस्था में झुकी हुई पाई गई। उन्हें तत्काल नवादा के निजी धर्मशिला अस्पताल में दाखिल कराया गया ।जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया ।इस तरह की मौत को संदिग्ध बताया जा रहा है । प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश की मौत की घटना के बाद जिला प्रशासन में अफरा -तफरी का माहौल कायम हो गया है। नवादा के जिला अधिकारी रवि प्रकाश तथा एसपी अभिनव धीमान स्वयं धर्मशिला अस्पताल में कैंप कर रहे हैं ।जिला एवं सत्र न्यायाधीश तीन बहने व दो भाई है। उनकी बहन पटना से नवादा के लिए चल चुकी है ।स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन ने फोरेंसिक टीम से जांच करने शुरू कर दी है ।उनके आवास को भी जांच के लिए सुरक्षित कर दिया गया है ।उनका पोस्टमार्टम भी पटना में विशेषज्ञों के निगरानी में कराया जाएगा ।ताकि घटना की सच्चाई का पता लगाया जा सके। जिला एवं सत्र न्यायाधीश की मौत की खबर नवादा में आज की तरफ फैल गई । सैकड़ो अधिवक्ता व प्रशासनिक अधिकारी धर्मशिला अस्पताल में जुटे हुए हैं। सैकड़ों अधिवक्ता तथा नवादा वासी इस सच्चाई का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं कि आखिर मौत का कारण क्या है।

पाकिस्तान की सेना क्वेटा में घरों में घुसी

100 से अधिक बलोच लोगों को उठा ले गई

एजेंसी (हि.स.)
क्वेटा (बलोचिस्तान) पाकिस्तान

फोटोः हि.स.

बलोचिस्तान की आजादी के लिए संघर्षरत बलोचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के अभियान से तिलमलाई पाकिस्तान की सेना राजधानी क्वेटा के विभिन्न इलाकों से 100 से ज्यादा लोगों को उठा ले गई है। इन सभी को घरों से अगवा किया गया है। द बलोचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, प्रांतीय सरकार ने दावा किया है कि सेना ने 100 संदिग्धों को गिरफ्तार किया है और कई घरों से छोटे-बड़े हथियार बरामद किए हैं। हालांकि, प्रांतीय सरकार ने मीडिया को कोई सबूत नहीं दिया। प्रांतीय सरकार दावा किया कि बलूचिस्तान में स्थिति नियंत्रण में है। हालांकि, नुश्की समेत कई इलाकों में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है और संचार व्यवस्था ठप है।

यह उल्लेखनीय है कि 31 जनवरी को बलोचिस्तान के क्वेटा, ग्वादर, पसनी, दलबांदिन, खारान और नुश्की समेत 12 शहरों में बीएलए ने सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाकर हमले किया। रिपोर्ट के अनुसार क्वेटा से उठाए गए लोगों में 25 वर्षीय असदुल्लाह भी शामिल है। जफरुल्लाह कुर्द का पुत्र असदुल्लाह बलोचिस्तान विश्वविद्यालय में बीएससी का छात्र है। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, असदुल्लाह को बुधवार और गुरुवार की आधी रात क्वेटा के बुरोरी रोड से अगवा किया गया। इस बीच, हथियारबंद लोगों ने खुजदार जिले की तहसील नाल पुलिस चौकी पर कब्जा कर लिया और वहां मौजूद अधिकारियों को हिरासत में ले लिया। सशस्त्र लोगों ने पुलिस के हथियार छीन लिए और वाहनों को जला दिया। इस घटना की जिम्मेदारी अभी तक किसी भी समूह ने नहीं ली है। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने गुरुवार को विज्ञप्ति में कहा कि सुरक्षा बलों ने बलोचिस्तान में ऑपरेशन रद-उल-फितना-1 को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। इस अभियान में 216 विद्रोही मारे गए। इस दौरान विदेशी मूल के हथियारों, गोला-बारूद, विस्फोटकों और उपकरणों का बड़ा जखीरा भी बरामद किया गया है। अभियान के दौरान महिलाओं और बच्चों सहित 36 निर्दोष नागरिकों की जान चली गई। गोलीबारी में 22 जवानों की भी मौत हो गई।

अमेरिका में एरिजोना के फ्लैगस्टाफ में हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त

पायलट समेत दो की मौत

एजेंसी (हि.स.)
फ्लैगस्टाफ (एरिजोना) अमेरिका

अमेरिका में एरिजोना राज्य के सार्वजनिक सुरक्षा विभाग (एरिजोना डिपार्टमेंट ऑफ पब्लिक सेफ्टी) का एक हेलीकॉप्टर फ्लैगस्टाफ में गोलीबारी की घटना की निगरानी के वक्त दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में पायलट और चिकित्सा सहायक पुलिसकर्मी की मौत हो गई। यह जानकारी विभाग की आधिकारिक विज्ञप्ति में दी गई। फ्लैगस्टाफ एरिजोना के उत्तरी भाग में स्थित है और कोकोनिनो काउंटी का प्रमुख शहर है। यह शहर लगभग 7,000 फीट की ऊंचाई पर बसा है। आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, विभाग के सार्जेंट कैमरन ली ने एक बयान में कहा कि बुधवार रात को एक रेंजर हेलीकॉप्टर का क्रू फ्लैगस्टाफ पुलिस डिपार्टमेंट और अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों की मदद के लिए गया था। ली ने कहा, दुख की बात है कि गोलीबारी की घटना के दौरान हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया। इस हादसे में पायलट और चिकित्सा सहायक पुलिसकर्मी की मौत हो गई। ली ने कहा कि गोलीबारी में संदिग्ध को जानलेवा चोटें नहीं आईं और उसे हिरासत में ले लिया गया। फिलहाल मृतकों की पहचान नहीं जारी की गई है। एबीसी न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, संघीय विमानन प्रशासन ने एक बयान में कहा कि हेलीकॉप्टर (बेल 407) फ्लैगस्टाफ के पास रात करीब 10:15 बजे क्रैश हो गया और उसके बाद आग लग गई। रजिस्ट्रेशन नंबर की जांच से पता चला कि हेलीकॉप्टर का निर्माण 2004 में हुआ था। प्रशासन ने कहा कि दुर्घटना की जांच में नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड की मदद की जाएगी। विज्ञप्ति में कहा गया कि एरिजोना सार्वजनिक सुरक्षा विभाग 06 फरवरी को सुबह 10 बजे संवाददाता सम्मेलन में हेलीकॉप्टर के क्रैश के बारे में अपडेट देगा। संवाददाता सम्मेलन में विभाग के निदेशक कर्नल जेफरी ग्लोवर बयान जारी करेंगे। यह

लाल निशान पर खुला शेयर बाजार, सेंसेक्स 212.16 अंक टूटा

नई दिल्ली। हफ्ते के अंतिम कारोबारी दिन शुक्रवार को शेयर बाजार लाल निशान पर खुला। वैश्विक बाजार में बिकवाली और आरबीआई की मौद्रिक नीति के नतीजे से पहले सतर्कता के माहौल के बीच सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट का सिलसिला जारी है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 212.16 अंक यानी 0.25 फीसदी की गिरावट के साथ 83,101.77 के स्तर पर ट्रेंड कर रहा है। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 82.25 अंक यानी 0.32 फीसदी टूटकर 25,560.55 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। सेंसेक्स की 30 में से 16 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ हरे निशान में खुले और बाकी की सभी 14 कंपनियों के शेयर लाल निशान में खुले। इसी तरह निफ्टी की 50 कंपनियों में 17 कंपनियों के शेयर हरे निशान में खुले और बाकी की सभी 33 कंपनियों के शेयर नुकसान के साथ लाल निशान में खुले। उल्लेखनीय है कि शेयर बाजार का बेंचमार्क सूचकांक बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 503 अंक यानी 0.60 फीसदी गिरकर 83,313 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 113 अंक यानी 0.52 फीसदी फिसलकर 25,642 पर बंद हुआ था।

मेघालय हाई कोर्ट ने कोयला खदान विस्फोट मामले में दिए गिरफ्तारी के आदेश

एजेंसी (हि.स.)
शिलांग

मेघालय हाई कोर्ट ने 5 फरवरी को ईस्ट जयंतिया हिल्स जिले में एक कथित अवैध कोयला खदान में हुए विस्फोट के सिलसिले में तुरंत गिरफ्तारी के आदेश दिए, जिसमें कम से कम 18 लोगों मारे जाने की जानकारी सामने आई है। यह इस इलाके में प्रतिबंधित खनन के लगातार चलने पर न्यायिक सख्ती का संकेत है। मामले की अगली सुनवाई 9 फरवरी को होगी।

मेघालय हाई कोर्ट में एचएस थांगख्यू और डब्ल्यू डिंगडोह की सिंगल डिवीजन बेंच ने थांगस्कू इलाके में हुए विस्फोट पर मीडिया रिपोर्ट्स का स्वतः संज्ञान लिया। कोर्ट ने चिंता जताई कि इस साल 14 जनवरी को इसी तरह की एक जानलेवा घटना होने के बावजूद अवैध कोयला खनन जारी रहा। कोर्ट ने तेजी से कार्रवाई का निर्देश देते हुए, ईस्ट जयंतिया हिल्स के डिप्टी कमिश्नर और पुलिस अधीक्षक को कथित अवैध गतिविधि में शामिल खदान मालिकों और ऑपरेटरों की पहचान करने और उन्हें गिरफ्तार करने और ऑपरेशन से जुड़े सभी आपत्तिजनक सामान जब्त करने का आदेश दिया। कोर्ट ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि प्रभावित और घायल लोगों को, जितना संभव हो सके तुरंत सहायता और मेडिकल मदद सुनिश्चित की जाए।

जवाबदेही पर जोर देते हुए, कोर्ट ने जिले के एसपी और डिप्टी कमिश्नर को 9 फरवरी को सुबह 10.30 बजे व्यक्तिगत रूप से पेश होने और की गई कार्रवाई पर एक विस्तृत रिपोर्ट और यह बताने के लिए कहा कि अवैध खनन को जारी रखने की अनुमति कैसे दी गई। कोर्ट ने चेतावनी दी कि अगर आदेश का पालन नहीं किया गया तो आगे और आदेश दिए जाएंगे।

रजिस्ट्री को निर्देश दिया गया कि वह तुरंत ईमेल और हार्ड कॉपी के माध्यम से जिला अधिकारियों को आदेश की जानकारी दे और एडवोकेट जनरल को भी एक कॉपी दे।

नई सरकार के विरुद्ध हुआ विरोध प्रदर्शन

मणिपुर के चूड़ाचांदपुर में बढ़ा तनाव

एजेंसी (हि.स.)
इंफाल

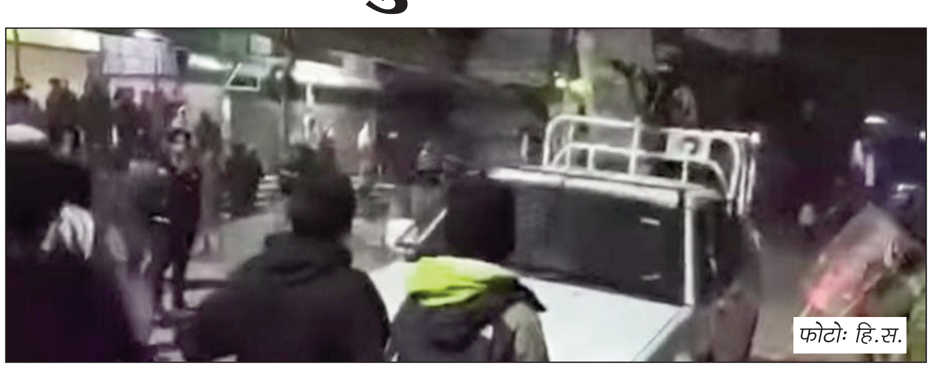
फोटोः हि.स.

मणिपुर के चूड़ाचांदपुर जिले में बीती रात को एक बार फिर से तनाव उस समय बढ़ गया, जब तुइबोंग इलाके में राज्य में नई बनी लोकप्रिय सरकार के विरोध में प्रदर्शन शुरू हो गए। तनाव बढ़ने के बाद ऐहतियातन भारी संख्या में सुरक्षा बलों को तैनात किया गया।

सूत्रों के अनुसार, यह अशांति सुबह जल्दी शुरू हुई, जब कुकी विधायकों द्वारा लोकप्रिय सरकार को समर्थन देने पर प्रदर्शनकारियों में व्यापक गुस्सा फैल गया। प्रदर्शनकारियों ने चुने हुए प्रतिनिधियों पर समुदाय की भावनाओं की अनदेखी करने का आरोप लगाया, खासकर अलग प्रशासनिक व्यवस्था की मांग के संदर्भ में।रिपोर्ट्स के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने अपना रुख कड़ा करते हुए घोषणा की कि जब तक उनकी अलग प्रशासन की मांग पूरी नहीं हो जाती, तब तक वे लोकप्रिय सरकार का समर्थन नहीं करेंगे। कुकी विधायकों, जिनमें उपमुख्यमंत्री नेमचा किपगेन, विधायक एलएम खौटे और न्गुर्संगलुर सनाटे शामिल थे, की मौजूदगी में लोकप्रिय सरकार बनने के बाद तनाव और बढ़ गया। प्रदर्शनकारियों ने इस कदम को समुदाय की आकांक्षाओं के साथ विश्वासघात माना।

आंदोलन ने तब एक नाटकीय मोड़ लिया जब कथित तौर पर दो प्रदर्शनकारियों ने विरोध के निशान के रूप में आत्मदाह करने की कोशिश की। हालांकि, पुलिस कर्मियों के समय पर हस्तक्षेप से घटना को जानलेवा होने से रोक दिया गया। शाम करीब 6 बजे विरोध प्रदर्शन और बढ़ गया और बड़ी संख्या में सुरक्षा कर्मियों की तैनाती के बावजूद छिटपुट झड़पें हुईं।

हालांकि, अधिकारी बड़ी हताहतों को रोकने में कामयाब रहे। सूत्रों ने पुष्टि की कि झड़पों के दौरान कई प्रदर्शनकारी घायल हुए। नवीनतम रिपोर्टों के अनुसार, स्थिति अभी भी तनावपूर्ण बनी हुई है, और सुरक्षा बल इलाके में पूरी तरह से नियंत्रण बहाल करने के प्रयास जारी रखे हुए हैं।

ज्ञात हो कि कुकी समुदाय के कुछ वर्गों ने पहले कुकी विधायकों को चेतावनी दी थी कि अगर लोकप्रिय सरकार बनती है तो वे उसका समर्थन न करें। ऐसे में सरकार में कुकी समुदाय के विधायकों के शामिल होने के चलते पहले से ही नाजुक सुरक्षा स्थिति के बीच क्षेत्र में गहरी राजनीतिक और सामाजिक विभेद फिर से एक बार उजागर हुए हैं।

सिक्किम में भूकंप के 13 झटके महसूस किए गए, तीव्रता 2.2 से 4.5 के बीच दर्ज

एजेंसी (हि.स.)
गंगटोक

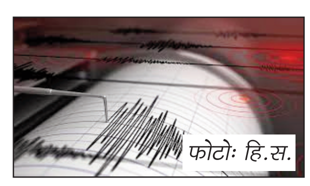
फोटोः हि.स.

सिक्किम के विभिन्न जिलों में भूकंप के असामान्य झटके महसूस किए गए ।इन झटकों की तीव्रता हल्की से मध्यम रही। भूकंप से राज्य में जान-माल के किसी प्रकार के नुकसान की कोई सूचना नहीं है ।सिक्किम में गुरुवार देर रात से शुक्रवार सुबह तक भूकंप के कई झटके महसूस किए गए। राज्य के छह में से चार जिले मंगन, नामची, गंगटोक और गेजिंग में भूकंप के झटके महसूस किए जाने की जानकारी मिली है। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 2.2 से 4.5 के बीच दर्ज की गई।

केंद्र सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के आंकड़ों के अनुसार, सिक्किम के इन चार जिलों में कुल 13 बार भूकंप के झटके महसूस किए गए। इनमें सर्वाधिक सात झटके मंगन जिले में दर्ज किए गए। इसके बाद नामची जिले में चार बार तथा गंगटोक और गेजिंग जिलों में एक-एक बार झटके महसूस किए गए। भूकंप का पहला झटका गुरुवार देर रात 1:09 बजे गेजिंग जिले में महसूस किया गया, जबकि अंतिम झटका शुक्रवार सुबह 5:29 बजे नामची जिले में महसूस किया गया। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के अनुसार, गेजिंग जिले में पहला झटका 1:09 बजे महसूस किया गया, जिसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.5 दर्ज की गई। इसके बाद गंगटोक जिले में 1:15 बजे 3.1 तीव्रता, मंगन जिले में 1:23 बजे 2.2 तीव्रता, मंगन में ही 2:03 बजे 2.5 तीव्रता, नामची जिले में 2:20 बजे 3.9 तीव्रता तथा नामची जिले में 2:43 बजे 2.4 तीव्रता के झटके महसूस किए गए।

संक्षिप्त-समाचार

बाइक सवार युवकों ने घर के बाहर खड़े दो ऑटो में पेट्रोल छिड़क लगाई आग

चित्तौड़गढ़। शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र में आने वाले मोहर मंगरी कच्ची बस्ती इलाके में गुरुवार रात को घर के बाहर खड़े दो ऑटो में अज्ञात लोगों ने पेट्रोल छिड़क कर आग लगा दी। बाइक सवार दो युवकों पर आग लगाने की आशंका है। मामले की सूचना मिलने पर पुलिस रात को ही मौके पर पहुंच गई। यह दो आगे भाइयों के थे। चित्तौड़गढ़ पुलिस उप अधीक्षक बृजेश सिंह ने बताया कि रात करीब एक बजे कोतवाली पुलिस थाने पर सूचना मिली थी कि मोहर मंगरी कच्ची बस्ती क्षेत्र में आग लग गई है। ड्यूटी ऑफिसर ने मौके पर जाकर देखा तो सामने आया कि कच्ची बस्ती में एक मकान के बाहर खड़े दो ऑटो में आग लग रही थी। अज्ञात व्यक्ति ने पेट्रोल डाल कर ऑटो में आग लगा दी। इस पर दमकल को सूचना की गई। मौके पर बस्ती के काफी लोग भी मौजूद थे। पुलिस उप अधीक्षक ने बताया कि यह ऑटो दो भाइयों शिवप्रकाश व गोपाल सोनी के थे। दोनों के ऑटो घर के बाहर खड़े थे, जिनमें किसी ने आग लगाई थी। परिजनों ने आशंका जताई है कि अज्ञात बाइक सवार आए थे, जो आग लगा गए। पुलिस ने परिवार को रिपोर्ट देने को कहा है। इनकी रिपोर्ट पर पुलिस नियमानुसार कार्यवाही करेगी। इधर, ऑटो मालिक शिवप्रकाश सोनी ने बताया कि प्रार्थी और उसका भाई मोहर मंगरी बस्ती में साथ ही रहते हैं। ऑटो को स्कूल में और सवारियों पर चलाते हैं। रोज की तरह रात को भी ऑटो घर के बाहर ही खड़े किए थे।। सोनी ने बताया कि उनका किसी से कोई विवाद भी नहीं है। आग से दोनों भाइयों को करीब तीन से चार लाख का नुकसान हुआ है।

आईटीआई छात्र पर फायर झोंकने वाला आरोपित मुठभेड़ में घायल, साथी गिरफ्तार

बरेली। बहेड़ी क्षेत्र में आईटीआई छात्र पर दिनदहाड़े फायरिंग करने वाले आरोपितों को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद दबोच लिया। जवाबी कार्रवाई में एक आरोपित गोली लगने से घायल हो गया, जबकि उसका साथी गिरफ्तार कर लिया गया। सीओ सिटी आशुतोष शिवम ने बताया कि घटना चार फरवरी की है। आईटीआई छात्र राहुल गंगवार शास्त्री नगर गेट के पास खड़ा था, तभी प्रेमनगर रामलीला गौंटिया निवासी मनोज भास्कर और इज्जतनगर मठ लक्ष्मीपुर निवासी उदय ठाकुर बाइक से पहुंचे। आरोप है कि दोनों ने मोबाइल और चेन लूटने का प्रयास किया। विरोध करने पर मनोज ने राहुल के सिर पर लोहे का कड़ा मार दिया। इसी दौरान उदय ने तमंचा सिर पर सटा दिया। राहुल ने बचने की कोशिश की तो उदय ने गोली चला दी, जो उसके दाहिने बगल में लगी। बहन पूजा के मौके पर पहुंचने पर आरोपित फरार हो गए। सीओ सिटी आशुतोष शिवम ने बताया कि गुरुवार रात वाहन चेकिंग के दौरान संदिग्ध बाइक सवारों को रोकने का प्रयास किया गया। भागते समय आरोपितों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में एक आरोपित घायल हो गया। पुलिस ने तमंचा व कारतूस बरामद कर दोनों के खिलाफ जानलेवा हमले का मुकदमा दर्ज किया है। आगे की कार्रवाई जारी है।

नशे के लिए पैसे न मिलने पर विवाद, पिता के हाथों बेटे की हत्या

सिलीगुड़ी। सिलीगुड़ी में नशे के लिए पैसे न मिलने पर हुए विवाद में एक पिता के हाथों बेटे की हत्या हो गई। यह घटना सिलीगुड़ी के नरेश मोड़ इलाके की है। मृत युवक की पहचान निमाई पाल के रूप में हुई है। पुलिस ने इस मामले में आरोपित पिता नीलकांत पाल को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, निमाई पाल लंबे समय से मादक पदार्थों का आदी था। नशे के चलते वह अक्सर घर में झगड़ा करता और माता-पिता के साथ मारपीट करता था। गुरुवार रात भी उसने नशे के लिए पिता से पैसे मांगे। पैसे न मिलने पर वह माता-पिता के साथ मारपीट करने लगा। इसी दौरान पिता और बेटे के बीच हाथापाई हुई, जिसमें युवक गिर पड़ा और उसके सिर में गंभीर चोट लग गई। चोट लगने के कारण मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर आशिघर चौकी की पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपित पिता नीलकांत पाल को गिरफ्तार कर लिया। युवक के शव को बरामद कर सिलीगुड़ी जिला अस्पताल भेजा गया है। शुक्रवार को उत्तर बंगाल मेडिकल कॉलेज व अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम किया जाएगा। परिजनों और पड़ोसियों के मुताबिक, युवक कई वर्षों से नशे का शिकार था। परिवार की ओर से उसे नशा मुक्ति केंद्र (रिहैब) भेजने सहित कई प्रयास किए गए, लेकिन वह सफल नहीं हो सके। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

कटिहार पुलिस ने पश्चिम बंगाल से लाई जा रही 4,844 लीटर विदेशी शराब की जब्त

कटिहार। रोशना थाना ने अवैध शराब के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करते हुए 4,844.655 लीटर विदेशी शराब जब्त की है। इस कार्रवाई में ट्रक चालक प्रवीण दास को गिरफ्तार किया गया है। थानाध्यक्ष रोशना को गुप्त सूचना मिली थी कि मालदा (पश्चिम बंगाल) से एक ट्रक सवार व्यक्ति रोशना चेक पोस्ट की ओर शराब की बड़ी खेप लेकर जा रहा है। सूचना के सत्यापन के बाद चलाए गए वाहन चेकिंग अभियान में ट्रक से शराब बरामद की गई। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त प्रवीण दास (30 वर्ष) पिता श्रपति दास ग्राम मंगलवाडी वार्ड नं. 09, ओल्ड मालदा(पं. बंगाल) के निवासी हैं। बरामद शराब और ट्रक को जब्त कर लिया गया है। आगे की कार्रवाई की जा रही है। थानाध्यक्ष रोशना ने बताया कि अवैध शराब के खिलाफ यह एक बड़ी कार्रवाई है और पुलिस इस तरह की गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि अवैध शराब की बिक्री रोकने के लिए पुलिस लगातार अभियान चला रही है। इस कार्रवाई से अवैध शराब के खिलाफ पुलिस की मुहिम को और बल मिला है। रोशना थाना की इस कार्रवाई की प्रशंसा की जा रही है।

रेल की चपेट में आने से युवक की मौत

राजगढ़। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले में रुठियाई- मक्सी ट्रेन रुट पर गुरुवार की रात शहर ब्यावरा थाना क्षेत्र में ग्राम खानपुरा के समीप रेल की चपेट में आने से 25 वर्षीय युवक की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार बीती रात ग्राम खानपुरा के समीप रेल पटरी पर 25 वर्षीय बंटी पुत्र गोकुल भिलाला निवासी कीलखेड़ा ब्यावरा गंभीर अवस्था में मिला, जिसे परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शुक्रवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा और मर्ग कायम कर मामले में जांच शुरू की।

आरबीआई ने रेपो रेट को 5.25 फीसदी पर रखा बरकरार, लोन की ब्याज दरें रहेंगी स्थिर

एजेंसी (हि.स.)
मुंबई

फोटोः हि.स.

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने इस बार भी नीतिगत दर रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया है। आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को यहां रेपो रेट को 5.25 फीसदी पर बरकरार रखने की घोषणा की। आरबीआई के इस फैसले की वजह से लोन की ब्याज दरें भी जस की तस रहेंगी।

आरबीआई गवर्नर ने मौद्रिक नीति समीति (एमपीसी) की तीन दिवसीय समीक्षा बैठक के फैसले की जानकारी देते हुए कहा कि एमपीसी ने तटस्थ रुख को बनाये रखने का निर्णय किया है। संजय मल्होत्रा ने कहा कि रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने आम सहमति से प्रमुख नीतिगत दर रेपो रेट को 5.25 फीसदी पर कायम रखा है। मल्होत्रा ने कहा कि रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए आर्थिक विकास दर के अनुमान को बढ़ाकर 7.4 फीसदी कर दिया है। इससे पहले केंद्रीय बैंक ने विकास दर 7.3 फीसदी रहने का अनुमान जताया था। आरबीआई गवर्नर ने कहा घरेलू महंगाई और वृद्धि परिदृश्य सकारात्मक होने से रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष के लिए मुद्रास्फीति 2.1 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है।

उल्लेखनीय है कि आरबीआई फरवरी, 2025 से लेकर अबतक नीतिगत ब्याज दर रेपो रेट में कुल 125 फीसदी की कटौती कर चुका है, जिससे रेपो रेट 5.25 फीसदी पर है।

महाशिवरात्रि

कोटेश्वर शिव मंदिर में तैयारियां शुरू

मंदिर की सीढ़ियां चढ़ते ही मिलता है आध्यात्मिक सुख

बेतवा नदी किनारे स्थित एतिहासिक मंदिर में विराजमान है पाताली शिवलिंग

एजेंसी (हि.स.)
हमीरपुर

फोटोः हि.स.

उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में बेतवा नदी किनारे कोटेश्वर शिवमंदिर में महाशिवरात्रि को लेकर तैयारियां शुरू हो गई है। मंदिर को चमकाने के लिए कारीगरों ने डेरा डाल दिया है। यह मंदिर सैकड़ों साल पुराना है जहां पताली शिव लिंग स्थापित है। ऐसी मान्यता है कि मंदिर की सीढ़ियां चढ़ते ही लोग टेंशन से न सिर्फ मुक्त हो जाते है बल्कि मन्नतें पूरी होती है। इसीलिए आसपास के जिलों से हर साल महाशिवरात्रि के दिन यहां लोग माथा टेकने आते है।

हमीरपुर जिले के कुरारा क्षेत्र के बेरी गांव किमी जमाने में स्टेट रहा है। ये गांव बेतवा नदी किनारे बसा है। नदी के तट पर एक विशाल कोटेश्वर शिवमंदिर स्थित है। जो कोटेश्वर पावन धाम के नाम से प्रसिद्ध है। मंदिर के मंहत देवीदयाल ने बताया कि मंदिर का इतिहास बहुत पुराना है। बताया कि सैकड़ों साल पहले पाताल से एक प्राचीन शिव लिंग प्रगट हुआ था जिसे मंदिर में स्थापित कराया गया था। यह मंदिर कोटेश्वर धाम के नाम से समूचे बुन्देलखंड क्षेत्र में प्रसिद्ध है। महंत ने बताया कि हर साल महाशिवरात्रि के दिन बड़ी तादाद में लोग कोटेश्वर शिवमंदिर आते है। पाताली शिव लिंग की पूजा कर लोग मन्नतें मांगते है। मन्नत पूरी होने पर दोबारा महाशिवरात्रि के दिन शिव बारात में लोग शामिल होते है। बताया कि यह मंदिर बड़ा दिव्य है जहां मंदिर की सीढ़ियां चढ़ते ही लोग टेंशन मुक्त हो जाते है। बीमार लोग भी बड़े ही आराम से मंदिर की तमाम सीढ़ियां चढ़कर शिव लिंग तक माथा टेकने पहुंच जाते है।रियासत की महारानी ने बनवाया था कोटेश्वर धाम मंदिरमंदिर के पुजारी ने बताया कि वर्ष 1944 में बेरी रियासत की महारानी राजेन्द्र कुमारी जूदेव को सपने में इस मंदिर को भव्य रूप देने के लिए कहा गया तो महारानी गांव में बेतवा नदी के तट पर कोटेश्वर धाम मंदिर का निर्माण करवाया था। यह मंदिर बड़ा ही विशेष है जहां हर साल महाशिवरात्रि पर्व के दिन हजारों की तादाद में लोग मन्नतें लेकर यहां आते है। सच्चे मन से शिव लिंग का जलाभिषेक कर शिव पार्वती की शादी में शामिल होने पर मन की अभिलाषा भी जरूर पूरी होती है।

महाशिवरात्रि पर्व पर शंकर और पार्वती की होती है शादीमहाशिवरात्रि को लेकर कोटेश्वर धाम सेवा समिति ने बड़े स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी है। पूरे मंदिर को रंग रोशन करने के लिये कारीगर डेरा डाले है। समिति के सदस्य कुलदीप सिंह, पंकज सिंह ने बताया कि महाशिवरात्रि को रामलीला के साथ मेला लगेगा। शिव की बारात की शोभायात्रा पूरे गांव में निकलेगी। रात में रामलीला के दौरान ही शिव पार्वती का विवाह सम्पन्न होगा। इसे देखने के लिए आसपास और पड़ोसी राज्य से हजारों की संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ेगी।

टी20 वर्ल्ड कप 2026: शास्त्री, स्मिथ और बिशप करेंगे कमेंट्री पैनल की अगुआई

7 फरवरी से भारत और श्रीलंका में शुरू हो रहा आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप

एजेंसी (हि.स.)
दुबई

भारत और श्रीलंका में 7 फरवरी से शुरू हो रहे आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए स्टार खिलाड़ियों और दिग्गजों से सजा कमेंट्री पैनल घोषित कर दिया गया है। इस हाई-प्रोफाइल पैनल की अगुआई रवि शास्त्री, नासिर हुसैन, इयान स्मिथ और इयान बिशप जैसे अनुभवी कमेंटेटर करेंगे।

आईसीसी के अनुसार, टूर्नामेंट के 10वें संस्करण में कुल 55 मैचों के दौरान पूर्व महान खिलाड़ियों और मौजूदा सितारों की दमदार मौजूदगी सुनाई देगी। इस सूची में पूर्व टी20 वर्ल्ड कप विजेता एरॉन फिंच, दिनेश कार्तिक, कुमार संगकारा, सैमुअल बैड्री, रॉबिन उथप्पा और कार्लोस ब्रैथवेट जैसे नाम शामिल हैं।

खास बात यह है कि मौजूदा खिलाड़ी और आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप जीतने वाले दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा भी कमेंट्री बॉक्स में नजर आएंगे। इसके अलावा 2014 टी20 वर्ल्ड कप विजेता श्रीलंकाई ऑलराउंडर एंजेलो मैथ्यूज भी कमेंट्री टीम का हिस्सा होंगे।

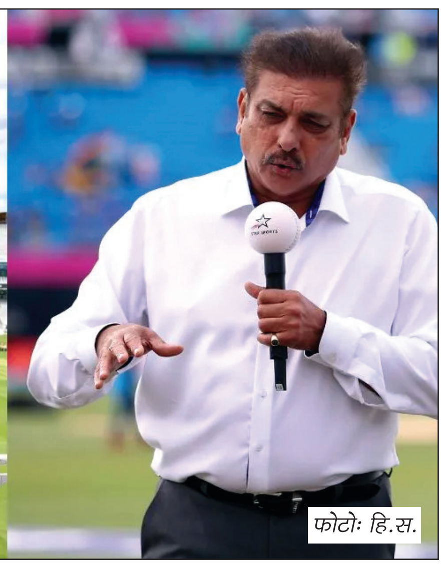

फोटोः हि.स.

डिफेंडिंग चैंपियन भारत पर सबकी नजर

टीम इंडिया इस टूर्नामेंट में डिफेंडिंग चैंपियन के रूप में उतर रही है और तीसरी बार खिताब जीतने के साथ-साथ ट्रॉफी का सफलतापूर्वक बचाव करने वाली पहली टीम बनने का लक्ष्य रखेगी। भारत को खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है, खासकर अक्टूबर 2023 के बाद से खेले गए 56 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में से 48 में जीत और हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ दमदार सीरीज जीत के बाद। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरूआत 7 फरवरी को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में अमेरिका के खिलाफ ग्रुप-स्टेज मुकाबले से करेगी। आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 के कमेंटेटर्स की सूची रवि शास्त्री, नासिर हुसैन, इयान स्मिथ, इयान बिशप, एरॉन फिंच, दिनेश कार्तिक, कुमार संगकारा, सैमुअल बैड्री, रॉबिन उथप्पा, कार्लोस ब्रैथवेट, इयोन मोर्गन, वसीम अकरम, सुनील गावस्कर, मैथ्यू हेडन, रमीज राजा, डेल स्टेन, माइकल एथर्टन, वकार यूनिस, साइमन डूल, शॉन पोलक, केटी मार्टिन, हर्षा भोगले, एम्पुमेलेलो म्बांग्वा, नताली जमेनौस, डैनी मॉरिसन, एलन विल्किंस, इयान वार्ड, मार्क हॉवर्ड, निक नाइट, अतहर अली खान, कास नायडू, बाजिद खान, रौनक कपूर, नायल ओब्रायन, प्रेस्टन मॉम्सन, एंड्रयू लियोनार्ड, रसेल अर्नोल्ड, रोशन अबेयसिंघे, एंजेलो मैथ्यूज और टेम्बा बावुमा।

ऑस्ट्रेलिया को बड़ा झटका, जोश हेजलवुड टी20 वर्ल्ड कप 2026 से बाहर

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

श्रीलंका/भारत में होने वाले आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 से ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड बाहर हो गए हैं। फिटनेस हासिल करने की समय-सीमा पूरी न कर पाने के कारण उन्हें टूर्नामेंट से बाहर कर दिया गया है। ऑस्ट्रेलिया के चयनकर्ता टोनी डोडेमाइड ने पुष्टि करते हुए कहा कि टीम प्रबंधन को उम्मीद थी कि हेजलवुड सुपर-8 चरण तक मैच फिट हो जाएंगे, लेकिन ताजा मेडिकल रिपोर्ट्स के अनुसार उनकी वापसी में अभी और समय लग सकता है। ऐसे में उनकी रिकवरी प्रक्रिया को तेज करना जोखिम भरा होता। डोडेमाइड ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के हवाले से कहा,हम आशावान थे कि जोश सुपर-8 तक फिट हो जाएंगे, लेकिन अब साफ है कि उन्हें अभी और समय चाहिए। जल्दबाजी करने से चोट बढ़ने का खतरा है, इसलिए हमने यह फैसला लिया। ऑस्ट्रेलिया फिलहाल हेजलवुड के रिप्लेसमेंट का ऐलान नहीं करेगा। चयनकर्ताओं का मानना है कि शुरूआती मुकाबलों के लिए टीम संतुलित है और आगे की परिस्थितियों को देखते हुए निर्णय लिया जाएगा। डोडेमाइड ने जोड़ा, हम तुरंत किसी रिप्लेसमेंट खिलाड़ी की घोषणा नहीं करेंगे। शुरूआती मैचों के लिए हमारी टीम कवर में है, आगे जरूरत के हिसाब से फैसला लेंगे, हेजलवुड को एकीलिज की चोट है और वे सिडनी में रिहैब कर रहे थे। उन्होंने आखिरी बार अक्टूबर 2025 में भारत के खिलाफ वनडे और टी20 सीरीज खेली थी। इससे पहले हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण वे एशेज की शुरूआत से बाहर हो गए थे और बाद में एकीलिज की चोट के चलते पूरी सीरीज नहीं खेल पाए। यह ऑस्ट्रेलिया के लिए दूसरा बड़ा झटका है, क्योंकि टीम पहले ही पैट कमिंस के बिना टूर्नामेंट खेल रही है। कमिंस पीठ की चोट से उबर रहे हैं और हाल के महीनों में उनका खेल सीमित रहा है। वे एशेज में सिर्फ एडिलेड टेस्ट ही खेल पाए थे। हालांकि, फिटनेस के मोर्चे पर कुछ राहत भी है। नाथन एलिस और टिम डेविड ग्रुप स्टेज के लिए उपलब्ध रहने की राह पर हैं, जबकि एडम जम्पा के कोलंबो में होने वाले पहले मैच में खेलने की उम्मीद है। टी20 कप्तान मिशेल मार्श ने तेज गेंदबाजी आक्रमण को लेकर भरोसा जताया। मार्श ने कहा,पैट और जोश जैसे तीनों फॉर्मेट के खिलाड़ियों की वजह से हमने अपनी टीम में गहराई बनाई है। जो खिलाड़ी आए हैं, उन्होंने काफी क्रिकेट खेला है और हमें उन पर पूरा भरोसा है। हम परिस्थितियों के हिसाब से टीम चुनेंगे। उन्होंने आगे कहा कि ऑस्ट्रेलिया पिछले 18 महीनों में दुनिया की सबसे निरंतर प्रदर्शन करने वाली टीमों में से एक रहा है और अलग-अलग परिस्थितियों में खेलने का अनुभव टीम के पास है।

ऑस्ट्रेलिया अपना पहला ग्रुप मुकाबला आयरलैंड के खिलाफ खेलेगा, जिसके लिए टीम के पास अब भी तैयारी का समय मौजूद है।

फोटोः हि.स.

आज की हॉकी में सिर्फ अटैक नहीं, डिफेंस भी जरूरी: नवनीत कौर

एजेंसी (हि.स.)
बेंगलुरु

भारतीय महिला हॉकी टीम की स्टार फॉरवर्ड नवनीत कौर का मानना है कि आधुनिक हॉकी में सिर्फ गोल करने की क्षमता ही काफी नहीं है, बल्कि अटैकिंग खिलाड़ियों के लिए डिफेंस में योगदान देना भी उतना ही जरूरी हो गया है। एफआईएच हॉकी महिला वर्ल्ड कप क्वालीफायर हैदराबाद तेलंगाना 2026 से पहले चल रहे राष्ट्रीय शिविर में टीम की तैयारियां जोरों पर हैं। नवनीत ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, आज की हॉकी में सिर्फ अटैकिंग काफी नहीं है। एक स्ट्राइकर के तौर पर डिफेंसिव स्किल्स भी बहुत अहम हैं। मैं टैकलिंग और बिना गेंद के दबाव बनाने पर ध्यान दे रही हूं, क्योंकि गेंद वापस जीतना टीम के लिए बड़ा फायदा होता है।

अपने व्यक्तिगत फोकस के साथ-साथ नवनीत ने टीम के लक्ष्य को भी स्पष्ट किया। उन्होंने कहा, हमारा उद्देश्य बिल्कुल साफ है। हम वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई करना चाहते हैं और क्वालीफायर्स में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देना चाहते हैं।, यह राष्ट्रीय शिविर भारत की एफआईएच हॉकी महिला वर्ल्ड कप क्वालीफायर हैदराबाद तेलंगाना 2026 की तैयारियों का अहम हिस्सा है। यह टूर्नामेंट 8 से 14 मार्च तक हैदराबाद में आयोजित होगा, जिसमें शीर्ष तीन टीमें 2026 महिला एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई करेंगी। शिविर के माहौल पर बात करते हुए नवनीत ने कहा, कैंप बहुत अच्छा चल रहा है।

फोटोः हि.स.

कोपा डेल रे: लुकमैन ने डेब्यू पर किया गोल

एटलेटिको मैड्रिड सेमीफाइनल में

एजेंसी (हि.स.)
मैड्रिड

नाइजीरिया के फॉरवर्ड अडेमोला लुकमैन ने एटलेटिको मैड्रिड के लिए डेब्यू मैच में ही गोल दागते हुए टीम को बड़ी जीत दिलाई। एटलेटिको ने गुरुवार को खेले गए कोपा डेल रे क्वार्टरफाइनल में रियल बेटिस को 5-0 से रौंदकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। डिएगो सिमियोने की टीम के लिए डेविड हान्को, जुलियानो सिमियोने, अडेमोला लुकमैन, एंटोनी ग्रिजमैन और थियागो अल्मादा ने एक-एक गोल किया। एटलेटिको लगातार तीसरे सीजन कोपा डेल रे के अंतिम चार में पहुंची है।

एटलेटिको 2012-13 के बाद पहली बार कोपा डेल रे का खिताब जीतने की कोशिश करेगा। सेमीफाइनल का ड्रॉ शुक्रवार को होगा, जिसमें बार्सिलोना, एथलेटिक बिलबाओ और रियल सोसिएदाद भी शामिल हैं। मैच में एटलेटिको की शानदार शुरूआत रही। 12वें मिनट में हान्को ने स्कोरिंग का आगाज किया। इसके बाद 30वें मिनट में जुलियानो सिमियोने ने बढ़त दोगुनी कर दी।

37वें मिनट में तेज काउंटर अटैक पर लुकमैन ने डेब्यू पर अपना पहला गोल दागा। लुकमैन ने मैच के बाद कहा,मैं बहुत खुश और गर्व महसूस कर रहा हूं। टीम का प्रदर्शन शानदार रहा। मुझे यहां सभी ने बहुत अच्छे से अपनाया, जिससे मुझे जल्दी सेट होने में मदद मिली। दूसरे हाफ में 62वें मिनट में ग्रिजमैन ने लुकमैन के असिस्ट पर चौथा गोल किया, जबकि 83वें मिनट में अल्मादा ने पांचवां गोल कर जीत पर मुहर लगा दी।

कोच डिएगो सिमियोने ने कहा, लुकमैन हमें मजबूत बनाने आए हैं। उनमें अलग तरह की खूबियां हैं, जो टीम को और बेहतर बनाएंगी। लुकमैन ने विंटर ट्रांसफर विंडो के अंत में अटलांटा से एटलेटिको जॉइन किया था। 28 वर्षीय फॉरवर्ड ने अटलांटा में खराब व्यवहार और अधूरे वादों का हवाला देते हुए क्लब छोड़ने की इच्छा जताई थी। इस मुकाबले में मैक्सिको के मिडफील्डर ओबेद वर्गास ने भी एटलेटिको के लिए डेब्यू किया। वे 79वें मिनट में लुकमैन की जगह मैदान पर आए। एक अन्य नए खिलाड़ी रोड्री मेंडोजा को 66वें मिनट में मौका मिला। एटलेटिको और बेटिस अब रविवार को ला लीगा में फिर आमने-सामने होंगे। लीग तालिका में एटलेटिको तीसरे स्थान पर है, जबकि बेटिस पांचवें नंबर पर मौजूद है और एटलेटिको से 10 अंक पीछे है।

अन्य मुकाबलों में, बुधवार को इन्याकी विलियम्स के स्टॉपेज टाइम गोल से एथलेटिक बिलबाओ ने वालेंसिया को 2-1 से हराकर सात सीजन में छठी बार सेमीफाइनल में जगह बनाई। वहीं रियल सोसिएदाद ने अलावेस को 3-2 से हराकर लगातार तीसरे सीजन अंतिम चार में प्रवेश किया। मंगलवार को बार्सिलोना ने सेकेंड डिवीजन की टीम अल्बासेटे को 2-1 से हराया, जिसने राउंड ऑफ 16 में रियल मैड्रिड को बाहर किया था।

फोटोः हि.स.

अल-नस्र के लिए फिर नहीं खेले क्रिस्टियानो रोनाल्डो, ट्रांसफर विंडो को लेकर असंतोष की अटकलें तेज

एजेंसी (हि.स.)
रियाद

पुर्तगाल के दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो को एक बार फिर अल-नस्र की मैचडे स्क्वॉड से बाहर रखा गया। सऊदी प्रो लीग में अल-इत्तिहाद के खिलाफ मुकाबले के लिए रोनाल्डो का नाम टीम में शामिल नहीं था। यह लगातार दूसरा मैच है जिसमें पांच बार के बैलन डी'ऑर विजेता को बाहर बैठना पड़ा है। इससे पहले 2 फरवरी को अल-रियाद के खिलाफ लीग मैच में भी वे नहीं खेले थे। इस घटनाक्रम के बीच पुर्तगाल में अटकलें तेज हो गई हैं। स्थानीय अखबार ए बोला की रिपोर्ट के अनुसार, रोनाल्डो क्लब की सर्दियों की ट्रांसफर विंडो में अपेक्षाकृत शांत गतिविधियों से खुश नहीं हैं। रोनाल्डो के मौजूदा करार में अभी 18 महीने शेष हैं। उन्होंने 2022 में मैनचेस्टर यूनाइटेड से अल-नस्र का रुख किया था और तब से सऊदी प्रो लीग के सबसे बड़े चेहरों में से एक रहे हैं। उनके आने के बाद कई यूरोपीय सितारों ने भी इस लीग में कदम रखा। बीबीसी स्पोर्ट को जारी बयान में सऊदी प्रो लीग के एक प्रवक्ता ने साफ किया कि किसी भी खिलाड़ी से ऊपर क्लब होता है। प्रवक्ता ने कहा, क्रिस्टियानो के आने के बाद से वे अल-नस्र के साथ पूरी तरह जुड़े रहे हैं और क्लब की महत्वाकांक्षाओं व विकास में उनकी अहम भूमिका रही है। एक शीर्ष प्रतिस्पर्धी की तरह वे जीतना चाहते हैं। उन्होंने आगे कहा,लेकिन कोई भी खिलाड़ी – चाहे वह कितना ही बड़ा क्यों न हो – अपने क्लब से बाहर के फैसलों को तय नहीं करता। हालिया ट्रांसफर गतिविधियां यही दिखाती हैं। किसी क्लब ने एक तरीके से खुद को मजबूत किया, तो किसी ने अलग रास्ता चुना।

फोटोः हि.स.

कपल्स के लिए दुनिया की सबसे रोमांटिक जगहें

वैलेंटाइन डे प्यार को सेलिब्रेट करने का सबसे खास मौका होता है। ऐसे में अगर आप अपने पार्टनर के साथ विदेश यात्रा की योजना बना रहे हैं, तो दुनिया में कई ऐसी जगहें हैं जो रोमांस, खूबसूरती और यादगार पलों के लिए जानी जाती हैं। प्यार को सेलिब्रेट करने के लिए विदेश यात्रा कई कारणों से खास हो सकती है। इस दौरान, पार्टनर के साथ क्वालिटी टाइम बिताने का मौका मिलता है। रोजमर्रा की जिंदगी से ब्रेक मिल जाता है। नए अनुभव और यादें बना सकते हैं और रिश्ते में नई ताजगी को महसूस कर सकते हैं।

हालांकि वैलेंटाइन डे ट्रिप प्लान करते समय ध्यान रखें कि, पहले से फ्लाइट और होटल बुक करें। मौसम और वीजा नियम चेक करें। साथ ही बजट और ट्रैवल इंश्योरेंस का ध्यान रखें। इस वैलेंटाइन डे 2026 पर कपल्स दुनिया की कुछ रोमांटिक डेस्टिनेशन पर जाकर अपने रिश्ते को और खास बना सकते हैं।

कपल्स के लिए दुनिया की सबसे रोमांटिक जगहें

पेरिस, फ्रांस- ये प्यार का शहर है। पेरिस को दुनिया की रोमांटिक कैपिटल कहा जाता है। वैलेंटाइन डे पर यहां, एफिल टॉवर के पास रोमांटिक डिनर, सीन नदी पर क्रूज, खूबसूरत कैफे और आर्ट गैलरी का लुत्फ उठा सकते हैं।

सेंटोरिनी, ग्रीस- सनसेट और रोमांस के लिए ग्रीस के सेंटोरिनी जाएं। सफेद-नीले घर और शानदार सनसेट सेंटोरिनी को खास बनाते हैं। यह शहर, रोमांटिक सनसेट व्यू, समुद्र किनारे रिसॉर्ट, कपल फोटोशूट के लिए परफेक्ट है।

वेनिस, इटली- गोंडोला की सैर रोमांटिक अनुभव कराती है, जो कि वेनिस में मशहूर है। वेनिस की नहरें कपल्स के लिए जन्नत मानी जाती हैं। यहां कपल, गोंडोला राइड, ऐतिहासिक इमारतें, शांत और रोमांटिक माहौल के बीच वैलेंटाइन डे मना सकते हैं।

फुकेत, थाईलैंड-बजट में विदेशी रोमांस का आनंद उठाने के लिए फुकेत जाएं। भारतीय कपल्स के बीच फुकेत काफी लोकप्रिय है। यहां के बीच रिजॉर्ट्स, आइलैंड टूर नाइट लाइफ वैलेंटाइन डे ट्रिप को खास बना देंगे।

स्विट्जरलैंड- बर्फीले पहाड़ के बीच रोमांस को स्विट्जरलैंड दोगुना बना देता है। स्विट्जरलैंड उन कपल्स के लिए परफेक्ट है जो नेचर और रोमांस दोनों चाहते हैं। स्विट्जरलैंड में, आल्प्स की वादियां, स्नोफॉल और लक्जरी रिसॉर्ट्स, ट्रेन जर्नी का अनोखा अनुभव मिल सकता है।

वियना, ऑस्ट्रिया- क्लासिक रोमांस के लिए वियना जा सकते हैं। वियना अपनी म्यूजिक और आर्किटेक्चर के लिए जाना जाता है। ये जगह अपने, शाही महल, क्लासिकल म्यूजिक, कैफे कल्चर के लिए मशहूर है।

मालदीव- लक्जरी और प्राइवेसी के बीच वैलेंटाइन डे सेलिब्रेट करने के लिए मालदीव जाएं। मालदीव हनीमून और वैलेंटाइन ट्रिप के लिए सबसे पसंदीदा जगहों में से एक है। ओवरवॉटर विला, प्राइवेट बीच, कैंडल लाइट डिनर कपल को रोमांचित कर सकते हैं।

प्राग, चेक रिपब्लिक- इसे फेयरीटेल सिटी कहा जा सका है। प्राग को कपल्स की फेवरेट रोमांटिक सिटी माना जाता है। यहां का, चार्ल्स ब्रिज, पुराने किले, खूबसूरत गलियां आनंदित कर देने वाला अनुभव कराती हैं।

क्योटो, जापान- परंपरा और प्यार दोनों का अनुभव चाहिए तो जापान के क्योटो की सैर करें। जो कपल शांति और संस्कृति पसंद करते हैं, उनके लिए क्योटो बेहतरीन विकल्प है। यहां कपल्स को चेरी ब्लॉसम, पुराने मंदिर, शांत और सुकून भरा माहौल मिलता है।

बाली, इंडोनेशिया-
बाली में प्रकृति और रोमांस का मेल मिलता है। बाली बजट-फ्रेंडली और रोमांटिक दोनों है। यहां, प्राइवेट विला, बीच और सनसेट, कपल स्पा का लुत्फ उठा सकते हैं।

पैराग्लाइडिंग का शौक है तो इन जगहों पर जाना मत भूलना

अगर आप आसमान में उड़ने का सपना देखते हैं और रोमांच आपकी रगों में दौड़ता है, तो पैराग्लाइडिंग आपके लिए परफेक्ट एडवेंचर स्पोर्ट है। भारत में पहाड़, घाटियां, समुद्र तट और खूबसूरत मौसम, ये सब मिलकर पैराग्लाइडिंग को एक यादगार अनुभव बना देते हैं। भारत के कई ऐसे शानदार डेस्टिनेशन हैं जहां से आप पक्षियों की तरह उड़ते हुए प्रकृति की खूबसूरती को नजदीक से देख सकते हैं।

पैराग्लाइडिंग से पहले जरूरी सावधानियां

हमेशा सर्टिफाइड इंस्ट्रक्टर के साथ उड़ान भरें।
मौसम की जानकारी जरूर लें।
सेफ्टी गियर पहनना अनिवार्य है।
पहली बार के लिए टैंडम फ्लाइट चुनें।

बीर-बिलिंग, हिमाचल प्रदेश

हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में स्थित बीर-बिलिंग को भारत की पैराग्लाइडिंग राजधानी कहा जाता है। बीर-बिलिंग को दुनिया के टॉप पैराग्लाइडिंग स्पॉट्स में गिना जाता है। यहां से उड़ान भरते समय हिमालय की वादियां, हरे-भरे जंगल और साफ आसमान दिल जीत लेते हैं।

बेस्ट टाइमः अक्टूबर से जून
अंतर्राष्ट्रीय स्तर की साइट
पैराग्लाइडिंग वर्ल्ड कप की मेजबानी
मनाली के सोलंग में बर्फ के बीच उमड़ी भीड़।

मनाली, हिमाचल प्रदेश

मनाली एडवेंचर लवर्स की पसंदीदा जगह है। सोलंग वैली में पैराग्लाइडिंग करते हुए बर्फ से ढके पहाड़ और देवदार के जंगल बेहद शानदार नजारा देते हैं।

बेस्ट टाइमः मार्च से जून
पहली बार वालों के लिए सुरक्षित
फोटोग्राफी के लिए बेस्ट

नैनीताल, उत्तराखंड

झीलों के शहर नैनीताल में पैराग्लाइडिंग का अनुभव बेहद सुकून और रोमांच से भरा होता है। यहां से नैनी झील और आसपास की पहाड़ियां बेहद खूबसूरत दिखती हैं।

बेस्ट टाइमः अप्रैल से जून
प्रकृति और रोमांच का परफेक्ट कॉम्बो
फैमिली ट्रिप के लिए बढ़िया

गोवा

अगर आप पहाड़ों से हटकर कुछ अलग चाहते हैं, तो गोवा में समुद्र के ऊपर पैराग्लाइडिंग एक यूनिक एक्सपीरियंस है। नीला समंदर और सुनहरे बीच नजरों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं।

बेस्ट टाइमः अक्टूबर से मार्च
बीच पैराग्लाइडिंग
पर्यटकों के बीच बेहद लोकप्रिय

कोडाइकनाल, तमिलनाडु

दक्षिण भारत में पैराग्लाइडिंग के लिए कोडाइकनाल एक शानदार विकल्प है। हरियाली, घाटियां और ठंडी हवा उड़ान को खास बना देती है।

बेस्ट टाइमः जनवरी से मई
साउथ इंडिया का बेस्ट स्पॉट
शांत और नेचुरल माहौल

पावना, महाराष्ट्र

मुंबई और पुणे के पास स्थित पावना लेक पैराग्लाइडिंग के लिए मशहूर है। वीकेंड ट्रिप के लिए यह जगह परफेक्ट है।

बेस्ट टाइमः नवंबर से फरवरी
शॉर्ट ट्रैवल
सनसेट फ्लाइट्स फेमस

सिविल अस्पताल पंचकूला में आयुष्मान भारत/चिरायु सर्जिकल कैंप में 6 फरवरी को की गई 16 सर्जरी

11 फरवरी तक सिविल अस्पताल सेक्टर-6 में निःशुल्क एवं कैशलेस सर्जरी की सुविधा

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

हरियाणा सरकार द्वारा निर्देशित आयुष्मान भारत सर्जिकल कैंप 2 फरवरी से 11 फरवरी तक प्रदेश-भर में आयोजित किया जा रहा है। इस अभियान का प्रमुख उद्देश्य आयुष्मान भारत/चिरायु हरियाणा योजना अंतर्गत लंबित सर्जरी वाले किसी भी पात्र लाभार्थी को प्रतीक्षा में न रहने देना तथा सभी लाभार्थियों को समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण, निःशुल्क एवं कैशलेस शल्य चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है।

सिविल सर्जन डॉ मुक्ता कुमार ने बताया कि उक्त उद्देश्य की पूर्ति हेतु सिविल अस्पताल, सेक्टर-06, जिला पंचकूला में इस सर्जिकल कैंप का विधिवत आयोजन किया गया है। अस्पताल प्रशासन, विशेषज्ञ चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ तथा आयुष्मान प्रबंधन टीम द्वारा कैंप के दौरान पूर्ण समन्वय एवं तत्परता के साथ कार्य किया जा रहा है।

उन्होंने बताया की 6 फरवरी को विभिन्न विभागों द्वारा कुल 16 सर्जरी सफलतापूर्वक की गई, जिसमें से 4 जनरल सर्जरी विभाग, 5 नेत्र रोग विभाग, 4 स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग, 2 हड्डी रोग विभाग और 1 ईएनटी विभाग से संबंधित सर्जरी शामिल है।

उन्होंने बताया आगामी 7 से 11 फरवरी तक सर्जिकल कैंप की सुचारु कार्यवाही हेतु विभिन्न व्यवस्थाएँ की गई है जिनमे विशेषज्ञ सर्जनों एवं एनेस्थीसिया टीम की निरंतर उपलब्धता, ऑपरेशन थियेटर का 247 संचालन-सक्षम रखरखाव, प्री-ऑपरेशनल एवं पोस्ट-ऑपरेशनल वार्ड में अतिरिक्त बेड की उपलब्धता, दस्तावेज सत्यापन एवं लाभार्थी पंजीकरण हेतु समर्पित आयुष्मान हेल्पडेस्क, स्टेरलाइजेशन, पैथोलॉजी एवं रेडियोलॉजी सेवाओं की निर्बाध आपूर्ति और प्रत्येक विभाग में मरीज सहायता एवं मार्गदर्शन हेतु हेल्प टीम की नियुक्त शामिल है।

सिविल सर्जन डॉ मुक्ता कुमार ने सभी पात्र लाभार्थियों, समुदाय प्रतिनिधियों एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए कहा है की जिन लाभार्थियों की किसी भी प्रकार की सर्जरी लंबित है, वे सिविल अस्पताल, सेक्टर-6, पंचकूला में शीघ्र संपर्क करें।

आयुष्मान भारत/चिरायु हरियाणा योजना के अंतर्गत सभी प्रकार की सर्जरी पूर्णतया निःशुल्क एवं कैशलेस हैं। उन्होंने कहा की लाभार्थी अस्पताल पहुँचते समय अपना आभा नंबर/आयुष्मान कार्ड/चिरायु दस्तावेज अवश्य साथ लाएँ।

उन्होंने कहा की जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग का लक्ष्य है कि इस अभियान अवधि के दौरान एक भी पात्र लाभार्थी सर्जरी हेतु प्रतीक्षा सूची में न रहे।

अतिरिक्त उपायुक्त ने आयुक्त एवं सचिव को समाधान शिविर में आई समस्याओं का जल्द समाधान करने का दिया आश्वासन

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

आयुक्त एवं सचिव, आबकारी एवं कराधान विभाग श्रीमती आशिमा बराड ने चंडीगढ से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी उपायुक्तों के साथ समाधान शिविर में आई समस्याओं पर की गई कार्यवाही की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने सभी उपायुक्तों को बिना विलंब समाधान शिविर की समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए।

अतिरिक्त उपायुक्त श्रीमती निशा यादव ने आयुक्त एवं सचिव, आबकारी एवं कराधान को आश्वासन दिया कि समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार व बिना विलंब के जल्द ही कर दिया जाएगा।

अतिरिक्त उपायुक्त ने इसके उपरांत लघु सचिवालय के सभागार में विभिन्न विभागों के अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने समाधान शिविर, सीपी ग्राम, जनसंवाद, सीएम विंडो, एसएमजीटी की लंबित शिकायतों की समीक्षा की और जल्द से जल्द समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर में आने वाले प्रत्येक नागरिक की समस्या का जल्द से जल्द समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि जिलावासी अपनी समस्या के समाधान के लिए परेशान न हों। इस कार्य में किसी भी प्रकार का अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि हरियाणा के मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार प्रदेश के लोगों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए समाधान शिविर हर जिले में आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिलावासियों की समस्याओं का समाधान करना सभी अधिकारियों की प्राथमिकता होनी चाहिए। इस मामले में कोताही की गुंजाइश नहीं है।

इस अवसर पर एसडीएम कालका संयम गर्ग, नगराधीश जागृति, जिला वन अधिकारी विशाल कौशिक, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी विशाल पराशर, सीएम विंडो के एमिनेंट पर्सन जसमेर बंजारा, सत्यवान भारद्वाज, बीडीपीओ पिंजौर विनय प्रताप, बीडीपीओ मोरनी शबनम, पब्लिक हेल्थ के कार्यकारी अभियंता समीर शर्मा, डीपीओ सविता नेहरा, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

एसडी कॉलेज में क्रिएटिव राइटिंग वर्कशॉप आयोजित छात्रों ने सीखी कविता लेखन की नई विधाए

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के पोस्ट ग्रेजुएट इंग्लिश विभाग द्वारा विद्यार्थियों की साहित्यिक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से क्रिएटिव राइटिंग वर्कशॉप का आयोजन किया गया। वर्कशॉप का मुख्य उद्देश्य छात्रों की रचनात्मक सोच को विस्तार देना, लेखन कौशल को सुदृढ़ बनाना तथा उन्हें कविता और चिंतनात्मक लेखन जैसे विभिन्न साहित्यिक रूपों से परिचित कराना रहा। अलग-अलग सत्रों में विद्यार्थियों को भावों की अभिव्यक्ति, कल्पनाशील लेखन और विचारों को सशक्त शब्दों में पिरोने की बारीकियों से अवगत कराया गया।छह दिवसीय कार्यशाला श्रृंखला के अंतर्गत इंग्लिश विभाग ने तीन प्रतिष्ठित संसाधन व्यक्तियों की मेजबानी की।इनमें पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ के इंग्लिश विभाग की प्रोफेसर दीप्ति गुप्ता, चंडीगढ़ की बैंकर से कवयित्री बनीं नीना सिंह तथा एमिटी यूनिवर्सिटी, मोहाली में इंग्लिश की असिसटेंट प्रोफेसर डॉ. उर्वी शर्मा शामिल रहीं। कार्यशाला के सत्रों में विद्यार्थियों को विद्वतापूर्ण दृष्टिकोण के साथ-साथ रचनात्मक प्रेरणा भी प्राप्त हुई। इन सत्रों के दौरान छात्रों ने हाइकू, ब्लैकआउट कविता, एक्फ्रेस्टिक कविता सहित कविता लेखन की विभिन्न विधाओं को सीखते हुए अपनी रचनात्मक प्रतिभा को निखारने का अवसर पाया। कार्यक्रम के प्रत्येक दिन की शुरूआत कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा द्वारा विशिष्ट संसाधन व्यक्तियों का गर्मजोशी से स्वागत करने तथा सभा को संबोधित करने के साथ हुई। उन्होंने पारंपरिक कक्षा शिक्षण से आगे बढ़कर विद्यार्थियों को साहित्य से जोड़ने के लिए विभाग द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम का समापन पोस्ट ग्रेजुएट इंग्लिश विभाग की अध्यक्ष प्रो. पूजा सरीन द्वारा संसाधन व्यक्तियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया।

आयुष्मान भारत भारत में हेल्थकेयर क्रांति से कम नहीं हैः प्रो. विवेक लाल

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

आयुष्मान भारत भारत में हेल्थकेयर क्रांति से कम नहीं है। इस स्कीम ने लाखों लोगों को मेडिकल खर्च के कारण गरीबी में जाने से बचाया है, और पीजीआई को इस विजन को हकीकत में बदलने में सबसे आगे होने पर गर्व है, यह बात पीजीआई के डायरेक्टर, प्रो. विवेक लाल ने पीजीआई में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने आयुष्मान भारत-प्रधान मंत्री जन आरोग्य योजना के तहत मुश्किल, हाई-एंड इलाज देने में इंस्टिट्यूट की अहम भूमिका पर जोर दिया। मीडिया को संबोधित करते हुए, प्रो. लाल ने इस बात पर जोर दिया कि पीजीआई समाज के सबसे कमजोर तबकों के फायदे के लिए सरकारी हेल्थ स्कीमों को असरदार तरीके से लागू करने में एक मिसाल बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत सिर्फ. एक फाइनेंशियल प्रोटेक्शन सिस्टम नहीं है, बल्कि एक बड़ा सिस्टमिक सुधार है जो भारत में हेल्थकेयर डिलीवरी को पूरी तरह से बदल रहा है।

प्रो. लाल ने आगे कहा कि पीजीआई देश में सबसे ज्यादा आयुष्मान भारत के फायदों में से एक है। इंस्टीट्यूट में *गुर्दे के ट्रांसप्लांट, स्पाइन सर्जरी, जॉइंट रिप्लेसमेंट और दूसरे कॉम्प्लेक्स प्रोसीजर* का एक बड़ा हिस्सा अब इस स्कीम के तहत किया जा रहा है, जिसके क्लिनिकल नतीजे दुनिया के बड़े इंस्टीट्यूशन के बराबर हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि पीजीआई में इस्तेमाल होने वाले *स्वदेशी और आयुष्मान-अप्रूव्ड इम्प्लांट* कड़े इंटरनेशनल क्वालिटी स्टैंडर्ड को मानते हैं, जिससे यह बात और मजबूत होती है कि किफायती होने का मतलब देखभाल के स्टैंडर्ड से समझौता करना नहीं है।

पीजीआई सिर्फ.आम मामलों के लिए हॉस्पिटल नहीं है। हमें पूरे भारत से रेफरल मिलते हैं—ऐसे मरीज जो अक्सर दूसरी जगहों पर मौजूद सभी ऑप्शन आजमा चुके होते हैं। हमारी ज़िम्मेदारी है कि मरीज की पेमेंट करने की क्षमता की परवाह किए बिना, सबसे अच्छी देखभाल दी जाए प्रो. लाल ने कहा।

मीडिया से बातचीत के दौरान मौजूद सीनियर फैकल्टी मेंबर्स में प्रो. विपिन कौशल, मेडिकल सुपरिटेंडेंट और हेड, डिपार्टमेंट ऑफ हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन; प्रो. विजय गोनी, हेड, डिपार्टमेंट ऑफ ऑर्थोपेडिक्स; डॉ. विशाल कुमार, प्रोफेसर, डिपार्टमेंट ऑफ ऑर्थोपेडिक्स; और डॉ. नवीन पांडे, एडिशनल प्रोफेसर, डिपार्टमेंट ऑफ हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन, पीजीआई शामिल थे।

चंडीगढ़ में अंतर-राज्य युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम का समापन समारोह आयोजित

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

अंतर-राज्य युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम 2025झ26 का समापन समारोह 6 फरवरी 2026 को राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र, सेक्टर-12, चंडीगढ़ में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। पाँच दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत ट ईँ१३ चंडीगढ़ द्वारा किया गया, जिसमें मध्य प्रदेश राज्य से आए 37 युवा प्रतिभागियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम की शोभा डॉ. नेमी चंद, एन.एस.एस राज्य संपर्क अधिकारी, चंडीगढ़ प्रशासन, ने मुख्य अतिथि के रूप में बढ़ाई, जबकि डॉ. के. गिरीशन, विभागाध्यक्ष, लोक प्रशासन विभाग, आर.जी.एन.आई.वाई.डी, विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

समारोह के दौरान मध्य प्रदेश के प्रतिभागियों द्वारा प्रस्तुत की गई रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने राज्य की समृद्ध लोक परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को दशार्या। वहीं स्वयंसेवकों एवं डीएवी कॉलेज, सेक्टर-10, चंडीगढ़ के विद्यार्थियों ने हरियाणा एवं पंजाब की सांस्कृतिक झलक को पारंपरिक लोक नृत्यों के माध्यम से प्रस्तुत कर भारत की एकता में विविधता को उजागर किया।

समारोह को संबोधित करते हुए श्री विनय कुमार, जिला युवा अधिकारी, ट ईँ१३ चंडीगढ़ ने अंतर-राज्य युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक समझ तथा युवा नेतृत्व के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने बताया कि इस प्रकार की पहल विभिन्न राज्यों के युवाओं के बीच आपसी संबंधों को सुदृढ़ कर राष्ट्र निर्माण में सार्थक योगदान देती है।

डॉ. के. गिरीशन एवं डॉ. नेमी चंद ने भी युवाओं में सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक संवेदनशीलता तथा सक्रिय नागरिकता को प्रोत्साहित करने में युवा आदान-प्रदान कार्यक्रमों की भूमिका को रेखांकित किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ वंदे मातरम् के सामूहिक गायन से हुआ तथा सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। इसके साथ ही ग्लोबल यूथ फेडरेशन द्वारा प्रायोजित विशेष कॉफी मग स्मृति-चिह्न के रूप में भेंट किए गए। समारोह का समापन राष्ट्रीय गान के साथ देशभक्ति भाव से ओतप्रोत वातावरण में हुआ। अंतर-राज्य युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम (चंडीगढ़झमध्य प्रदेश) युवाओं के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान, पारस्परिक सीख और राष्ट्रीय एकता की भावना को सुदृढ़ करने का एक सशक्त मंच सिद्ध हुआ।

जिला नगर योजनाकार की टीम द्वारा अर्बन एरिया पंचकूला में बड़ी कार्यवाही

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा के मार्गदर्शन में आज डीटीपी श्रीमती बबीता गुप्ता के नेतृत्व में जिला नगर योजनाकार, पंचकूला की टीम द्वारा अर्बन एरिया पंचकूला में बड़ी कार्यवाही की गई। इस कार्यवाही में गांव प्लासरा में 4 एकड की अवैध कॉलोनी और गांव बतौर में 3 एकड की अवैध कॉलोनी में सड़क नेटवर्क को जेसीबी द्वारा धवस्त किया गया। उक्त कार्यवाही ड्यूटी मैजिस्ट्रेट, श्री नीलांशू दुबे, एसडीई, यूएचबीवीएन (अर्बन) पंचकूला, श्री अशोक कुमार, सहायक नगर योजनाकर, पंचकूला और श्री डिम्पी राठी, सहायक नगर योजनाकार, पचंकूला एवं भारी पुलिस बल की उपस्थिति में संपन्न हुई। इस संबंध में जानकारी देते हुए डीटीपी श्रीमती बबीता गुप्ता ने बताया कि कोई भी निर्माण या कॉलोनी विकसित करने से पहले निदेशक, नगर तथा ग्राम आयोजना विभाग हरियाणा से अनुमति प्राप्त किया जाना अनिवार्य है। यदि कोई व्यक्ति बिना अनुमति से किसी प्रकार का अवैध निर्माण या कॉलोनी विकसित करता पाया गया तो उसके विरूद्ध सख्त कानूनी कार्यवाही जारी रखी जाऐगी। उन्होने कहा कि आमजन से अनुरोध किया गया है कि विभाग से सीएलयु/लाईसेंस की अनुमति लिए बिना कोई भी निर्माण व अनाधिकृत कॉलोनी विकसित न करें।

संक्षिप्त-समाचार

मोहाली में बनने वाले चौकों के लिए रास्ता साफ, कोर्ट द्वारा लगाई गई रोक हटी

मोहाली। गमाडा द्वारा एस.ए.एस. नगर के मुख्य सड़क इंटरसेक्शनों पर बनाए जाने वाले चौकों के लिए कुछ पेड़ों की कटाई आवश्यक होने के कारण, पेड़ों की कटाई को लेकर गमाडा द्वारा की जा रही कार्रवाई को कुछ व्यक्तियों ने माननीय पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में सी.डब्ल्यू.पी.-पी.आई.एल.-392-2025 के माध्यम से चुनौती दी थी। इस मामले की सुनवाई के दौरान माननीय अदालत ने आदेश जारी किए थे कि अगली सुनवाई की तिथि तक मोहाली और पंजाब में कहीं भी अदालत की अनुमति के बिना पेड़ों की कटाई नहीं की जाएगी। पेड़ों की कटाई पर लगाई गई इस रोक को माननीय अदालत ने दिनांक 03 फरवरी 2026 को एक आदेश के माध्यम से हटा दिया है। इसके साथ ही शहर में बनने वाले चौकों के निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। माननीय अदालत के इस फैसले से शहर की सड़कों को सुंदर बनाने और ट्रैफिक की समस्या को बेहतर ढंग से सुधारना संभव हो सकेगा।

भारतीय रिजर्व बैंक चंडीगढ़ ने गुरुग्राम, हरियाणा में टरटए बैंकरों के लिए दो दिवसीय एमएसएमई कार्यशाला का किया आयोजन

गुरुग्राम। भारतीय रिजर्व बैंक (फ्छक), चंडीगढ़ ने 5-6 फरवरी, 2026 को गुरुग्राम, हरियाणा में लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए बैंकर्स की वित्तपोषण क्षमता निर्माण पर दो दिवसीय राष्ट्रीय मिशन (एनएएमसीएबीएस) कार्यशाला आयोजित की। श्री विवेक श्रीवास्तव, क्षेत्रीय निदेशक, आरबीआई चंडीगढ़ ने कार्यशाला का उद्घाटन किया जिसमें श्री पंकज सेतिया, महाप्रबंधक, भारतीय रिजर्व बैंक, श्री संजीव कुमार धूपर, अध्यक्ष, हरियाणा ग्रामीण बैंक और अन्य बैंकों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। कार्यशाला में हरियाणा के चरखी दादरी, रेवाड़ी, महेंद्रगढ़, झज्जर, गुरुग्राम और नूह जिलों के 15 विभिन्न बैंकों से लघु एवं मध्यम उद्यम ऋण का कार्य संभालने वाले लगभग 72 बैंकरों ने भाग लिया। क्षेत्रीय निदेशक ने अपने उद्घाटन भाषण में एमएसएमई विकास और रोजगार सृजन को सुविधाजनक बनाने में बैंकों और वित्तीय संस्थानों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कहा , ₹एमएसएमई भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, और बैंकों को उद्यमियों के प्रति अधिक संवेदनशील और सहानुभूतिपूर्ण दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। वैश्विक अनिश्चितता के इस समय में, 'मेक इन इंडिया' मिशन के तहत स्थानीय उत्पादों को चैंपियन बनाने के लिए एमएसएमई को सशक्त बनाने से अर्थव्यवस्था मजबूत और आत्मनिर्भर रहेगी। श्री पंकज सेतिया, महाप्रबंधक, आरबीआई ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए इस कार्यशाला को प्रतिभागियों के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रथाओं, नीतिगत दिशा-निर्देशों और एमएसएमई वित्तपोषण में नवाचारपूर्ण दृष्टिकोणों से खुद को अपडेट करने का अवसर बताया। उन्होंने बैंकरों से अनुरोध किया कि वे विशेष रूप से मौजूदा वैश्विक परिवेश में अधिक संवेदनशील और उद्यमी-मित्रवत दृष्टिकोण को अपनाएँ जो कि'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण है। दो दिनों के दौरान आयोजित तकनीकी सत्रों का संचालन आरबीआई, सीजीटीएमएसई, एमएसएमई डीएफओ,ट्रांसयूनियन सिबिल के विषय-विशेषज्ञों और वाणिज्यिक बैंकों के अनुभवी संकाय सदस्यों द्वारा किया गया। इन सत्रों में एमएसएमई ऋण मूल्यांकन, जोखिम न्यूनीकरण, फिनटेक समाधान और नियामक अद्यतनों के व्यावहारिक पहलुओं को शामिल किया गया। आरबीआई के प्रयासों को स्वीकार करते हुए, प्रतिभागियों ने व्यक्त किया कि कार्यक्रम के दौरान प्राप्त अंतर्दृष्टियाँ शाखा स्तर पर एमएसएमई वित्तपोषण को मजबूत करने में मूल्यवान होंगी। एनएएमसीएबीएस (ठअटउअइर) कार्यशाला को बैंकर्स को उद्यमिता का समर्थन, रोजगार उत्पन्न करने और एमएसएमई (टरटए) क्षेत्र को मजबूत करने के लिए आवश्यक ज्ञान और उपकरणों के साथ सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

बैंगलोर से कश्मीर तक विदेशी सांडों का ऐतिहासिक सफर; बडगाम रेलवे स्टेशन पहुँचा पहला पशुधन पार्सल

जम्मू। उत्तर रेलवे का जम्मू मंडल माल दुलाई के क्षेत्र में दिन ब दिन नई क्रांति के साथ ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए, अपनी प्रगति की और आगे बढता जा रहा हैं। अब तक केवल माल ढुलाई ऑटोमोबाइल, सेब, स्टील, अनाज आदि के लिए उपयोग की जाने वाली मालगाड़ियों, का उपयोग विशेष पहल के साथ पार्सल वैन द्वारा अब पशु परिवहन के लिए भी किया जा रहा है। बैंगलोर से जम्मू कश्मीर के लिए कुल 23 विदेशी नस्ल के सांडो को लाया गया । इन कीमती पशुओं को सुरक्षित रूप से रेलवे की पार्सल वैन के माध्यम से लंबी दूरी तय करके कश्मीर पहुंचाया गया। यह पहल रेलवे द्वारा कृषि और पशुपालन विभाग की प्रजनन विकास योजना का हिस्सा है। जिसका परिणाम हैं, कि जम्मू मंडल ने एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए, बैंगलोर (कर्नाटक) से विदेशी नस्ल के सांडों की पहली खेप को कश्मीर पहुचाकर, पशुओ की उपलब्धता को सुगम बनाएगा। इन 23 विदेशी सांडो में से को 06 बारी ब्राह्मणा गुड्स शेड व अन्य 17 विदेशी सांडों को बडगाम गुड्स शेड में उतरा गया, यह ऐतिहासिक परिवहन न केवल लॉजिस्टिक्स की दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि कश्मीर की डेयरी अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने वाला कदम साबित होगा। महत्त्वपूर्ण पहलुओ पर नजर डाले तो, पहली बार है जब इतनी लंबी दूरी (बैंगलोर से कश्मीर) तक पशुधन का परिवहन पार्सल वैन के माध्यम से किया गया है। बैंगलोर से रवाना होकर यह पार्सल ट्रेन देश के विभिन्न राज्यों को पार करती हुई उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक के जरिए बडगाम पहुँची है। यात्रा के दौरान पशुओं के कल्याण के लिए भारतीय मानक ब्यूरो के कड़े मापदंडों और विशेष चेंबरों का उपयोग किया गया, ताकि सांडों को शारीरिक क्षति या तनाव न हो। इस विशेष पशु मालढुलाई पर वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक जम्मू, श्री उचित सिंघल ने बताया, ₹ कि इन उच्च गुणवत्ता वाले विदेशी सांडों के आगमन से कश्मीर में पशुओं की स्थानीय नस्लों में सुधार होगा, जिससे दूध उत्पादन की क्षमता में भारी वृद्धि होगी। रेलवे द्वारा परिवहन से सड़क मार्ग की तुलना में न केवल खर्च कम हुआ है, बल्कि प्रतिकूल मौसम में भी सुरक्षित और समय पर डिलीवरी सुनिश्चित हुई है। इससे कश्मीर के डेयरी किसानों की आय बढ़ेगी और क्षेत्र में श्वेत क्रांति के नए युग की शुरूआत होगी। यह सफलता दशार्ती है कि कश्मीर अब राष्ट्रीय माल ढुलाई नेटवर्क से पूरी तरह जुड़ चुका है, जिससे आने वाले समय में अन्य पशुधन और कृषि उत्पादों का व्यापार आसान होगा। यह पहल 'विकसित भारत' और आत्मनिर्भर जम्मू-कश्मीर की दिशा में एक बड़ा कदम है।

नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान पटियाला में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की शुरूआत, 600 से अधिक प्रतिभागियों की भागीदारी

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़यपटियाला

नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान (एनएसएनआईएस), पटियाला में शुक्रवार को आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन ह्लग्रासरूट्स टू ग्रेटनेसः प्रतिभा पहचान एवं खिलाड़ी विकासह्व में भाग ले रहे अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों एवं शिक्षाविदों ने एकमत से इस बात पर बल दिया कि वर्ष 2047 तक भारत को विश्व के शीर्ष-5 खेल राष्ट्रों में शामिल करने के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विजन को साकार करने हेतु गुणवत्तापूर्ण कोचों का विकास अत्यंत आवश्यक है।

नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान, पटियाला, भारतीय खेल प्राधिकरण (रअक) के अंतर्गत खेल कोचिंग एवं खेल विज्ञान शिक्षा का शीर्ष राष्ट्रीय संस्थान है। सम्मेलन में 600 से अधिक इच्छुक कोचों, प्रतिष्ठित खिलाड़ियों, खेल वैज्ञानिकों, प्रशासकों, शिक्षाविदों और छात्रों के साथ-साथ 30 से अधिक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त विशेषज्ञों ने भाग लिया, जिससे यह देश में खेल विकास के क्षेत्र का एक प्रमुख ज्ञान-साझा मंच बना।

सम्मेलन का उद्घाटन हरि रंजन राव (आईएएस), सचिव (खेल), युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय (ट अर) तथा महानिदेशक, भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा किया गया। उन्होंने कहा कि खेल मंत्रालय ह्लएक सुदृढ़ खेल पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण के लिए निरंतर प्रयासरत है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करते हुए हरि रंजन राव ने कहा, रअक नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान, पटियाला को ह्यग्रासरूट्स टू ग्रेटनेस झ प्रतिभा पहचान एवं खिलाड़ी विकासह्व पर दूसरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी करने पर गर्व है। भारत एक वैश्विक खेल महाशक्ति बनने की दिशा में अग्रसर है। खेलो इंडिया जैसी पहलें युवा खिलाड़ियों के लिए स्पष्ट मार्ग प्रशस्त कर रही हैं। हमारा ध्यान ग्रासरूट्स विकास, खेल अवसंरचना और खिलाड़ियों की सफलता के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग पर केंद्रित है।

सर्बिया की सिंगिडुनम यूनिवर्सिटी के शारीरिक शिक्षा एवं खेल प्रबंधन संकाय के डीन प्रो. नेनाद त्रुनिक ने सम्मेलन में भाग लेने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा, इस सम्मेलन के लिए आमंत्रित करने पर मैं भारतीय खेल प्राधिकरण का आभार व्यक्त करता हूँ। स्लोवाकिया की राष्ट्रीय युवा टीम के कोच एवं एफआईबीए बास्केटबॉल कोच रिचर्ड ली ब्रूक्स ने कहा कि केवल प्रतिभा की पहचान करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि कोचों को प्रशिक्षित एवं सक्षम बनाना अधिक महत्वपूर्ण है।

सम्मेलन में भाग लेने वाले अन्य प्रमुख विशेषज्ञों में फरुख अहमदोव (वैज्ञानिक विभाग प्रमुख, समरकंद स्टेट यूनिवर्सिटी), डॉ. पिनार याप्राक (सहायक प्रोफेसर, तुर्किये), प्रो. डॉ. हान्नो फेल्डर (कार्यवाहक निदेशक, ओलंपिक प्रशिक्षण केंद्र) तथा डॉ. मार्टिन टॉम्स (एसोसिएट प्रोफेसर, वैश्विक खेल शिक्षा एवं कोचिंग, बर्मिंघम विश्वविद्यालय, यूके) शामिल रहे।7 मई 1961 को स्थापित, नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान एशिया का सबसे बड़ा खेल संस्थान है, जो पटियाला में 268 एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है। स्थापना के बाद से अब तक संस्थान ने देश को 17 पद्म श्री, 12 द्रोणाचार्य, 17 मेजर ध्यानचंद खेल रत्न तथा 175 अर्जुन पुरस्कार विजेता प्रदान किए हैं।

डॉ. मार्टिन टॉम्स ने कहा, पिछले 15 वर्षों से पटियाला मेरा दूसरा घर रहा है। ह्यग्रासरूट्स टू ग्रेटनेसह्व जैसे सम्मेलन बेहद महत्वपूर्ण हैं। यहां प्रशिक्षित हो रहे युवा कोच भविष्य में प्रतिभाओं की पहचान करेंगे और भारत को पदक तालिका में शीर्ष पर पहुँचाने में अहम भूमिका निभाएंगे।

सम्मेलन के दौरान के वरिष्ठ कोचों एवं अधिकारियों ने विशेषज्ञों के साथ संवाद किया तथा युवा प्रतिभाओं की पहचान, दीर्घकालिक विकास रणनीतियों और अंतरराष्ट्रीय सफलता के लिए खिलाड़ियों की तैयारी से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। इस अवसर पर पंजाब सरकार के विशेष मुख्य सचिव श्री सरवजीत सिंह (आईएएस) ने कहा, ऐसे सम्मेलन हमारे कोचों को अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रथाओं से अवगत कराते हैं। पंजाब का खेल बजट 250झ300 करोड़ रुपये से बढ़कर लगभग 1000 करोड़ रुपये हो गया है। ग्राम पंचायत स्तर पर लगभग 3000 खेल मैदानों का उन्नयन किया जा रहा है। कोचों की संख्या 350 से बढ़कर लगभग 2300 हो गई है, जो राज्य सरकार की खेल विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ता है।